ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com • डालटनगंज • फाल्गुन कृष्ण पक्ष 05 • विक्रम संवत 2079 • शुक्रवार, 10 फरवरी 2023 • वर्ष-29 • अंक-117 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 1.50

सोनू सूद का बनाया गया मंदिर...
पेज 10 पर

NEWS इन ब्रीफ

पीएलएफआई के एरिया कमांडर को जमानत

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस अम्बुज नाथ की खंडपीठ में गुरुवार को प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के एरिया कमांडर जेठा कच्छप की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने जेठा कच्छप को जमानत दे दी। जेठा कच्छप की ओर से अधिवक्ता सुजय दयाल ने अदालत में पक्ष रखा।

रांची हिंसा मामले के आरोपित को जमानत नहीं

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस राजेश कुमार की अदालत में गुरुवार को रांची में 10 जून, 2022 को हुई हिंसा के आरोपित इरफान अंसारी उर्फ जुबेर आलम को जमानत देने से इनकार कर दिया। इरफान ने झारखंड हाईकोर्ट में नियमित जमानत के लिए याचिका दाखिल की थी। कोर्ट ने जमानत अर्जी पर सरकार और आरोपित का पक्ष सुनने के बाद जमानत याचिका खारिज कर दी है। आरोपित इरफान 25 जुलाई, 2022 से न्यायिक हिरासत में है।

अमित और राजीव ने ईडी कोर्ट से मांगा समय

रांची। ईडी के विशेष न्यायाधीश प्रभात कुमार शर्मा की अदालत में गुरुवार को पीआईएल मैनेज करने के एवज में कैश लेने के मामले की सुनवाई हुई। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 22 फरवरी की तिथि निर्धारित की है। सुनवाई के दौरान इस केस से जुड़े दोनों आरोपित व्यवसायी अमित अग्रवाल और झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता राजीव कुमार ने अदालत से डिस्चार्ज पिटीशन दाखिल करने के लिए समय देने का आग्रह किया। व्यवसायी अमित अग्रवाल की तरफ से अधिवक्ता विद्युत चौरसिया ने अदालत में पक्ष रखा। अधिवक्ता राजीव कुमार की ओर से रांची सिविल कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता शंभु अग्रवाल ने पक्ष रखा। ईडी ने पीआईएल मैनेज करने से जुड़े केस में कांड संख्या ईसीआईआर 05/2022 दर्ज की है। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार उर्फ काका जी कोर्ट में उपस्थित थे।

साहिबगंज में 11 को होगी खड़गे की जनसभा

रांची। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का साहिबगंज जिले में 11 फरवरी को जनसभा प्रस्तावित है। बड़हरवा के श्रीकुंड हाईस्कूल मैदान में उनका कार्यक्रम होगा, जिसमें हजारों कार्यकर्ता जुटेंगे। इसकी जानकारी झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव तनवीर आलम ने दी। तनवीर आलम ने बताया कि प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जिला से लेकर पंचायत स्तर तक के कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर डोर टू डोर प्रचार प्रसार करने को कहा गया है।

कैबिनेट में 25 प्रस्तावों को मंजूरी

20 मॉडल स्कूल बनेंगे आवासीय विद्यालय

झारखंड विधानसभा का बजट सत्र 27 फरवरी से होगा शुरू

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में गुरुवार को मंत्रिपरिषद की बैठक हुई। इसमें 25 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गयी। राज्य सरकार ने झारखंड के 20 मॉडल स्कूलों को आवासीय स्कूल में बदलने का निर्णय लिया है। साथ ही इन स्कूलों की सूची बनायी गयी है। इसके अलावा राज्य में संचालित 203 कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय के शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के मानदेय में 20 फीसदी बढ़ोत्तरी का निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार के इस निर्णय से 1234 शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। इसके लिए राज्य सरकार तीन करोड़ 53

लाख रुपये वहन करेगी। बैठक के बाद कैबिनेट सचिव अजय कुमार सिंह ने फैसलों की जानकारी दी।

पीपीपी मोड में डेवलप होंगे पर्यटन स्थल : कैबिनेट की बैठक में पर्यटन स्थलों को पीपीपी मोड में डेवलप करने संबंधित प्रस्ताव पर मुहर लगाई गई। बताया गया कि राज्य के पर्यटन स्थलों को पीपीपी मोड पर संचालित करने के लिए दिया जाएगा। चयनित एजेंसी पर्यटन स्थलों को डेवलप भी करेगी और उसे संचालित भी करेगी। साथ ही राज्य योजनामद में आनेवाले इंटर प्रशिक्षित उर्दू शिक्षकों को गैर योजनामद में लाने का निर्णय लिया गया है। रांची स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के लिए एचईसी से ली गयी 647.08 एकड़ जमीन का जो बकाया राशि ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

कैबिनेट के अन्य फैसले

- 238 सूखाग्रस्त प्रखंड में राहत के लिए 268 करोड़ जेसीएफ से लोन लिया जायेगा। 20 लाख लाभुकों को खाद्य सुरक्षा दी जायेगी। जनवरी से दिसम्बर तक मुफ्त राशन दिया जायेगा।
- झारखंड विधानसभा का बजट सत्र 27 फरवरी से आहूत करने की स्वीकृति दी गयी। बजट तीन मार्च को पेश किया जायेगा। 17 दिन के कार्य दिवस में बजट सत्र 24 मार्च तक चलेगा।
- प्रभात कुमार झा की तीन वेतन वृद्धि की रोक को यथावत रखा गया।
- मुख्य सूचना आयुक्त (झारखंड) के वेतन और भत्ता समेत अन्य सेवा शर्त में संशोधन को स्वीकृति।
- कॉफी टेबल के निर्माण के लिए आउटलुक बुक का मनोनयन किया गया। इसमें 19 लाख रुपये की लागत आयेगी।
- चिरौंदी स्थित तारामंडल के तीन वर्ष के संचालन और उसके प्रोजेक्टर को ठीक करने की जिम्मेदारी ऑर्बिट एनिमेट प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया।
- राज्य के 20 मॉडल स्कूलों को आवासीय विद्यालय में परिवर्तित करने की स्वीकृति।
- रांची के एचईसी में अलग से स्टेट कमांड ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

राज्यपाल ने तीसरी बार लौटाया झारखंड वित्त विधेयक

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राज्यपाल रमेश बैस ने गुरुवार को झारखंड विधान सभा से पारित झारखंड वित्त विधेयक-2022 को तीसरी बार राज्य सरकार को लौटा दिया है। साथ ही राज्य सरकार को यह निर्देश दिया है कि इस विधेयक में उल्लेखित बिंदुओं और विवरणों की गंभीरतापूर्वक समीक्षा की जाए। राज्यपाल ने कहा कि यह भारत के संविधान की अनुसूची सात के तहत राज्य सूची में समाहित है या नहीं, यह देखा जाये। विधेयक में बीमा या अन्य प्रावधानों से संबंधित कोई विवरण संघ सूची या समवर्ती सूची में तो सम्मिलित नहीं है? उल्लेखनीय है कि भारत के

उल्लेखित बिंदुओं और विवरणों की गंभीरतापूर्वक समीक्षा करने का निर्देश

संविधान के अनुसूची सात के तहत संघ सूची-एक के क्रम संख्या 47 में बीमा से संबंधित विषय का वर्णन किया गया है। राज्यपाल ने इन बिन्दुओं पर राज्य सरकार को विधि विभाग से मंतव्य प्राप्त कर इस विधेयक को अनुमोदन के लिए भेजने का निर्देश दिया।

गौरतलब है कि यह विधेयक पूर्व में भी दो बार राज्यपाल के अनुमोदन के लिए आया था। प्रथम बार हिन्दी और अंग्रेजी संस्करण में रुपान्तरण संबंधी विभिन्न विसंगतियों के कारण इस विधेयक को वापस कर दिया गया। तत्पश्चात यह विधेयक राज्य सरकार द्वारा संशोधित विधेयक को बिना झारखंड विधान सभा से पारित किए ही राज्यपाल की सहमति के लिए प्रेषित कर दिया गया। राज्यपाल ने राज्य सरकार ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

एक अकेला सब पर भारी

एजेंसियां। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि वह देश के लिए जीते हैं, देश के लिए सब कुछ कर रहे हैं। देश की जनता की रोजी-रोटी के लिए हमारी सरकार काम कर रही है। देश देख रहा है कि एक अकेला कितनों पर भारी पड़ रहा है। उन्होंने कहाः नारे बोलने के लिए भी लोग बदलने पड़ रहे हैं। मैं घंटेभर से जवाब दे रहा हूं, रुका नहीं रहा। मैं देश के लिए कुछ करने के लिए निकला हूं। इसलिए राजनीतिक खेल खेलनेवालों के अंदर हौसला नहीं है। वे बचने का रास्ता ढूंढ रहे हैं। इससे पहले पीएम मोदी ने भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर विपक्ष आइना दिखाया। उन्होंने कहा पिछले कुछ वर्षों में 27 लाख करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से सीधा हितधारकों के खातों में गए हैं। इससे 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक रुपया जो किसी इको-सिस्टम के हाथों में जा सकता था, वो बच गया। अब जिनको ये पैसा नहीं मिल पाया, उनका चिल्लाना स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इनकी राजनीति, अर्थ नीति और समाज नीति वोटबैंक के आधार पर ही चलती थी, लेकिन हमने रेहड़ी-ठेले पटरीवालों की चिंता की। पीएम स्वनिधि और पीएम विकास योजना के जरिए हमने समाज के एक बड़े वर्ग का सामर्थ्य बढ़ाने का काम किया है।

एक परिवार ने 60 साल में गड्ढे ही गड्ढे दिए : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के संबोधन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा : कल विपक्ष के खड़गेजी ने कहा कि 60 साल में उन्होंने मजबूत बुनियाद बनाई। उनकी शिकायत थी कि बुनियाद हमने बनाई और क्रेडिट मोदी ले रहा है। 2014 में आकर जब मैंने बारीकी से चीजों को देखने का प्रयास किया तो नजर आया कि 60 साल कांग्रेस के परिवार ने गड्ढे ही गड्ढे कर दिए थे। उनका इरादा नेकी का होगा, लेकिन गड्ढे कर दिए थे। पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक इन्हीं की दुनिया चलती थी। देश भी आंख बंद करके उनका समर्थन करता था, लेकिन उन्होंने ऐसी कार्यशैली और कल्चर बनाया कि एक भी चुनौती का परमानेंट सॉल्यूशन निकालने का न सोचा, न सूझा और न प्रयास किया। हमारी सरकार की पहचान पुरुषार्थ के कारण बनी है। एक के बाद एक उठाए गए कदमों के कारण बनी है। आज हम परमानेंट सॉल्यूशन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

जनता ने खाता ही बंद कर दिया : प्रधानमंत्री ने फिर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का जिक्र किया। कहा, 'खड़गेजी शिकायत कर रहे थे कि मोदीजी बार-बार मेरे चुनावी क्षेत्र में आते हैं। मोदीजी ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

राज्यसभा में क्या बोले मोदी

- मैं देश के लिए कुछ करने के लिए निकला हूं
- 60 साल कांग्रेस के परिवार ने गड्ढे ही गड्ढे कर दिए थे
- जितना कीचड़ उछालोगे, कमल उतना ही ज्यादा खिलेगा
- जनता आपका खाता बंद कर रही है और आप रोना यहां रो रहे हो

कीचड़ उसके पास था, मेरे पास गुलाल

अपने संबोधन की शुरुआत में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदन में हंगामा कर रहे विपक्षी सांसदों पर तंज कसा। प्रधानमंत्री ने कहा : सदन में जो भी बात होती है, उसे देश गंभीरता से सुनता है और गंभीरता से लेता है। लेकिन ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोगों की वाणी न सिर्फ सदन को, बल्कि देश को निराश करनेवाली है। इस प्रकार की प्रवृत्ति के सदस्यों को यही कहूंगा कि कीचड़ उसके पास था, मेरे पास गुलाल। जो भी जिसके पास था, उसने दिया उछाल। जितना कीचड़ उछालोगे, कमल उतना ही ज्यादा खिलेगा। कमल खिलाने में प्रत्यक्ष या परोक्ष आपका जो भी योगदान है, इसके लिए मैं उनका भी आभार व्यक्त करता हूं।

शिबू सोरेन की तबीयत बिगड़ी, मेदांता में भर्ती

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पिता और झारखंड मुक्ति मोर्चा के सुप्रीमो शिबू सोरेन की तबीयत गुरुवार को बिगड़ गयी। उन्हें आनन-फानन में रांची के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. अमित की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि सांस लेने में तकलीफ के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दौरान उनके साथ पुत्रवधू कल्पना सोरेन थीं। इसकी पुष्टि केंद्रीय प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने की है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2020 में राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन कोरोना से संक्रमित हो गए थे। तबीयत बिगड़ने के बाद डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें रांची के मेदांता में भर्ती कराया गया था। शिबू सोरेन को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। इसके बाद डॉक्टरों के परामर्श पर उन्हें गुरुग्राम के मेदांता में भर्ती कराया गया था। इसके बाद वे स्वस्थ होकर रांची लौटे थे।

लातेहार के जंगल से मिला नक्सलियों के हथियारों का जखीरा

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार

जिले की पुलिस और अर्धसैन्य बलों ने नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान एक जंगल से चार शक्तिशाली केन और दो प्रेशर कुकर बम के अलावा कई हथियार बरामद किए हैं। बरामद हथियारों में एक कार्बाइन, दो राइफल, 33 जिंदा गोली समेत अन्य सामान हैं। बरामद सभी बम को बम निरोधक दस्ते के द्वारा जंगल में ही विस्फोट कर निष्क्रिय कर दिया गया। ये हथियार जंगल में एक सुरंगनुमा बंकर के भीतर छिपाकर रखे गए थे। जानकारी देते हुए सीआरपीएफ 214 बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी अभिनव आनंद ने बताया कि कमांडेंट को गुप्त सूचना मिली थी कि मनिका थाना क्षेत्र के कुरूम खेता जंगल के इलाके में नक्सलियों के द्वारा हथियार और विस्फोटक सामग्री छिपाकर रखे गए हैं। सूचना के बाद सीआरपीएफ 214 बटालियन के कमांडेंट केडी जोशी के निर्देश पर सीआरपीएफ और जिला ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

12 से 21 तक नक्सली मनायेंगे प्रतिरोध दिवस

रांची। राज्य में नक्सली संगठन माओवादियों ने 12 से 21 फरवरी तक 10 दिवसीय प्रतिरोध दिवस मनाने की घोषणा की है। यह विरोध झारखंड को माओवादी मुक्त करने के नाम पर कार्रवाई को लेकर है। इस संबंध में गुरुवार को नक्सलियों के बिहार झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी के प्रवक्ता बादल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी किया है। विज्ञप्ति में कहा है कि केंद्र सरकार और राज्य की हेमंत सरकार के निर्देश पर झारखंड को माओवादियों से मुक्त कराने के बहाने पुलिस द्वारा अभूतपूर्व बर्बर पुलिस हमले और आदिवासी मूलनिवासियों पर अघोषित युद्ध के खिलाफ 12 से 21 फरवरी तक 10 एक ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

पलामू सांसद ने लोकसभा में जंगली जानवरों का मुद्दा उठाया

नवीन मेल संवाददाता
मेदिनीनगर। पलामू सांसद वीडी राम ने लोकसभा में नियम 377 के तहत पलामू संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत जंगली जानवरों के आतंक से हो रही जान-माल की क्षति से संबंधित अति महत्वपूर्ण मामले को उठाया। उन्होंने कहा कि पलामू एवं गढ़वा जिला में आजकल जंगली जानवरों का आतंक इस कदर बढ़ा हुआ है कि लोग अपना घर द्वार छोड़कर एक जगह एकत्रित होकर रात गुजारने

के लिए विवश हो गए हैं। गढ़वा जिला के रंका, रमकंडा, चिनियां, भंडरिया एवं बड़बड़ पखंड में एवं पलामू जिला के सतबरवा प्रखंड में तेंदुए का आतंक फैला हुआ है। तेंदुए द्वारा अब तक दो लोगों को मौत के घाट उतारा जा चुका है और एक व्यक्ति तथा एक बच्चा अस्पताल में इलाजरत है। वन विभाग के द्वारा इस दिशा में प्रयास किया जा रहा है कि तेंदुए को पकड़ने के लिए महाराष्ट्र से एक शिकारी को भी बुलाकर इस कार्य में लगाया गया है। परंतु कोई लाभदायक परिणाम नहीं निकला है। स्थानीय वन विभाग के पदाधिकारियों का यह प्रयास नाकाफी है। इसके साथ-साथ हाथियों के ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

दीपिका के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक

रांची। कांग्रेस की विधायक दीपिका पांडेय सिंह की याचिका पर गुरुवार को झारखंड हाइकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने राज्य सरकार को विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। दीपिका की याचिका पर झारखंड हाइकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की अदालत में सुनवाई हुई। अब इस मामले में 28 फरवरी को सुनवाई होगी। तब तक अदालत ने दीपिका के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक के आदेश को विस्तार दिया है। गौरतलब है कि दीपिका ने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी निरस्त करने के लिए झारखंड हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

खुलासा महाराष्ट्र एटीएस का खुलासा, पुलिस मशीनरी को निशाना बनाना चाहता है फ्रंट

पीएफआई 2047 तक भारत को बनाना चाहता है इस्लामिक स्टेट

अतुल कृष्ण। नई दिल्ली

महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने अपने आरोप पत्र में दावा किया है कि पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) 2047 तक पुलिस मशीनरी को निशाना बनाना चाहता है और भारत में इस्लामिक शासन स्थापित करना चाहता है। इसके लिए उन्हें कुछ मुस्लिम देशों से फंड मिल रहा था। चार्जशीट में कहा गया है अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, उन्होंने महाराष्ट्र में सात स्थानों पर गुप्त बैठकें कीं। आरोपी भारतीय संविधान की जगह शरिया कानून स्थापित करना चाहते हैं। आरोपियों ने अंतरराष्ट्रीय फर्मों की मदद से भारत में कानून व्यवस्था की स्थिति

को बाधित करने की योजना बनाई। एटीएस ने आरोपियों में से एक मजहर मंसूर खान के सेल फोन से एक पुस्तिका जब्त की, इसमें भयावह साजिश का उल्लेख किया गया था। बुकलेट में कहा गया है कि भारत की आजादी के 100 साल पूरे होने पर वे इस्लामिक स्टेट की स्थापना करेंगे।

जिस बुकलेट को वे पीएफआई के सदस्यों को बांट रहे थे, उसमें इस बात का जिक्र था कि वे 2047 तक इस्लामिक स्टेट को कैसे हकीकत बनाएंगे। किताब का शीर्षक था- 'इंडिया 2047, टुवार्डस रूल ऑफ इस्लाम इन इंडिया।' आईएएनएस के पास उपलब्ध चार्जशीट में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पिछले साल एक राष्ट्रव्यापी कार्रवाई की थी। इस दौरान महाराष्ट्र में पीएफआई से जुड़े पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में एटीएस ने चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें सनसनीखेज दावे किए गए हैं। चार्जशीट से पता चलता है कि पीएफआई के सदस्य राज्य के खिलाफ साजिश रच रहे थे। पीएफआई के सदस्य राज्य सरकार के खिलाफ काम कर रहे थे। पीएफआई ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

मुस्लिम युवकों की पहचान केवल 'मुस्लिम' के रूप में की जाए

चार्जशीट में कहा गया है कि पीएफआई चाहती है कि मुस्लिम युवकों की पहचान केवल 'मुस्लिम' के रूप में की जाए न कि भारतीयों के रूप में। चार्जशीट से खुलासा हुआ है कि वे भोले-भाले मुस्लिम युवाओं को हथियार चलाने का प्रशिक्षण देने की योजना बना रहे थे। आरोपी यह दिखा कर पीड़ित कार्ड खेलना चाहते थे कि देश में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है। आरोपियों में से एक के पास से जब्त की गई किताब से पता चला है कि वे चाहते थे कि कश्मीर और लक्षद्वीप के मुसलमान उनके साथ शामिल हों, क्योंकि इन जगहों पर बड़ी मुस्लिम आबादी है। आरोपपत्र में कहा गया है कि आरोपी भोले-भाले मुस्लिम युवकों को यह सोचने के लिए स्थानीय धार्मिक मुस्लिम नेताओं की मदद लेना चाहते थे कि मुस्लिमों को निशाना बनाया जा रहा है। आरोप पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि पीएफआई ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

लालगढ़-पंजरी में रेलवे फाटक लगाने को लेकर वर्षों से हो रही है मांग

1966 से आंदोलनरत हैं स्थानीय लोग, सांसद ने लोस में उठाया था मामला

नवीन मेल संवाददाता
मेदिनीनगर। धनबाद रेल मंडल स्थित लालगढ़-पंजरी कला रेलवे ट्रेक पर फाटक लगाने या अंडर ब्रिज निर्माण की मांग वर्षों से की जा रही है। लेकिन सिर्फ आश्वासन मिलता रहा है। पंजरी व लालगढ़ रेल पार पथ या अंडर ब्रिज निर्माण कराने की मांग को ले स्थानीय लोग वर्ष 1966 से आंदोलनरत हैं। इसे लेकर लोगों ने कई बार जोरदार आंदोलन भी किया। साथ हीं तत्कालीन पलामू सांसद शशांक मंजरी जो स्वतंत्र पार्टी से थे । उनसे मिलकर भी निर्माण की मांग रखी गई। बावजूद केवल सबों से आश्वासन मिलता

रहा। इतना हीं नहीं पलामू के तत्कालीन लोकप्रिय सांसद कमला कुमारी से भी स्थानीय लोग मिलकर अपनी जरुरतों व आ रही परेशानियों को भी रखा। कमला को पलामू के लोग सर आंखों पर बैठाये रखे। 1967, 1971, 1980 व 1984 तक चार बार प्रतिनिधित्व का इन्हें मौका मिला था। लेकिन स्थानीय समस्याओं को दूर करने के प्रति तनिक भी रुचि नहीं दिखाई। 1977 में जनता पार्टी से रामदेनी राम सांसद बने। लोगों ने इनके समक्ष भी समस्याओं को रखा। लेकिन इनकी ओर से कभी भी सार्थक पहल नहीं किया गया। इसके बाद भाजपा के टिकट पर 1991 में ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

NEWS इन ब्रीफ

मैट्रिक की परीक्षा दूसरे दिन भी जारी

हरिहरगंज । शहर स्थित राजकीय कृत बालिका उच्च विद्यालय हरिहरगंज में गुरुवार को दूसरे दिन भी मैट्रिक की परीक्षा शांति पूर्वक जारी रही। इस संबंध में प्रधानाध्यापक धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि रसायन, जीव विज्ञान तथा भौतिक शास्त्र की परीक्षा ली जा रही है। परीक्षा संपन्न होने के बाद अंक झारखंड अधिविध परिषद को सौंपी जाएगी। मौके पर शिक्षक अमित कुमार, अब्दुल रहमान, अनूप कुमार, जयप्रकाश, रणजीत कुमार सिंह, संतोष पाठक आदि मौजूद थे।

शोकाकुल परिवार वालों से मिलने पहुंचे, भाजपा नेता

नावा बाजार। प्रखंड स्थित ग्राम ब्रहमोरिया में स्वर्गीय निरंजन पांडेय के घर भाजपा के वरिष्ठ नेता अलखनाथ पांडे पहुंचे। जहां उन्होंने परिजनों से मिलकर ढाढ़स बंधाया। मृतक के पुत्र विकास पांडेय, बड़े भाई पारस नाथ पांडेय, गोरख नाथ पांडेय, कुश पांडेय को संतावना दी। विदित हो कि समाज केअग्रणी भूमिका निभाने वाले लोकप्रिय व लोगों के चहेते नावा बाजार प्रखंड के ब्रहमोरिया गांव निवासी समाजसेवी गुरुवार 2 फरवरी की शाम ब्रहमोरिया मोड़ से सामान की खरीददारी कर पैदल अपने घर जा रहे थे। इसी बीच ब्रहमोरिया स्थित एनएच 75 पर अज्ञात कार ने उन्हें टक्कर मार दी थी। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मेदिनीनगर स्थित नारायणी हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा था। जहां रविवार को उनका निधन हो गया। मौके पर धनंजय तिवारी, रौशन दुबे, ब्रजेश दुबे, रघुवीर पांडेय, पंकज पांडेय आदि लोग मौजूद थे।

पंचायत शिक्षा समिति ने की शिक्षकों के साथ बैठक

मेदिनीनगर। राजकीय कन्या मध्य विद्यालय नरसिंहपुर में 9 फरवरी को पंचायत की मुखिया सह पंचायत शिक्षा समिति के अध्यक्ष मीना देवी ने प्रभारी प्रधानाध्यापक सहित अन्य शिक्षकों के साथ बैठक की। बैठक में विद्यालय को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने, पठन-पाठन कार्य को सुदृढ़ करने, स्वच्छता पर ध्यान देने, मध्यान्ह भोजन मीनू के अनुसार संचालित करने पर मुखिया मीना देवी ने सुझाव के साथ निर्देश दिया। मौके पर नरसिंहपुर पथरा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य कमल किशोर प्रसाद चौरसिया, व्यास राम चौरसिया ,समाजसेवी सह सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक, वार्ड सदस्य सुबोध गुप्ता, सुकेश राम उपस्थित थे।

कायस्थ समाज ने गरीब बेटी की विवाह के लिए 21 हजार का दिया सहयोग

मेदिनीनगर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, पलामू के तत्वावधान मे संचालित लीला महथा स्मृति न्यास के द्वारा सेमरटांड़ चैनपुर निवासी रीता देवी, पति कृष्णा प्रसाद को उनकी पुत्री के विवाह के अवसर पर सहायता स्वरूप 21 हजार रुपए का चेक प्रदान किया । यह राशि न्यास के मुख्य ट्रस्टी विमल कांत महथा के समक्ष न्यास के कार्यालय मे प्रदान किया गया । मौके पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा पलामू के जिलाध्यक्ष कमल किशोर, पूर्व जिलाध्यक्ष स्नेह रंजन श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रसून कुमार, प्रचार मंत्री विनय कुमार सिंहा, वरिष्ठ सदस्य अरविंद कुमार सिंहा, नवीन चन्द किशोर, गोपाल कृष्ण वर्मा, शरद शरण सहित कई लोग शामिल थें।

लोकपाल की जांच में हुआ खुलासा

जेसीबी मशीन से खोदा गया मनरेगा की आठ सिंचाई कूप

नवीन मेल संवाददाता

सगालीम। पलामू जिले के पांकी प्रखंड के केल्हवा पंचायत में दिनदहाड़े जेसीबी मशीन से मनरेगा का आठ सिंचाई कूप की खुदाई करने का मामला प्रकाश में आया है। मनरेगा लोकपाल शंकर कुमार के जांच में गुरुवार को उजागर हुआ है। मनरेगा का कुंआ जेसीबी मशीन से खुदाई किए जाने का मामला प्रकाश में आने के बाद पांकी बीडीओ चंदन कुमार सिंह के द्वारा प्राथमिकी दर्ज के लिए पांकी थाने में आवेदन दिया गया है। लेकिन पांकी बीडीओ के द्वारा जिन लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज के लिए थाने में आवेदन दिया गया है। इसपर मनरेगा लोकपाल ने नाराजगी जाहिर की है। मनरेगा लोकपाल ने बताया कि पांकी बीडीओ के द्वारा दोषियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्य में बीपीओ, मुखिया, रोजगार, पंचायत सचिव, जेई सहित कई मनरेगा कर्मियों की संलिप्तता सामने आया है। मनरेगा लोकपाल शंकर कुमार ने बताया कि पांकी के केल्हवा पंचायत में सात सिंचाई कूप की खुदाई जेसीबी मशीन से किया गया है। जो जांच के दौरान पाया गया है। मनरेगा लोकपाल ने बताया कि केल्हवा पंचायत में कुल 13 योजनाओं की जांच की गई। जिसमें आठ कूप निर्माण की जांच की गई। जिसमें धड़ल्ले से जेसीबी मशीन से काम किया गया है। उन्होंने बताया कि दो डोभा निर्माण की भी जांच की गई। डोभा निर्माण में भी जेसीबी का इस्तेमाल किया गया है। शेड निर्माण में भी गड़बड़ी देखा गया है। मनरेगा लोकपाल शंकर कुमार ने बताया कि एक संयंत्र के तहत पहले कूप की जेसीबी मशीन से खुदाई की जाती है। उसके बाद एग्रीमेंट कराकर फर्जी मजदूरों का डिमांड लगाकर मजदूरी भुगतान करा लेते हैं। जो गंभीर विषय है। उन्होंने बताया कि एक योजनाओं में कुछ मजदूरी का भुगतान भी किया गया है। लेकिन जब मौके पर रोजगार सेवक , बीपीओ सहित मनरेगा कर्मियों से अभिलेख मांगा गया तो उनके द्वारा अभिलेख उपलब्ध नहीं कराया गया।

दोषी को बचाना चाहते हैं पांकी बीडीओ

मनरेगा योजना में जेसीबी मशीन से काम कराए जाने का मामला प्रकाश में आने के बाद पांकी बीडीओ चंदन कुमार सिंह के द्वारा की गई कार्रवाई पर मनरेगा लोकपाल शंकर कुमार ने सवाल खड़ा किया है। मनरेगा लोकपाल ने बताया कि पांकी बीडीओ चंदन कुमार सिंह दोषी लोगों को बचाना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि योजनाएं जब ऑनलाइन है तो सभी मनरेगा कर्मियों को जानकारी होगा। लेकिन मौके पर किसी मनरेगा कर्मी द्वारा कोई जवाब नहीं दी गई। मनरेगा लोकपाल ने बताया कि एक संयंत्र के तहत योजना ऑनलाइन कराने से पहले ही 50 प्रतिशत काम जेसीबी मशीन से करा लिया जाता है। उसके बाद ऑनलाइन कराकर फर्जी मास्टर रोल को तैयार कर मजदूरी भुगतान की जाती है। कई योजनाओं में मजदूरी भुगतान भी की गई है । लेकिन संबंधित अधिकारी कुछ बोलने से साफ कतरा रहे है। जिससे साफ जाहिर होता है कि इस कार्य में मनरेगा बीपीओ सहित कई अधिकारी शामिल है। इन लोगों को बचाने में पांकी बीडीओ संलिप्त हैं। मनरेगा लोकपाल ने कहा कि पूरे मामले की गहराई से जांच की जायेगी और इसमें जो भी दोषी होंगे उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जायेगी।

हेलमेट अपनी सुरक्षा के लिए पहनें: कर्नल संजय

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। भाजपा प्रदेश सैनिक प्रकोष्ठ के संयोजक सह किसान ब्रिगेड संरक्षक कर्नल डॉ. संजय कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर लोगों से सड़क सुरक्षा नियम का पालन करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग हेलमेट पुलिस से बचने के लिए पहनते है। लेकिन हेलमेट हमारे जीवन के रक्षा के लिए है। बिना हेलमेट के हाल फिलहाल में ही हमारे आसपास में कई दर्दनाक दुर्घटनाएं घटित हुई हैं । जैसे सिंदुरिया निवासी देवेंद्र कुमार सिंह का मृत्यु, कमगारपुर में दो लोगों का बाइक दुर्घटना में मौत, सिमरसोत में एक युवक की मौत तथा दंगवार रोड, देवरी रोड, जपला छतरपुर तथा हैदरनगर रोड में भी इस तरह की घटनाएं दिन प्रतिदिन घटित हो रही है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि ज्यादातर लोग सड़क सुरक्षा और उससे जुड़े नियमों के बारे में जानते नहीं हैं, जिसके कारण दुर्घटनाएं और हादसे होते रहते हैं। बहुत तेज स्पीड में गाड़ी चलाना,नशे में गाड़ी चलाना, ड्राइवर का ध्यान बंटाने वाली चीजें, ट्रैफिक सिग्नल तोड़ना,सीट बेल्ट नहीं लगाना या हेलमेट नहीं पहनना तथा लेन का पालन नहीं करना और ओवरटेकिंग करना। इसलिए यातायात नियमों का पालन करके सुरक्षा व्यवस्था बनाएं रखना हम सभी का दायित्व है। क्योंकि छोटी सी भी गलती हो जाने से किसी भी प्रकार की दुर्घटना हो सकती है।

जगदेव प्रसाद की 101वीं जयंती मनाई जायेगी

मेदिनीनगर। बिहार लेलिन शहीद जगदेव प्रसाद की 101 वीं जयंती पंडवा सहदेव नगर में शनिवार को मनाई जायेगी। उक्त जानकारी राष्ट्रीय मौर्य सेना के केंद्रीय अध्यक्ष रूपेश मेहता व संयोजक दिलीप मेहता ने संयुक्त रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी । उन्होंने कहा कि जगदेव बाबू शोषित, वंचित व गरीबों के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। इस जयंती में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के कई गणमान्य उपस्थित थे।

शार्ट बाउंड्री नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। शहर के बंजारी मुहल्ला में गोल्ड स्टार क्रिकेट क्लब के द्वारा आयोजित शार्ट बाउंड्री नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि झामुमो के पलामू जिला उपाध्यक्ष मो. अतहर हुसैन ने फीता काटकर किया। मौके पर झामुमो नेता अतहर हुसैन ने इस आयोजन को सराहा और कहा कि गांव स्तर पर नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन सराहनीय प्रयास है। खेल का आयोजन होने से लोगों में उत्साह बढ़ता है। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने की अपील की। उद्घाटन मैच परता मट्ठीपर और बेलौदर के बीच खेला गया। जिसमें परता मट्ठीपर के टीम विजयी हुयी। टूर्नामेंट के सभी मैच रात में खेले जायेंगे। जिसके लिए पर्याप्त रोशनी और टेंट आदि की व्यवस्था की गयी। मौके पर नेत्र चिकित्सक डॉ आर आर मिश्रा, क्लब के अध्यक्ष मो. नेहाल आलम, सचिव शब्बू रजा, कोषाध्यक्ष शाहनवाज बावर्ची, टीम मैनेजमेंट मो. आदिल जया, मो. असलम, डॉ नसीम अख्तर, मो. मुनीर आलम, महबूब फैजी, मो. राशिद फैजी, इफ्तिखार अहमद नूरी सहित बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी मौजूद थे।

धुप व बरसात से ग्रामीणों को मिलेगी राहत : प्रदीप

मनातू । प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत चक पंचायत के ग्राम करमाही में 2 लाख 49 हजार 9 सौ रुपए से बनने वाली श्मशान शेड निर्माण का शिलान्यास जिला परिषद सदस्य प्रदीप कुमार चावला ने गुरुवार को किया। उन्होंने विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर शिलापट को खोली। मौके पर जिला परिषद सदस्य ने कहा कि श्मशान घाट में शेड का निर्माण कार्य किया जा रहा है। शेड निर्माण होने से शव लेकर पहुंचने वाले ग्रामीणों को परेशानियों से निजात मिलेंगी। मौके पर सफीक अंसारी, अंतु यादव,प्रमोद सिंह, अरविंद यादव, उप मुखिया रमेश यादव, लालदेव यादव, राजू भुइयां प्रेम उरांव सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

बीस सूत्री अध्यक्ष ने जनसमस्याओं पर की चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड के बीस सूत्री अध्यक्ष योगेंद्र कुमार सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने कमिटी के सदस्यों के साथ अपने कार्यालय कक्ष में क्षेत्र के लोगों के साथ जनसमस्याओं को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बीस सूत्री कमिटी के सभी सदस्य क्षेत्र में चल रहे विकास योजनाओं से आमलोगों को लाभ पहुंचाने के लिए कृत संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर शीघ्र ही प्रखंड के सभी विद्यालयों व आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पिछड़े और निर्धन व्यक्तियों के जीवन स्तर में सुधार लाना, केंद्र और राज्य सरकार के साथ जिला और प्रखंडों के बीच समन्वय बनाना। निगरानी एवं अनुश्रवण करना तथा विकासोन्मुख कार्य के लिए जन समुदाय को प्रेरित करना ही बीस सूत्री कमेटी का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी व कर्मी भी जनता के सेवक हैं। प्राथमिकता के साथ जनसमस्याओं का त्वरित निष्पादन करें। उन्होंने कहा कि बीस सूत्री कमिटी गरीबी उन्मूलन ,जनशक्ति ,किसान मित्र,श्रमिक कल्याण ,खाद्य सुरक्षा सबके लिए आवास , शुद्ध पेयजल ,जन-जन का स्वास्थ्य ,सबके लिए शिक्षा , अजजा, अजा, अल्पसंख्यक और अति पिछड़ा वर्ग कल्याण, महिला कल्याण, बाल कल्याण,युवा विकास सहित सभी बीस सूत्री कार्यक्रम पर प्राथमिकता के साथ कार्य किया जायेगा। उन्होंने आमलोगों से अपील की है कि सरकार द्वारा संचालित विकास योजनाओं में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने में अपना सहयोग दें। जिससे सभी जरूरतमंद लोगों को विकास योजनाओं का लाभ मिल सकें। मौके पर बीस सूत्री उपाध्यक्ष जिशान हसन, सदस्य हंसराज सिंह, विनय पासवान, रतन लाल व ग्रामीण विजय राजवंशी, हरिचरण मेहता, विनोद साह समेत कई लोग मौजूद थे।

क्रेशर संचालकों की मनमानी से लोगों का जीना मुहाल : रविंद्र

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज । पिपरा प्रखंड के बीस सूत्री अध्यक्ष रविंद्र कुमार सिंह ने कहा कि क्रेशर प्लांट के द्वारा लगातार कई वर्षों से मनमानी की जा रही है। भारी वाहनो के चलने से सड़क की स्थिति दयनीय हो गयी है। लगातार ओवरलोड गाड़ियां सड़क पर बेधड़क दौड़ रही है। प्रशासन के द्वारा पानी का छिड़काव समय-समय पर करते रहने के निर्देश का भी क्रेशर संचालकों के द्वारा उल्लंघन किया जा रहा है। सड़क से उड़ती धूल के कारण सांस लेना मुश्किल होते जा रहा है। सड़क किनारे की खेत में लगे फसल धूलकण के कारण लगातार बर्बाद हो रहे हैं। आबादी वाले क्षेत्र में भी पत्थर लगे हाइवा तेज गति से गुजरते हैं। जिससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। उन्होंने उपायुक्त पलामू से क्रेशर संचालकों की मनमानी पर रोक लगाने की मांग की है।

हत्या का फरार आरोपी पूर्व मुखिया गिरफ्तार

पाटन। नावाजयपुर थाना अंतर्गत कांड संख्या 35/22 हत्याकांड के आरोप में फरार चल रहे पूर्व मुखिया टिकैत प्रसाद अखड़िया उर्फ टीपी मेहता को नावाजयपुर थाना प्रभारी संजय रजक ने छापेमारी के दौरान गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। ज्ञात हो कि टीपी मेहता हरैया निवासी निरज विश्वकर्मा के हत्या का नामजद आरोपी था। वह दो महिनों से फरार चल रहा था। थाना प्रभारी संजय रजक ने बताया कि इस में पांच लोगो को नामजद अभियुक्त बनाया गया था। जिसमें चार अभियुक्तो को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। छापेमारी अभियान में थाना प्रभारी संजय रजक,एसआई विजय कुमार व अन्य पुलिस बल शामिल थे।

पेंशनर समाज की बैठक में समस्याओं के समाधान पर चर्चा

विश्रामपुर। ऐतिहासिक पंचमूखी मंदिर परिसर स्थित वैदिक मंच पर गुरूवार को पेंशनर समाज की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता पेंशनर समाज के अध्यक्ष रामलगन राम व संचालन युगेश्वर विश्वकर्मा ने किया। बैठक में पेंशनरों को हो रही परेशानियों को देखते हुये समस्या व उसके समाधान पर चर्चा की गई। साथ ही पेंशनर समाज को मजबूत व संगठित करने पर भी बल दिया गया। मौके पर रामध्यान राम,हरेराम सिंह,चतुर्गुण राम,श्रवण राम,पारसनाथ पांडेय,कृष्ण कुमार पाठक,झरी राम,मानमती कुंवर,राधिका कुंवर,लक्ष्मण चंद्रवंशी,रविंद्र प्रसाद चौबे,रामावतार राम,रामाधार राम,रामेश्वर राम सहित पेंशनर समाज के कई लोग मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में व्यक्ति घायल, हुई मौत

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। थाना क्षेत्र के नावाडीह ओपी अंतर्गत छिपादोहर खुर्द गांव के समीप गढ़वा से बाइक द्वारा अपने घर छतरपुर जाने के क्रम गढ़वा व्यवसायी लक्ष्मण प्रसाद सड़क पर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गये। जानकारी के अनुसार घायल व्यक्ति विश्रामपुर विधान सभा क्षेत्र के विधायक प्रत्याशी ब्रहमदेव प्रसाद के सगे मामा बताए जा रहे है। उक्त व्यक्ति बाइक द्वारा अपने आवास गढ़वा से छतरपुर अपने गांव जाने के क्रम में अचेत होकर छिपादोहर खुर्द गांव के समीप बेसुध होकर गिर पड़ा। जिसकी जानकारी स्थानीय लोगों ने बीजेएमसी जिला अध्यक्ष ऋतुराज मिश्रा को दी। श्री मिश्रा ने अविलंब इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। जहां मौके पर पहुंची पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विश्रामपुर लाकर भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के उपरांत चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल गढ़वा रेफर कर दिया। जहां उसकी मौत हो गयी।

लोचन साव ठाकुरबाड़ी का फैसला आया 27 साल बाद

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। 27 साल पूर्व से नगर पंचायत क्षेत्र के लोचन साव ठाकुरबाड़ी का फैसला उच्च न्यायालय ने पुजारी के पक्ष में सुनाया है। मालूम हो ठाकुरबाड़ी के पुजारी को हटाने व कमरा को खाली करवाने को लेकर सीताराम साहू ने मुंसिफ न्यायालय मेदिनीनगर में 1987 को वाद अधिवक्ता के माध्यम दायर कराया था। सूट 77/87 मुंसिफ न्यायालय मेदिनीनगर ने 24 अप्रैल 1991 को सीताराम साहू के पक्ष में आने पर पुजारी ब्रजकिशोर पांडेय को प्लॉट संख्या 1187 रकबा 4 डिसमिल से हटने व बने कमरा को खाली करने का आदेश जारी किया। इस फैसले के विरोध में पुजारी बृजकिशोर पांडेय ने पलामू के जिला जज के न्यायालय में अपील की। यहां से पुजारी को रहने का आदेश दिया गया। पुजारी के पक्ष में फैसला आने के बाद वर्ष 1996 में सीताराम साहू ने माननीय उच्च न्यायालय में अपील की। जिसका नंबर 61 / 96 है। 27 साल बाद उच्च न्यायालय रांची के जज संजय कुमार द्विवेदी ने 31 जनवरी 2023 को सीताराम साहू के अपील को खारिज करते हुए पुजारी को उक्त प्लॉट में रहने का फैसला सुनाया। यह फैसला सिर्फ 1187 प्लॉट पर लिया गया है। जबकि अन्य किसी प्लॉट में पुजारी का कोई हस्तक्षेप नहीं रहेगा। यह लोचन साव का ठाकुरबाड़ी है। जिसकी देखभाल लोचन साव के वंशज करते आ रहे हैं।

संज्ञान | **झारखंड सरकार ने लिया संज्ञान**

उपायुक्त को दिया भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच का आदेश

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर नगर परिषद अधिकारी द्वारा बरती गई अनियमित के खिलाफ दिये गए आवेदन पर झारखंड सरकार ने संज्ञान लेते हुए पलामू उपायुक्त को इसकी निष्पक्ष जांच का आदेश दे दिया है। गौरतलब है कि कुछ महीने पूर्व निवर्तमान नगर परिषद अध्यक्ष हलीमा बीबी ने पत्र के माध्यम से विश्रामपुर नगर परिषद के अधिकारी के द्वारा किये गए उनके मनमानी रवैये,पसंदीदा संवेदक को बार बार चयन कर काम देना,सरकारी राशि का दुरुपयोग करते हुए आवश्यकता से अधिक वाहन आदि की खरीददारी सहित अन्य मामलों पर सरकार से इन्होंने बिंदु बार तरीके से जांच के लिए अनुरोध किया गया था। जिस पर संज्ञान लेते हुए। सरकार के अवर सचिव ने इसकी जिम्मेवारी पलामू उपायुक्त को दी है। वहीं हलीमा बीबी ने सरकार द्वारा प्राप्त जांच के आदेश पर खुशी जाहिर करते हुए कहा की विश्रामपुर नगर परिषद में फैले भ्रष्टाचार में संलिप्त कई अधिकारी व कर्मचारी अपने मनमानी रवैये के कारण दोषी पाये जायेंगे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल सं.– 02 गढ़वा

ई–निविदा सूचना सं0–RWD/SD/GARHWA/17/2022-23
CORRIGENDUM (शुद्धिपत्र)

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस प्रमण्डल द्वारा आमंत्रित ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं0– RWD/SD/GARHWA/17/2022-23, PR 288597 Rural Development (22-23):D द्वारा प्रकाशित निविदा कंडिकाओं में अपरिहार्य कारण वश कंडिका 03, 04, एवं 06 में आंशिक संशोधन करते हुए निविदा आमंत्रित किया जाता है। आमंत्रित निविदा की शेष सभी कंडिकाएँ पूर्वत: बनी रहेंगी। आंशिक संशोधन आमंत्रित निविदा निम्नवत् है :–

3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : 20.02.2023 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सं0–02, गढ़वा/मुख्य अभियंता कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रक्षेत्र, एफ.एफ.पी. भवन, राँची में निविदा शुल्क, अग्रधन की राशि, Bank Credit Certificate एवं Affidavit जमा करने की तिथि एवं समय 21.02.2023 अपराह्न 5:00 बजे तक।
6. निविदा खोलने की तिथि एवं समय 22.02.2023 पूर्वाहन 02:00 अपराहन बजे।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल सं.–02
गढ़वा

PR289740 (Rural Development)22-23*D

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन,प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
जिला नियोजनालय,(रोजगार कार्यालय)गढ़वा

दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार योजनान्तर्गत भर्ती कैम्प–2023
सूचना

राज्य के बेरोजगार युवाओं/युवतियों को निजी क्षेत्र में नियोजित कराने के उद्देश्य से जिला नियोजनालय, गढ़वा के तत्वावधान में दिनांक–10.02.2023 (दिन–शुक्रवार) को पूर्वाह्न–10.30 बजे से अपराह्न 4.00 बजे तक जिला नियोजनालय परिसर, गढ़वा में एक दिवसीय "दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार योजनान्तर्गत भर्ती कैम्प–2023" आयोजित किया जा रहा है।
भर्ती कैम्प में निम्न नियोजक ने उपस्थित रहने की सहमति प्रदान की है:–

S. No.	Name and Add. Of the Employer	Name of the Post	No. Of Vacancy	Qualification		Experience	Age	Salary	Remarks
				Essential	Desirable				
1	2	3	4	5	6	7	8		9
1	Manousa Foundation AXIS Training Center for Skill, Jharkhand/Bihar	BM/ Loan Officer/Assistant Manager/ BRE/TSE	200	12th To Graduate	–	Fresher	18-35 year	12,000/- to 25,000/-	-
2	Instakart Services Pvt Ltd. (Ekart).	Delivery Executive	76	10th	-	-	18-30yr	10,000/- to 15,000/-	-

भर्ती कैम्प में भाग लेने वाले निजी नियोजकों एवं उनसे प्राप्त रिक्तियों की विस्तृत विवरणी से संबंधित सूचना झारखण्ड सरकार के वेबसाईट –www.rojgar.jharkhand.gov.in एवं garhwa.nic.in पर उपलब्ध है।
भर्ती कैम्प में भाग लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों को झारखण्ड के किसी भी नियोजनालय में निबंधित होना अनिवार्य है। यदि वे पूर्व में निबंधित न हो तो भर्ती कैम्प तिथि के पूर्व अपना निबंधन अपने स्थानीय नियोजनालय में जा कर या स्वयं अधिकृत वेबसाईट–www.rojgar.jharkhand.gov.in पर जा कर लें। भर्ती कैम्प के दिन निबंधन का कार्य स्थगित रहेगा। रिक्ति निजी क्षेत्र से संबंधित है, इसलिए रिक्ति के शर्तों के लिए सीधे नियोजक उत्तरदायी है। विभाग एवं नियोजनालय मात्र सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य कर रहे है। भर्ती कैम्प में भाग लेने के लिए किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नही होगा।
नोट:–निजी नियोक्ता कृपया, झारखण्ड राज्य के निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों का नियोजन अधिनियम 2021 एवं नियमावली 2022 का अनुपालन करना सुनिश्चित करें।
विशेष जानकारी के लिए जिला नियोजनालय,गढ़वा से सम्पर्क कर सकते हैं।

जिला नियोजन पदाधिकारी,
गढ़वा

PR289708 (Labour Employment and Traning)22-23*D

NEWS इन ब्रीफ

बस को दांतों से खींचा रामांच में डूबे लोग

मेदिनीनगर। शहर के द कराटे एकेडमी के निर्देशक सिहान सुमित कुमार वर्मन ने एक बार फिर अपने प्रतिभा का लोहा मनवाया है। ग्रीन वैली इंटरनेशनल स्कूल के 11 नंबर की बस जो की 81 सौ किलो की थी उसे अपनी दांतों से 30 फीट तक खींचा । जिसे देखने के लिए सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे। बताते चले कि सुमित इससे पहले भी ये कारनामा कर चुके है। उनके द्वारा संचालित कराटे एकेडमी में पलामू के कई छात्र जुडो,कराटे, बुसु जैसे खेल में पारंगत हो रहे है। देश के अलग अलग राज्यो में होने वाले प्रतियोगिता में भाग लेकर पलामू का नाम रौशन कर रहे है। इस मौके पर ग्रीन वैली के शिक्षको,छात्रों ने भी सुमित का हौसला बढ़ाया। सिहान सुमित ने बताया कि शरीर को स्वस्थ्य रखने से किसी भी असम्भव कार्य को किया जा सकता है । उसके लिए अभ्यास और लगन से मेहनत करने की जरूरत है।

अनुपस्थित अभ्यर्थियों का डीवी कार्य शुरू

मेदिनीनगर। कर्मचारी चयन आयोग में अनुपस्थित अभ्यर्थियों का डीवी कार्य शुरू हुआ। जिसमें हाई स्कूल नियुक्ति प्रक्रिया में 2018 से अनुपस्थित रहे अभ्यर्थियों ने आयोग के समक्ष उपस्थित हुए। वहीं कुछ अनुपस्थित रहे मूल याचिकाकर्ता का भी डीवी कार्य हुआ। आयोग के द्वारा 9 फरवरी से 14 फरवरी तक डीवी किया जाएगा। ज्ञात हो कि हाई स्कूल नियुक्ति प्रक्रिया में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद कार्य प्रारंभ किया गया है। नियोजन नीति के कारण मामला कोर्ट में जाने से पूर्व 8 हजार अभ्यर्थियों की नियुक्ति की जा चुकी है । जबकि 9 हजार अभ्यर्थियों की नियुक्ति होनी बाकी है। वही,पंचायत सचिव के अभ्यर्थियों ने भी आयोग से जिला का विकल्प देने का आग्रह किया है। पंचायत सचिव के अभ्यर्थियों का मेरिट जनवरी में जारी किया गया है।

पुलिस ने वाहनों की जांच के साथ चलाया जागरुकता अभियान

हैदरनगर। पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार पलामू जिले के हैदरनगर स्थित बस स्टैंड में पुलिस ने वाहनों की सघन चेकिंग के साथ मोटर अधिनियम के प्रावधानों के प्रति गुरुवार को लोगों को जागरुक किया। उन्होंने कहा कि सड़क किसी भी वाहनों के चलने के दौरान ट्रैफिक सिग्नल व गति सीमा का अनुपालन, अन्य वाहनों से दूरी बनाये रखने, शराब का सेवन कर वाहन नहीं चलाने, सीट बेल्ट निश्चित तौर पर लगाने, दो पहिया पर दो ही सवारी करने सहित वाहनों से संबधित सभी कागजात लेकर चलने के प्रति जागरुक किया। उन्होंने कहा कि अनुपालन का उल्लंघन किये जाने पर विभिन्न कारणों पर विभागीय तौर पर जुमार्ना राशि वसूली निर्धारण किया गया है। जिसमें हेलमेट, प्रदूषण, बीमा नहीं रहने व दो पहिया पर ट्रिपल सवारी करने पर 1000 रुपये, वाहनों के लाईसेंस व बगैर फिटनेस नहीं रहने व वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग करते पाये जाने पर 5000 रुपये का दंड शुल्क भरना होगा। वहीं शराब पीकर वाहन चलाने, आपात कालीन वाहनों को रास्ता नहीं देने व बिना परमिट के वाहन पकड़े जाने पर 10000 रुपये का जुर्माना लगेगा। जबकि ओवरलोड वाहन पाये जाने पर उन्हें 20000 रुपये जुर्माना देना होगा।

खरगड़ा में यज्ञ कमेटी का गठन

हैदरनगर। पलामू जिले के हैदरनगर प्रखंड के खरगाड़ा सह पंचायत मुख्यालय में नवनिर्मित मंदिर में महादेव नर्मदेश्वर की प्रतिमा तीन मार्च को स्थापित करने का निर्णय ग्रामीणों ने लिया है। इस मैके पर 27 फरवरी को जलयात्रा से से शुरू होकर चार मार्च को महाभंडारा के साथ पूज्य राजन जी महाराज के नेतृत्व में यज्ञ संपन्न होगा। इस अनुष्ठान को संपन्न कराने को लेकर ग्रामीणों ने बैठक कर यज्ञ कमेटी का गठन किया। जिसमें अर्जुन पांडेय संरक्षक, प्रवीण कुमार सिंह अध्यक्ष, चंद्रशेखर सिंह उपाध्यक्ष, राजेश नंदन सिंह कार्यकारी अध्यक्ष व कृष्णदेव सिंह को सचिव मनोनीत किया गया है।

आत्मसमर्पण कर नया जीवन जीना चाहते हैं नक्सली

नक्सली जोनल कमांडर को आत्मसमर्पण करने पर नहीं मिला पुनर्वास नीति का लाभ

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड सरकार के पुनर्वास नीति से पलामू के कई कुख्यात नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शमिल होकर नया जीवन जीना चाहते है । सरकार मुख्यधारा में जोड़कर पुनर्वास नीति के तहत कई लाभ देती है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को जमीन मुहैया कराई जाती है और पैसे दिए जाते हैं। जिससे कि वह बेहतर जीवन-यापन हो सके। मगर पलामू के कुंडीलपुर निवासी विनय सिंह भोक्ता आत्मसमर्पण के 4 साल

बाद भी योजना के तहत मिलने वाले लाभ का बाट जो रहा है। दरअसल 2018 में विनय सिंह भोक्ता ने तत्कालीन पुलिस अधीक्षक इंद्रजीत महथा के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। उस वक्त नक्सलियों के जोनल कमांडर रहे विनय भोक्ता के ऊपर बिहार में डीएफओ हत्याकांड में शामिल होने समेत कई नक्सली घटना का आरोप था। मगर सरकार के आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर एसपी के समक्ष हथियार डाला था। उसे घर बनाने के लिए जमीन और ढाई लाख रुपए देने का वादा किया गया था। मगर अभी तक सिर्फ 50000 रुपए मिले हैं। जेल में सजा काटने के बाद बाहर निकले विनय भोक्ता जंगल से लकड़ियां काटकर अपने दो बच्चों का परवरिश कर रहें है। बताते चलें कि 2018 में आत्मसमर्पण करने के बाद विनय सिंह भोक्ता जेल चला गया । उसके बाद उसकी पत्नी दूसरे पुरुष के साथ चली गई। उसके बच्चों को रिश्तेदार ने पाला। जब विनय जेल से छूटा तब से अपने दोनों बच्चों का परवरिश कर रहा है। विनय सिंह का कहना है कि अगर प्रशासन अपना वादा निभाएगा तो ही अपने बच्चे को बेहतर शिक्षा दे पायेंगे।

पलामू एसपी ने कहा जल्द मिलेगा लाभ

कुंडीलपुर गांव पहुंचे पलामू एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने भी विनय सिंह से बात की और उसके हालात के बारे में जाना। एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने विनय सिंह को भरोसा दिलाया कि विनय सिंह को प्रशासन द्वारा पुनर्वास नीति के तहत मिलने वाले सभी सुविधाओं का लाभ जल्द ही मिलेगा।

मैट्रिक व इंटर की परीक्षा के लिए निःशुल्क कोचिंग सेंटर का उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला सचिव सतीश कुमार दुबे के द्वारा स्थानीय माध्यमिक शिक्षक संघ भवन जेलहाता में मैट्रिक और इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों के लिए एक निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था की गई। इसका उद्घाटन जिला शिक्षा पदाधिकारी सह क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक अनिल कुमार चौधरी ने किया। इस कोचिंग का मुख्य उद्देश्य छात्रों में परीक्षा में होने वाली घबराहट को दूर करना है। साथ ही विद्यार्थियों के संशय को भी प्रमंडल के शिक्षकों के द्वारा ऑफलाइन एवं ऑनलाइन के माध्यम से किया जायेगा। कार्यक्रम में राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक व्यास सिंह, शिशिर कुमार झा, एचबी पांडे, अभिषेक कुमार द्विवेदी, अभिषेक कुमार तिवारी, जय शंकर सोनी , श्यामली सहदेय, विश्वनाथ मिश्रा सुमित शंकर सतन कुमार, अरविद कुमार, नवीन पांडे, शशिकांत, विवेकानंद ,कृष्णा चौधरी, अनीता सिंह, कविता कुमारी पूजा कुमारी , रेखा कुमारी, डॉ आनंद माधव पांडे, संतोष कुमार, जावेद अली के साथ-साथ काफी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षिका एवं जिले के काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

ऑक्सफोर्ड स्कूल में विदाई समारोह का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में 9 फरवरी गुरूवार को बारहवीं कक्षा के विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ प्राचार्य डॉ० एके सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। वहीं बालिकाओं ने स्वागत नृत्य की मनोरम प्रस्तुति दी । तत्पश्चात ग्यारहवीं के छात्रों ने बारहवीं के छात्रों के लिए अनेक प्रस्तुति एवं भाषण दी । कक्षा ग्यारहवीं की बालिकाओं ने सामूहिक गीत एवं नृत्य की अनुपम प्रस्तुति की। जिसमें कक्षा बारहवीं के वार्षिक गतिविधिओं के आधार पर टीनू सिंह को मिस ऑक्सफोर्ड एवं करण कुमार को मिस्टर ऑक्सफोर्ड चुना गया। मिस्टर ऑक्सफोर्ड एवं मिस ऑक्सफोर्ड ने छात्रों और शिक्षकों के अनुभव, गुणवत्ता कर्मठता की प्रशंसा की । प्रियांशु, दिव्यांशु, ईशिका, पीयुष, टीनू, तन्मय, सौम्या, युवराज, कुमकुम, आदित्य, प्रशान्त, रत्ना, प्रीति, मंथन, करण, ओम, अदिति, अमन, रीशू और नैयर आदि छात्रों ने क्रमशः विद्यालय और शिक्षकों के प्रति अपने-अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की क्षत्रछाया में अध्ययन के लिए हम आभारी हैं तथा अनजाने में हुई गलतियों के लिए क्षमा प्रार्थी हैं। प्राचार्य और शिक्षकों की कड़ी मेहनत और लगन ने उन्हें एक अलग और अद्भुत पहचान दी है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ० एके सिंह ने कक्षा बारहवीं के छात्रों के प्रति आत्मीय लगाव और उनके अनुशासन की प्रशंसा करते हुए कहा कि हम ईश्वर से आपके भावी जीवन स्वास्थ्य, समृद्धि, खुशहाली और अच्छे परीक्षा परिणाम की कामना करते हैं। आपके शिक्षण अवधि के दौरान आपके द्वारा शैक्षणिक वातावरण, लगन, योगदान और अनुशासन अविस्मरणीय है। मंच संचालन मीनू सिंह, शिवांगी आनन्द, आकांक्षा एवं नन्दिनी सिंह के द्वारा संयुक्त रुप से किया गया। अन्त में विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक नबेन्दु दास के द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षकवृन्द उपस्थित रहे।

श्राद्ध में पौधरोपण से पितरों के साथ देवता भी होते हैं प्रसन्न : कौशल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने जिले के छतरपुर अनुमंडल के अलग - अलग गांवों के दो श्राद्ध कर्म में शामिल होकर मृतक के नाम पर पौधरोपण कर मृतक की आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित किया। छतरपुर कौशल नगर में स्व. मनजीत रामअवतार मुरुमदाग पंचायत के भीखही निवासी स्व हरीभुइयां के धर्मपत्नी सरती कुंवर के श्राद्धकर्म में शामिल होकर पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ पौधरोपण किया। वहीं परिजनों को आर्थिक सहयोग भी किया। वन राखी मूवमेंट के प्रणेता कौशल ने कहा कि हमारी हिन्दू संस्कृति में पौधों को देव तुल्य मानकर उसे पूजा करने का विधान है। क्योंकि एक वृक्ष से समस्त धरती और ब्रह्मांड पर रहने वाले कई जीवो को 10 तरह का लाभ मिलता है। ग्राम पंचायत डाली बाजार के मुखिया सह वीपीएसए संस्था के प्रधान सचिव पूनम जायसवाल ने स्व. मनजीत के पिता नरेश राम और स्व. सरति कुंवर के पुत्र दिनेश भुइयां व मुरुमदाग पंचायत के मुखिया भोला सिंह ,डाली पंचायत के उप मुखिया

असामयिक मृत्यु पर उनके घर जाकर परिजनों को न सिर्फ हर संभव मदद करने की भरोसा दिलाई बल्कि हर सुख दुख में उनके साथ खड़ा रहने की प्रतिबद्धता भी दुहरायी। मौके पर स्व. मनजीत राम अफजाल अंसारी , जुबेर अंसारी, मनोज यादव, अशोक यादव, मुकेश यादव, रामा सिंह, विकास कुमार, अमरेंद्र कुमार रवि, शमीम अंसारी, नारद भुईयां,भरथि भुइयां संतोष उरांव,उपस्थित थे।

हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम का शुभारंभ 11 को

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। स्थानीय कांग्रेस भवन के सभागार में 9 फरवरी को पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे की गरिमामय उपस्थिति में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा हाथ से हाथ जोड़ो अभियान का शुभारंभ 11 फरवरी को दोपहर 1:00 बजे साहिबगंज के श्रीकुंड हाई स्कूल के मैदान से किया जायेगा । झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सम्मानित प्रभारी अविनाश पांडे एवं प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर के निर्देशानुसार पलामू जिला से भी सैकड़ों की संख्या में 11 तारीख को हाथ से हाथ जोड़ो अभियान का शुभारंभ कार्यक्रम साहिबगंज मे भाग लेंगे। साथ ही साथ पलामू जिला से प्रदेश के नेता प्रदेश प्रतिनिधि, पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ कांग्रेस जन ,जिला के पदाधिकारी ,प्रखंड अध्यक्ष ,प्रखंड के पदाधिकारी भी भाग लेंगे। पलामू जिला में 15 फरवरी से हाथ से हाथ जोड़ो अभियान का शुरूआत होगा ,जो करीब 2 महीने तक चलाया जाएगा । जिसे पलामू जिला के तमाम प्रखंडों पंचायतों और बूथों तक पहुंचने का काम किया जाएगा । जन जन के नेता नेता राहुल गांधी के संदेशों को हर घर में पहुंचाने का काम किया जाएगा । पत्रकार सम्मेलन में प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष ईश्वरी प्रसाद सिंह, विश्राम दुबे, इंदु भगत, अरविंद पासवान, मिथिलेश कुमार सिंह, रिजवान अहमद खान, रूद्र शुक्ला ,जितेंद्र कमलापुरी ,राजेश चौरसिया, विजय अग्रवाल ,मोहम्मद आलम ,मुकेश सिंह चंदेल ,मुकेश सिंह ,शैलेश मेहता, अजय पांडे सहित अधिक संख्या में लोग शामिल थे।

पर्स छीन कर भाग रहे युवक को पकड़ा

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के डंडिला गांव निवासी धर्मेन्द्र राम की पत्नी रीता देवी से मोबाइल व पर्स चोर लेकर भाग निकले। भुक्तभोगी ने इस मामले में हुसैनाबाद थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। हालांकि ग्रामीणों के सहयोग से मिस्टर सिद्दीकी नामक चोर को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया गया है?। इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी जगरनाथ धान ने केस पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि चोर ने अपना नाम मिस्टर सिद्दीकी, पिता कलाम सिद्दीकी, ग्राम इस्लामगंज मोहल्ला हुसैनाबाद बताया है। इससे छिनतई की सामग्री भी बरामद कर ली गई है। जिसे जेल भी भेज दिया गया है। भुक्तभोगी ने दर्ज प्राथमिकी में कहा है कि बुधवार को दिन के 12. 15 बजे पेट्रोल पंप के पास अपने छोटे बेटे के साथ बैठे थे। उसी वक्त एक अज्ञात लड़का ने आने के बाद मेरे हाथ से पर्स छीनकर भागने लगा। शोर मचाने पर आसपास के लोगों दौड़ाकर जपला छत्तरपुर रोड में उसे पकड़ लिया।

कार सहित 55 हजार कैश लेकर ड्राइवर फरार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र चियांकी के परियोजना केन्द्र टेक्नीशियन नीतीश कुमार की कार जेएच01सीएम8311 और नगद 55 हजार रुपये लेकर चालक महेश पंडित पिछले 24 घंटे से फरार है। ड्राइवर से कोई संपर्क नहीं होने पर इस संबंध में नीतीश कुमार ने गुरूवार को शहर थाना में मामला दर्ज कराया गया है। टेक्नीशियन को चालक पटना से मुहैया कराया गया था। नीतीश के अनुसार गत 26 जनवरी से उसने मारूती बोलेनो के लिए महेश पंडित नामक युवक को चालक के रूप में रखा था। बुधवार की रात 10.50 बजे नीतीश चियांकी कार्यालय में काम कर रहे थे। कार्यालय के ही किसी स्टॉफ को छोड़ने के लिए नीतीश अपने चालक को कार के

साथ रेड़मा चौक भेजा था। रेड़मा चौक के लिए निकले चालक का कई घंटे तक कोई अतापता नहीं चला। तब उन्होंने मोबाइल नंबर पर संपर्क किया तो वह भी दूसरे का निकला। नीतीश को चालक के बारे में विशेष कोई जानकारी नहीं थी। बिना पुख्ता प्रमाण के चालक को ड्यूटी पर रख लिया गया था। उसके गायब होने के बाद उसके बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई। नीतीश ने पुलिस को बताया कि कार में 55 हजार रुपये भी थे। पटना से उसे महेश पंडित नामक युवक को चालक के तौर पर मुहैया कराया गया था। इधर शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अभय कुमार सिन्हा ने बताया कि मामले में जांच शुरू कर दी गयी है। बिना पहचान वेरीफाई किए ही चालक रख लिया गया था। चालक बीती रात कार लेकर फरार हो गया है। कार चालक पटना का कोई युवक था।

कार व बाइक की टक्कर में दो व्यक्ति घायल

मेदिनीनगर। नावाबजार थाना क्षेत्र के ग्राम कंडा में कार और बाइक की टक्कर में बाइक सवार दो व्यक्ति सत्येंद्र साव और दीपक पासवान गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार बाइक पर सवार होकर दोनों व्यक्ति किसी काम से जा रहे थे। तभी रास्ते में कंडा गांव के पास उनकी बाइक की टक्कर कार से हो गई। जिसमें दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना के बाद स्थानीय लोगों के द्वारा घायल सतेन्द्र साव और दीपक पासवान को बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा इलाज के बाद भी सतेन्द्र की स्थिति गंभीर बनी हुई है। वहीं घटना की जानकारी मिलने पर नावा बाजार थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई है।

जैप जवान ने बीस सूत्री उपाध्यक्ष को धमकाया

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में इतने दिनों से लगातार कायम महिला सुरक्षा और शांति का दावा एकबार फिर छिन्न-भिन्न हो गया, जब बीस सूत्री उपाध्यक्ष विमला कुमारी पर पुलिस के ही लेस्लीगंज जैप के जवान अमित कुमार सिंह ने दबंगता दिखाते हुए अभद्रता की और सरेआम देख लेने की धमकी दी। इस घटना से आहत विमला कुमारी ने पलामू उपायुक्त और पुलिस कप्तान को तीन जनवरी को पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने घटना का ब्यौरा देते हुए बताया कि 2 फरवरी को लगभग 11 बजे अपने निजी वाहन स्कार्पियों से समहारणालय स्थित बीस सूत्री कार्यालय के लिए ज्ञान निकतेन आवासीय स्कूल के रास्ते होकर जा रही थी। तभी रास्ते में अचानक एक काले रंग की कार सामने आ गई और गाड़ी पिछे करने के लिए मेरे ड्राईवर पर

दबाव बनाने लगा। इसी क्रम में एक आरक्षी जिसकी वर्दी पर अमित कुमार सिंह लिखा हुआ था । वह गाड़ी से उतरा और मुझसे तैस में बोला कि गाड़ी पिछे करो। जब मैं गाड़ी से उतरकर उससे बात करने की कोशिश की तो वह बदतमीजी पर उतर आया और बोला की बीस सूत्री की अध्यक्ष हो तो क्या राष्ट्रपति हो । बोर्ड उखाड़कर फेक दूंगा अगर वर्दी में नहीं होता तो, तुम्हें बता देता। इस घटना से आहत विमला कुमारी ने आरक्षी अमित कुमार सिंह पर उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पत्रकारों से बात करते हुए वह काफी आहत थी। उन्होंने कहा कि मैं पूर्व सांसद स्व. रामदेनी राम की पुत्री हूं। साथ ही मैं महिला होते हुए एक सम्मानित पद पर भी हूं। जब मेरी जैसी महिला ही समाज में सुरक्षित नहीं है तो प्रशासन आम जन की सुरक्षा कैसे करेगा।

निरीक्षण | उपायुक्त ने कस्तूरबा गांधी विद्यालय का किया निरीक्षण

गतिविधियों का लिया जायजा, गुणवत्ता की जांच की

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। पलामू उपायुक्त ने गुरुवार को पांकी कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में संचालित गतिविधियों का जायजा लिया। साथ ही कक्षा के छात्रों से शिक्षा के गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने छात्रों से मुखातिब होते हुए कई महत्वपूर्ण बातें बताई। छात्रों को शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। मौके पर उपस्थित उपायुक्त ने शिक्षक व बच्चों से कहा कि शिक्षा जीवन की महत्वपूर्ण आधारशिला है। शिक्षा अर्जन में किसी प्रकार की लापरवाही एवं कोताही न हो। अपने भविष्य को बेहतर करने एवं बेहतर समाज निर्माण में बेहतर योगदान दें। बच्चों के जीवन में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका

होती है। उन्होंने शिक्षकों को शिक्षा के प्रति अभिरुचि लेते हुए विद्यालय के छात्राओं को शिक्षित करने का निर्देश दिया। साथ हीं बच्चों के शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने का निर्देश दिया। विद्यालय निरीक्षण के क्रम में सुचारू रूप से बिजली हेतु जेनरेटर की व्यवस्था बहाल करने का निर्देश दिया। सोलर जल मीनार एवं बोरिंग की व्यवस्था को दुरूस्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने बालिकाओं के छात्रावास का भी निरीक्षण किया। विधि-व्यवस्था सहित रहने-खाने एवं स्टोर रूम की जांच की। बालिकाओं को प्रतिदिन रूटीन वाईज मिलने वाले अल्पाहार एवं भोजन की सूची का अवलोकन किया। साफ-सफाई बरकरार रखने का निर्देश दिया।

शिक्षकों की छुट्टी के लिए नया प्रारूप जारी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू के सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों को अब नये प्रारूप से छुट्टी मिलेगी। छुट्टी को लेकर शिक्षा सचिव के रवि कुमार ने नया पत्र जारी किया है। उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी व जिला शिक्षा अधीक्षक को पत्र जारी किया है। सचिव ने जारी आदेश में कहा है कि स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों और प्राचार्यो को लीव एप्पलीकेशन मॉड्यूल के तहत छुट्टी लेने का प्रावधान किया गया है। जो प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों को छुट्टी के लिए आवेदन समर्पित करने का अनुमति देता है। छुट्टी की पात्रता से संबंधित विवरण दिखाता है । छुट्टी के अनुरोध के प्रसंस्करण और निपटान की अनुमति देता है। कर्मियों की छुट्टी इतिहास का विस्तृत विवरण प्रदान करता है। सचिव ने निर्देशित

किया है कि पत्र निर्गत की तिथि से सभी पदाधिकारी, प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों को मात्र लीव एप्पलीकेशन मॉड्यूल के माध्यम से ही छुट्टी के लिए आवेदन करते हुए अवकाश प्राप्त करना होगा। किसी भी परिस्थिति में अन्य माध्यम से आवेदित छुट्टी आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा। आवेदन अस्वीकृत कर दिया जायेगा।

NEWS इन ब्रीफ

बाइक दुर्घटना में दो युवक घायल

गढ़वा। गढ़वा जिला मुख्यालय के हौंडा शोरूम के समीप एनएच 75 पर बाइक से गिरने से दो युवक घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में रमना थाना क्षेत्र के झूरहा गांव निवासी गुड्डू राम का 18 वर्षीय पुत्र उपेंद्र कुमार राम और उसी गांव के वीरन महतो का 30 वर्षीय पुत्र संतोष मेहता शामिल है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि उक्त दोनों गढ़वा से अपने घर जा रहे थे। उसी दौरान हौंडा शोरूम के सामने एनएच 75 पर बाइक से अनियंत्रित होकर गिर गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है।

बोलेरो की चपेट में आने से एक युवक घायल

गढ़वा। गढ़वा जिला अंतर्गत मझियाव थाना क्षेत्र के बूढ़ीखाड़ गांव में बोलेरो की चपेट में आने से रेहला थाना क्षेत्र के कमता गांव निवासी आनंद कुमार घायल हो गया। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि आनंद कांडी थाना क्षेत्र के सतबहिनी में आयोजित यज्ञ में शामिल होने गया था। यज्ञ से लौट रहा था, उसी दौरान बूढ़ीखाड़ गांव में सड़क पार करने के दौरान बोलेरो की चपेट में आ गया। जिसमें वह घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों के बीच स्वेटर वितरण

केतार। केतार प्रखंड क्षेत्र के मुकुन्दपुर पंचायत के ताली, बक्सीपुर और बलिगढ़ पंचायत के चेचरिया गांव के आंगनबाड़ी केंद्र पर गुरुवार को 30-30 बच्चों के बीच स्वेटर का वितरण किया गया। स्वेटर का वितरण मुखिया मुंगा साह और चेचरिया गांव के आंगनबाड़ी केंद्र पर मुखिया प्रतिनिधि मनोरंजन कुमार गुप्ता ने की। आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका ने बताया की बाल विकास परियोजना द्वारा 30 स्वेटर इस केंद्र पर उपलब्ध कराया गया था। जिसका वितरण आंगनबाड़ी केंद्र में नामांकित बच्चों के बीच किया गया है। उन्होंने बताया की अभी तक बच्चों के लिए पोशाक उपलब्ध नहीं कराया गया है। पोशाक उपलब्ध होते ही बच्चों के बीच पोशाक वितरण कर दिया जाएगा। सेविका ने कहा की विभाग द्वारा केंद्र पर मिलने वाली हर सुविधाओं से किसी को भी वंचित नहीं किया जायेगा। मौके पर सहायिका सुकनी कुंवर, रमेश राम, विनोद कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पीएम आवास योजना: राशि लेकर आवास नहीं बनाने वालों पर कार्रवाई

बीडीओ ने लाभुकों के घर पहुंच कर दी चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता। चिनिया चिनिया प्रखंड विकास पदाधिकारी कालिदास मुंडा ने गुरुवार को चिनिया मुख्यालय में प्रधानमंत्री आवास के वैसे लाभुक जो पैसा लेकर भी आवास नहीं बना रहे हैं उनके घर पहुंच कर लाभुकों को कड़ी फटकार लगाई, तथा अंतिम चेतावनि देते हुए कहा की अगर 15 दिनों के अंदर प्रधानमंत्री आवास का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया जाता है, तो वैसे लाभुकों पर कानूनी प्रक्रिया के तहत कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बताते चलें कि योजना संख्या 2021-22 के तहत चिनीयां पंचायत में कुल 460 प्रधानमंत्री आवास आवंटित हुई थी जिसमें 94 प्रधानमंत्री आवास के लाभुकों के द्वारा पैसा लेकर भी प्रधानमंत्री आवास का

निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया है। जबकि पूरे प्रखंड में कुल 672 प्रधानमंत्री आवास का कार्य पेंडिंग पड़ा हुआ है। वही चिनियां के वैसे कई लाभुकों के घर बीडीओ कालिदास मुंडा ने पहुंचकर अंतिम चेतावनी देते हुए 15 दिनों के अंदर आवास निर्माण का कार्य प्रारंभ करने को कहा, जिन लाभुकों के घर बीडीओ पहुंचे उनमें रामधवल यादव, अनिल यादव, रामप्रवेश यादव, शिव यादव, शंभू राम, रवि रंजन रवि, रामप्रवेश यादव, उमेश प्रसाद, खुशबू देवी आदि का नाम शामिल है। पूछे जाने पर बीडीओ कालिदास मुंडा ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए निर्गत राशि से घर नहीं बनाने वाले लोगों को अंतिम चेतावनी दी गई है। तय समय पर काम नहीं होता है तो सभी पर सर्टिफिकेट केस और नामजद मुकदमा दर्ज किया जाएगा। साथ ही चिनिया प्रखंड क्षेत्र के वैसे लाभुकों को भी चेतावनी दी गई कि अगर प्रधानमंत्री आवास का पैसा लेने के बावजूद भी लोग आवास का कार्य पूरा नहीं कर रहे हैं या आवास निर्माण का कार्य प्रारंभ नहीं किये है तो 15 दिनों के अंदर आवास निर्माण का कार्य शुरू कर दें, नहीं तो उनके ऊपर सर्टिफिकेट केस और नामजद प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। मौके पर बीडीओ कालिदास मुंडा, प्रधानमंत्री आवास के प्रखंड समन्वयक पंकज विश्वकर्मा, पंचायत सेवक राम नाथ सिंह, स्वयंसेवक अखिलेश यादव, आशीष यादव सहित चिनीयां पुलिस बल के जवान मौके पर उपस्थित थी।

शौचालय निर्माण में अनियमितता पर बीससूत्री अध्यक्ष ने ज्ञापन दिया

नवीन मेल संवाददाता। खरौंधी प्रखंड बीससुत्री अध्यक्ष राजेश कुमार रजक ने गुरुवार को जिले के उपायुक्त को एक आवेदन सौपकर खरौंधी प्रखंड में शौचालय निर्माण में हुई भारी अनियमितता की जांच कर आवश्यक कार्यवाई की मांग की है। बीससुत्री अध्यक्ष राजेश कुमार रजक ने बताया की खरौंधी प्रखंड में शौचालय निर्माण में भारी अनियमितता बरतते हुए राशि की बंदरबांट की गई है। उन्होंने उपायुक्त गढ़वा को आवेदन देकर कार्यवाई की मांग की है।आवेदन में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत प्रखंड खरौंधी में हुए शौचालय निर्माण में अनियमितता के विरुद्ध कार्रवाई के संबंध में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत पेयजल व स्वच्छता प्रमंडल गढ़वा के द्वारा शौचालय निर्माण में भारी अनियमितता बरती गई है। जिसमें कार्यपालक अभियंता जिला जल एवं स्वच्छता प्रमंडल गढ़वा प्रदीप सिंह, प्रखंड

समन्वयक दिव्यम शुक्ला, राजेश पांडेय, राकेश सिंह एवं राजू राम के मिलीभगत से फर्जी स्वयंसहायता समूह बनाकर बिना निर्माण के ही पैसा भुगतान कर दिया गया है एवं फर्जी उपयोगिता प्रमाण पत्र लगा दिया गया। प्रखंड में लगभग 600 सक्रिय महिला स्वयं सहायता समूह के बावजूद प्रखंड समन्वयक दिव्यम शुक्ला एवं राजेश पांडेय के द्वारा अपने गृह पंचायत के फर्जी स्वयंसहायता समूह को कार्यादेश दिया गया एवं अग्रिम भुगतान किया गया था। जिसमे प्रभावती महिला स्वयं सहायता समूह लोहरगाडा एवं सरस्वती महिला स्वयं सहायता समूह अधौरी नगर उंटारी से कराया गया। शून्य निर्माण एवं फर्जी भुगतान के विरुद्ध लाभुकों द्वारा जांच की मांग की जा रही है। साथ ही अनियमितता की खबर प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित होने के बावजूद जिला स्तर से कोई संज्ञान नहीं लिया गया। उपरोक्त अनियमितता की जांच के लिए प्रखंड कार्यालय के द्वारा भी जिला जल एवं स्वच्छता विभाग गढ़वा से पंचायतवार शौचालय निर्माण लाभुकों की सूची मांग की गई थी। परंतु अभी तक प्रखंड कार्यालय को सूची उपलब्ध नहीं कराई गई। बीससुत्री अध्यक्ष ने उपायुक्त गढ़वा से उपरोक्त बिंदुओं के आधार पर जांच दल गठित करते हुए दोषी कर्मियों व अधिकारियों पर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

बीडीसी ने प्रमुख पर लगाया रिश्वत मांगने का आरोप

नवीन मेल संवाददाता। भवनाथपुर प्रखंड के अरसली दक्षणी के बीडीसी शकील अहमद ने बीडीओ को आवेदन देकर प्रमुख शोभा देवी पर 10 प्रतिशत रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। दिए आवेदन में जिक्र किया है कि 15वें वित्त से अरसली दक्षणी में पियहवा बांध से अमर चेरो के घर तक नाली मरम्मती का निर्माण कार्य कराने के वावजूद भुकतान नहीं किया जा रहा है। एमबी भी बुक हो चुका है बीडीओ द्वारा भाऊचर पर हस्ताक्षर कर दिया गया है। प्रखंड प्रमुख को अभिलेख पर हस्ताक्षर करने के लिए दिया तो हस्ताक्षर नही किये और घर बुलाया गया। घर पर गया तो 10 प्रतिशत रिश्वत की मांग किया गया, नही देने पर जहां जाना है जाओ। नही करने के लिए बोला गया। जबकि नाली मरम्मती में मजदूर कार्य किए हैं और मुझ से बार बार मजदूरी मांग रहे हैं। बीडीओ से भुकतान कराने की मांग की है। इस मामले को लेकर प्रखंड प्रमुख शोभा देवी से पूछे जाने पर बताया कि शकील अहमद द्वारा गलत जगह पर योजना बनाया गया है,और दबाव बना कर भुकतान करने का प्रेसर बनाया जा रहा है। बीडीसी द्वारा पैसे मांगने का लगाया गया आरोप बेबुनियाद है साजिस के तहत मुझे बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में पूछे जाने पर बीडीओ जयपाल महतो ने बताया कि प्रमुख के खिलाफ अरसली दक्षणी के बीडीसी के द्वारा आवेदन दिया गया है जांच कर उच्च अधिकारी के निर्देश अनुसार करवाई किया जाएगा।

पीएचसी रमकंडा में हुआ 60 गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व जांच

गर्भावस्था में सही समय पर जांच जरूरी

नवीन मेल संवाददाता। रमकंडा गढ़वा जिला के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, रमकंडा में 60 गर्भवती महिलाओं को एएनसी अर्थात प्रसव पूर्व जांच किया गया। चिकित्सा पदाधिकारी डॉ कुलदेव चौधरी ने बताया कि मां बनना जिंदगी का सबसे सुखद एहसास है। जिस पल गर्भ में भ्रूण आता है, उस पल से एक नई जिंदगी शुरू हो जाती है। इसलिए गर्भावस्था में बहुत जरूरी है कि महिलाओं का पूरा पूरा ध्यान रखा जाए। मां और उसके पेट में पल रहे बच्चे की स्वास्थ्य देखभाल, उन्हें जरूरी परामर्श देना और साधन उपलब्ध कराना ही प्रसव पूर्व देखभाल है। डॉ चौधरी ने यह भी कहा कि आमतौर पर प्रसव बिना किसी समस्या के हो जाती है। लेकिन कई बार अचानक जटिल समस्याएं सामने आ जाती है। इसलिए गर्भावस्था के दौरान विशेष ख्याल रखना जरूरी है।

आमतौर पर आने वाली जटिलताओं में शामिल है, गर्भावस्था में हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, प्रीएकलैंपशिया, मिसकैरेज, खून की कमी आदि। प्रसव पूर्व जांच कराना बहुत जरूरी है ताकि समय से पता चल सके कि मां और बच्चे कितने स्वस्थ हैं। प्रसव पूर्व जांचों में मुख्यतः हीमोग्लोबिन, रक्तचाप, ब्लड सुगर, एचआईवी आदि की जांच की जाती है। प्रसव के पहले ही जाँच से संभावित बीमारियों का पता चल जाता है, जिससे प्रसव के दौरान होने वाली परेशानी में काफी कमी आती है और इससे होने वाली मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में भी कमी आती है। गर्भावस्था के संपूर्ण अवधि के दौरान कम से कम चार बार एन्टी नेटल चेकअप जरूरी है। मेडिकल टीम में चिकित्सा पदाधिकारी डॉ कुलदेव चौधरी, सीएचओ सुचिता लकड़ा, लैब टेक्नीशियन सत्येंद्र कुमार शामिल थे। सहिया रीता देवी, चिंता देवी, अनीता देवी, सोनी देवी के साथ बबीता देवी, गुलशन खातून, लाडली खातून, सुनीता देवी, खुशबू देवी सहित काफी संख्या में गर्भवती महिला उपस्थित थे।

विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। चिनिया चिनिया प्रखंड मुख्यालय स्थित प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रांगण में गुरुवार को सेवानिवृत्त प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सच्चिदानंद सिंह को अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के द्वारा विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन कर भावभीनी विदाई दी गई। जहां कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय चिनीयां की छात्राओं के द्वारा प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सच्चिदानंद सिंह को सेवा निवृत्त होने पर विदाई गीत गाकर स्वागत किया गया। मौके पर निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी सह शिक्षक अरुण कुमार मेहता ने कहा कि सेवानिवृत्त प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सच्चिदानंद सिंह पदाधिकारी कम अभिभावक तथा मार्ग दर्शक ज्यादा थे, इनके मृदु स्वभाव कुशल व्यवहार अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने शिक्षकों को हमेशा सही रास्ता दिखाया। कई शिक्षकों ने समारोह को संबोधन किया तथा सेवानिवृत्त प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी की दीघार्यु की कामना की तथा उनकी प्रशंसा की। शिक्षक संघ ने सेवानिवृत्त पदाधिकारी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा प्रशस्ति पत्र दिया गया। शिक्षकों ने बुके देकर तथा माला पहना कर सम्मानित किया तथा उपहार दिए। मौके पर सेवानिवृत्त प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सच्चिदानंद सिन्हा ने शिक्षकों से कहा कि आप कर्म के प्रति सचेत रहें कर्मठ रहे हमेशा ठीक रहेंगे दायित्व को निभाए अपने कार्य को महत्वपूर्ण समझें कर्म करेंगे तो स्वाभिमान तथा सुख मिलता रहेगा। इसलिए कभी भी मनुष्य को अपने कर्म से पीछे नहीं हटना चाहिए। मौके पर शिक्षक नथुनी सिंह, रंजीत यादव, अरुण कुमार मेहता, सहित कई शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं शिक्षा विभाग के कर्मचारी गण मौजूद थे।

14 सूत्री मांगों के समर्थन में प्रखंड भर के पीडीएस दुकानदार हड़ताल पर

नवीन मेल संवाददाता। डंडाई अपनी 14 सूत्री मांगों के समर्थन में प्रखंड भर के पीडीएस दुकानदार पिछले सप्ताह दिनों से हड़ताल पर हैं। उक्त कारण प्रखंड क्षेत्र की पीडीएस गतिविधि बिल्कुल रूप से चौपट हो गई है। उपायुक्त रमेश घोलप के माध्यम देश के पीएम नरेंद्र मोदी व राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम भेजे गए 14 सूत्री मांग पत्र में कमीशन को बढ़ाकर रू 300 प्रति क्विंटल करने, दुकान पर तराजू तौलने वाले व्यक्ति को रु. 30000 प्रति माह मानदेय की राशि देने, राज्य में 4जी सेवा बहाल करने ,सभी दुकानदारों के खातों में सीधे

कमीशन की राशि हस्तांतरित करने, गोदामों पर इलेक्ट्रानिक तराजू से सामग्री की तौल करा खाद्यान्न दिलाने, किसी भी तरह की शिकायत पर दुकानदारों को एक मौका देने इत्यादि प्रमुख मांगे शामिल है। केंद्रीय बजट की घोषणा से पूर्व दुकानदारों की और से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम भेजे गए पत्र के बाद हुए केंद्रीय बजट की घोषणा में दुकानदारों को कुछ भी हासिल नहीं हुआ। अब उन्हें राज्य के बजटीय घोषणा से ज्यादा उम्मीदें हो गई है। मामले में देखना दिलचस्प होगा कि उम्मीद लगाए दुकानदारों को राज्य के बजटीय घोषणा में भी 14 सूत्री मांग पत्र पर सुनवाई होता है या नहीं। बावजूद प्रखंड भर के दुकानदारों की अपेक्षाएं धरी की धरी रह जाएगी। मांग पत्र सौंपने वालों में बंशीधर बैठा, विनोद सिंह ,रामेश्वर राम, नारायण राम, गंगा राम, सफीक अंसारी, अशोक राम, मुस्ताक अंसारी, महजूदीन अंसारी इत्यादि दुकानदारों का नाम शामिल है।

घिनौनी करतूत : दोनों आरोपी शिक्षकों पर हुई प्राथमिकी दर्ज

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा जिले के खरौंधी प्रखंड में लड़की से अभद्र बातचीत के कथित वायरल ऑडियो क्लिप प्रकरण में आरोपी शिक्षकों के विरुद्ध कार्रवाई हुई है। हाई स्कूल भलुही के प्रांगण में ग्रामीणों और विद्यालय प्रबंधन समिति की संयुक्त बैठक में निर्णय लेते हुए आरोपी दो टीचरों को कार्यमुक्त कर दिया गया है। हालाकि पंचायत के मुखिया मंसा देवी की उपस्थिति और विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र प्रसाद यादव की अध्यक्षता में आयोजित प्रबंधन समिति की बैठक में शामिल ग्रामीण बैठक के दौरान तीसरे सहायक शिक्षक की बर्खास्तगी के लिए अड़ गए। ऐसे में तीसरे शिक्षक की बर्खास्तगी की मांग को लेकर जमकर हंगामा हुआ। बाद में क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी कैसर रजा द्वारा लोगों को आश्वासन दिया गया कि इस ऑडियो क्लिप प्रकरण में जो भी शिक्षक शामिल पाए जाएंगे उनके विरुद्ध जांच कर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से घटित घटनाओं पर चर्चा हुई। जिसे लेकर काफी हंगामा हुआ। मुखिया मनसा देवी आक्रोशित लोगों को समझा बुझाकर शांत करा रही थी। विदित हो कि 7 फरवरी को छात्रा के साथ 8:00 बजे बातचीत का ऑडियो क्लिप वायरल प्रकरण में विद्यालय में पहुंचे सैकड़ों ग्रामीणों ने 3 शिक्षकों के विरुद्ध आरोप लगाते हुए हंगामा किया था और तीनों शिक्षाका की बर्खास्तगी की मांग को लेकर विद्यालय में तालाबंदी कर दी थी। बाद में मौके पर मौके पर पहुंची पुलिस, प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी और पंचायत प्रतिनिधियों लोगों को तीनों शिक्षको के विरुद्ध कार्रवाई का आश्वासन देकर और समझा-बुझाकर शांत कराया था। मौके पर क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी कैशर रजा और बीईईओ विजय पांडेय ने बताया कि ऑडियो वायरल मामले की जाँच की गई। उक्त ऑडियो में संलिप्त दो शिक्षकों को कार्यमुक्त कर दिया गया है। मामला सामने आने के बाद छात्रों को विद्यालय नही आने के बारे में उनसे पूछे जाने पर उन्होंने ने बताया की अभिभावकों की सभी मांगो पर विचार किया जा रहा है। शिक्षको के विरुद्ध ग्रामीणों की मांग अनुसार त्वरित कार्रवाई हुई है। ऐसे में अब अभिभावक अपने बच्चों को विद्यालय भेजेंगे ऐसा उन्हे विश्वास है। बच्चों को पूर्ण सुरक्षा प्रदान की जाएगी। भयमुक्त वातावरण के साथ साथ बेहतर शैक्षिणिक माहौल तैयार किया जाएगा। साथ ही विभाग भी सभी पहलुओं पर अपने स्तर से जाँच कर रही है। इसमें जिनकी भी संलिप्तता पाई जाएगी। उनपर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। प्रमुख आभा रानी ने भी अभिभावकों से बच्चों को विद्यालय भेजने की अपील की। उन्होंने लोगों को भरोसा दिया की किसी भी दोषी बख्शा नही जाएगा। इस विद्यालय में भयमुक्त शैक्षणिक माहौल के साथ सुचारू रूप से पठन पाठन संचालित की कराई जाएगी। मामले के बाद आज विद्यालय में मात्र 50 छात्र ही विद्यालय में उपस्थित हुए थे। एमडीएम भी नही बनाया गया। मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ सैकड़ो अभिभावक मौजूद थे।

कार्यक्रम 11सूत्री मांग को लेकर डीलरों का धरना शुरू, कामेश्वर दुबे ने कहा

राज्य सरकार डीलरों के साथ कर रही अनदेखी

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन गढ़वा ने गुरुवार को समाहरणालय के समक्ष विभिन्न मांगों के समर्थन में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष रामेश्वर दुबे ने किया। धरना के पश्चात प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री के नाम गढ़वा उपायुक्त रमेश घोलप को 11 सूत्री मांग पत्र सौंपा। सौंपें गए मांग पत्र में सभी फेयर प्राइस डीलरों को 50 हजार मासिक आय सुनिश्चित करने की मांग किया है। साथ ही गरीब लाभुकों के हित में एनएफएसए कार्ड धारकों को पीएमजीकेएवाई के अतिरिक्त 5 किलो खाद्यान्न की आपूर्ति बहाल की जाय, केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त वर्ल्ड फूड प्रोग्राम की सिफारिशों के अनुसार 764 प्रति क्विंटल न्यूनतम कमीशन लागू की जाए,आपात

कालीन स्थितियों में आधार संख्या के साथ ई-पॉश मशीनों के माध्यम से राशन वितरित करने के लिए केंद्रीय खाद्य राज्य मंत्री के बयान के अनुपालन में को की पीड़ा और उत्पीड़न को कम की जाए। चावल गेहूं और चीनी में 1 किलो प्रति क्विंटल परिचालन नुकसान दिया जाए।

खाद्य तेल चीनी और दाल की कीमतों में वृद्धि को रोकने के लिए और किसानों को उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने के लिए राशन की दुकानों में आपूर्ति बहाल की जाए, जानू की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए जुट के बोरे में खाद्यान्नों की आपूर्ति की जाए।

ग्रामीण क्षेत्रों में राशन की दुकानों को चावल और गेहूं के लिए डायरेक्ट प्रोक्यूमेंट एजेंट के रूप में नियुक्ति दिया जाए, पश्चिम बंगाल राशन मॉडल की तरह पूरे देश में सभी के लिए भोजन के अंतर्गत प्रत्येक नागरिकों को राशन प्रदान करने की योजना बनाई जाए, राजस्थान सरकार की तर्ज पर सारे देश में कोरोना में मृत राशन डीलर के परिवार को रू.50 लाख का मुआवजा दिया जाए।

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राशन डीलरो की देय कमीशन का भुगतान तत्काल दिया जाए मांग शामिल है। उक्त कार्यक्रम में जिले भर के सैकड़ों की संख्या में डीलर्स शामिल हुए।

मौके पर रामजन्म सिंह, अरुण कुमार यादव, दिनेश प्रसाद, राजेश राम, शिवनारायण चंद्रा, नंदू प्रसाद, राजेंद्र गुप्ता, चंद्रदीप सिंह, संतोष दास, विजय प्रसाद गुप्ता, विजय पटवा, सुग्रीव बैठा, पूनम देवी, लालती देवी, शैलेंद्र दुबे, नरेश राम, कुमार, शंभू दयाल तिवारी, व्यास मेहता, ब्रजमोहन मिश्रा, बृजमोहन दुबे, रघुनाथ प्रसाद, विपिन चंद्रवंशी आदि डीलरों का नाम शामिल है।

प्रमुख शोभा ने 15वें वित्त मद से निर्माणरत आंगनबाड़ी केंद्र भवन का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता। भवनाथपुर भवनाथपुर प्रखंड प्रमुख शोभा देवी ने उप प्रमुख पिन्टू टोप्पो के साथ वनसानी पंचायत में विभिन्न मद से क्रियान्वित योजनाओं की जांच किया। जिसमें सभी योजनाओं में संवेदक द्वारा बड़े पैमाने पर अनिमियतत्ता बरते जाने का मामला सामने आया है। प्रमुख ने सबसे पहले वनसानी पंचायत अंतर्गत रोहिनियां ठीका टोला स्थित 15 वें वित्त मद से निर्माणरत आंगनबाड़ी केंद्र भवन का निरीक्षण किया। जिसमें विभागीय मिलीभगत से संवेदक द्वारा धड़ल्ले से घटिया सामग्री का प्रयोग किये जाने का मामला सामने आया। वहीं योजना में कार्य कर रहे मिस्त्री की उमवि रोहिनियां में छठीं कक्षा में पढ़ने वाली नबालिग बेटी अनार कुमारी भी काम कर रही थी, पूछने पर मिस्त्री ने कहा कि कोई आदमी नहीं मिला इसलिए काम पर लगाना पड़ा। वहीं प्रमुख के समक्ष योजना में कार्य करा रहे संवेदक तथा मिस्त्री ने खुद से स्वीकार किया कि योजना में लग रहे ईंट निम्न गुणवत्ता

बोल्डर की ढुलाई में संलिप्त लोगों पर होगी कारवाई : प्रभारी रेंजर

रोहिनियां सड़क में कलभट निर्माण में वन भुमि से लाये गये बोल्डर के संबंध में पूछे जाने पर प्रभारी रेंजर प्रमोद कुमार ठाकुर ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। जांचोपरांत संलिप्त लोगों को चिन्हित कर उनपर कारवाई की जाएगी।

वाली है,तथा बगल के नाले से निकाले गए मिट्टीयुक्त बालू है। जिसपर प्रमुख ने कार्य की गुणवत्ता में सुधार लाने की नसीहत दी। प्रमुख ने पीएचडी विभाग से करीवा माटी के समीप निर्माणरत जलमीनार का निरीक्षण किया,इसमें में भी संवेदक द्वारा निम्न गुणवत्ता वाला बालू और ईंट का प्रयोग किया जा रहा था। कार्य में लगे मिस्त्री लुधुक पासवान ने बताया यह सही कार्य नहीं कराया जा रहा है,इसमें गुणवत्ता वाली सामग्री का प्रयोग नहीं किया जा रहा है,हलांकि हमभी ठेकेदार से बोले थे कि अच्छा ईंट और बालू लाइये, लेकिन नहीं लाये,तो मजबूरी में हमको काम करना पड़ रहा है। फिर प्रमुख ने आरईओ विभाग से रोहिनियां में निर्माणरत कालीकरण सड़क में रोहो टोला में निमार्णाधीन कलभट योजना का निरीक्षण किया। जहां पर कलभट में मुंशी मनोहर साह की देखरेख में कार्य कर रहे मजदूर ब्रम्हदेव यादव,नथु भुईंया, अवधेश राम आदि ने बताया कि कलभट में लगने वाला बालू बगल के नाले से निकाला हुआ है,तथा बोल्डर वन भुमि से निकासी किया हुआ है। सबने कहा कि जो सामग्री हमें मिल रही है,उससे कार्य कर रहें हैं,लेकिन उक्त सामग्री के प्रयोग से कलभट की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। प्रमुख ने सभी योजनाओं के वरीय पदाधिकारी को पत्राचार करने की बात कही।

सीआरपीएफ पुलिस को मिली सफलता

जंगल से हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार

जिले की पुलिस और अर्धसैन्य बलों ने नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान एक जंगल से चार शक्तिशाली केन और दो प्रेशर कुकर बम के अलावा कई हथियार बरामद किए हैं। बरामद हथियारों में एक कार्बाइन, दो राइफल, 33 जिंदा गोली समेत अन्य सामान हैं। बरामद सभी बम को बम निरोधक दस्ते के द्वारा जंगल में ही विस्फोट कर निष्क्रिय कर दिया गया। ये हथियार जंगल में एक सुरंगनुमा बंकर के भीतर छिपाकर रखे गए थे। जानकारी देते हुए सीआरपीएफ 214 बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी अभिनव आनंद ने बताया कि कमांडेंट को गुप्त सूचना मिली थी कि मनिका थाना क्षेत्र के कुरूम खेता जंगल के इलाके में नक्सलियों के द्वारा हथियार और विस्फोटक सामग्री छिपाकर रखे गए हैं। सूचना के बाद सीआरपीएफ 214 बटालियन के कमांडेंट केडी जोशी के निर्देश पर सीआरपीएफ और जिला पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर नक्सलियों के खिलाफ छापामारी अभियान चलाया गया। छापेमारी अभियान के दौरान श्वान दस्ता के संदेह पर ये हथियार बरामद किए गए।

जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरीय तम्बाकू दस्ते के सदस्यों को दिया गया प्रशिक्षण

तंबाकू धूमपान रोकने के लिये उठाएं सख्त कदम : डीसी

नवीन मेल संवाददाता। चतरा

गुरुवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त अबु इमरान की अध्यक्षता में तम्बाकू निरोधक छापामार दस्ते का प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने जिला अंतर्गत अलग-अलग क्षेत्रों में तंबाकू नियंत्रण से संबंधित केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा निदेर्शों के अनुपालन हेतु किए जा रहे कार्यों की जानकारी लेते हुवे अनुमंडल पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को सभी दिशानिदेर्शों का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को नियमित रूप से जिले के शैक्षणिक संस्थानों का निरीक्षण करने एवं संस्थानों के 100 गज की दूरी तक किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पादों की बिक्री ना होने देना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके लिए नियमित रूप से विद्यालय प्रबंधन समिति के साथ बैठक करने एवं उचित दिशा निर्देश देने का निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने कार्यालयों में तंबाकू मुक्त संस्थान का साईनेज लगाना सुनिश्चित करें। तंबाकू नियंत्रण कोषांग के अधिकारियों को तंबाकू नियंत्रण के तहत जिले में हो रहे कार्यों की नियमित रूप से समीक्षा करने एवं इससे संबंधित प्रतिवेदन अपर समाहर्ता सह विशेष नोडल पदाधिकारी के कार्यालय तथा उपायुक्त के कार्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। वहीं सीड्स झारखंड के कार्यक्रम समन्वयक रिम्पल झा के द्वारा मौजूद अधिकारियों को तंबाकू संबंधित उत्पादों पर रोक लगाने के लिए समय-समय पर सरकार द्वारा तंबाकू नियंत्रण के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों एवं उनके अनुपालन हेतु उठाए जाने वाले कदमों आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन, उप विकास आयुक्त उत्कर्ष गुप्ता, एसडीओ, डीएसपी मुख्यालय, एसी, जिला स्तरीय प्रशासनिक तथा पुलिस पदाधिकारी, सभी बीडीओ, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, थाना प्रभारी आदि उपस्थित थे।

एफसीआई गोदाम निर्माण में घोर अनियमितता

हेरहंज। प्रखंड कार्यालय परिसर मे बन रहे एफ सी आई गोदाम निर्माण मे बरती जा रही है अनियमित्ता। बिभागीय पदाधिकारी और सवेदक के मिलीभगत से गोदाम निर्माण कार्य मे निम्न स्तर का कार्य किया जा रहा है। उक्त आरोप हेरहज सांसद प्रतिनिधि रूपेंद्र जायसवाल ने लगाया है । सांसद प्रतिनिधि ने कहा की उक्त गोदाम का निर्माण भवन निर्माण बिभाग के तहत कराया जा रहा है और संवेदक अपनी मनमानी तरीके से कार्य करने मे लगे हुए है। यहां तक की निर्माण कार्य मे दिखावे के लिए निम्न स्तर का चिमनी ईंटा रखा हुवा जबकि बंगला ईंट का प्रयोग किया जा रहा है। सांसद प्रतिनिधि ने बताया की बीते दिनों भी इस बारे मे बिभाग को सूचना दी गई थी जिसके बाद विभागीय स्तर पर करवाई हुई, और गलत तरीके से किये गये निर्माण कार्य को तुड़वाया गया।

12 फरवरी को होगा वैश्य महासम्मेलन

नवीन मेल संवाददाता। चंदवा

जिले में वैश्यों की दशा एंव दिशा पर 12 फरवरी को लातेहार के माको डाक बंगला में विचार गोष्ठी सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। विचार गोष्ठी सह सम्मान समारोह में अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के नवनियुक्त झारखंड प्रदेश अध्यक्ष ज्ञान शंकर जी को सम्मानित किया जायेगा। जिसकी तैयारी को लेकर गुरुवार को होटल हाइवे हिल में वैश्य समाज की अहम बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता वैश्य मोर्चा के चंदवा प्रखंड अध्यक्ष प्रमोद कुमार साहू ने की।बैठक में सर्वप्रथम मासियातु निवासी प्रमोद प्रसाद की पत्नी सुनीता देवी की मौत पर दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रमोद साहु ने कहा कि जिले में समाज की दशा व दिशा पर गौर करने की आवश्यकता है वर्तमान समय में समाज की जो स्थिति है वो ठीक ठाक नहीं है अगर यही स्थिति रही तो आने वाली पीढ़ी को बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। समाज के दबे कुचले लोगों की मदद कर ही हम समाज का उत्थान कर सकते हैं। वहीँ प्रेमशंकर भगत ने कहा कि आज भी वैश्य समाज कई मायनो में पिछड़ा हुआ है राज्य सरकार भी वैश्यों के उत्थान पर विशेष ध्यान नहीं दे रही है हम सबको समाज के उत्थान के लिए विचार करने की आवश्यकता है।

हाथियों ने मचाया उत्पात, घर तोड़ा

टंडवा। टंडवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में इन दिनों हाथियों का आतंक जारी है। लोगों की मानें तो सिदपा और सुइयाटांड में एक हांथी कई दिनों से घूम रहा है, जो रात के समय में जंगल से बाहर निकलकर गांवों में पहुंच उत्पात मचाता है, इस दौरान कई घरों को ध्वस्त करते हुए फसलों को भी बर्बाद कर दिया है। बताया गया कि सिदपा गांव के मसोमात फुलमनी देवी व रामदयाल उरांव के खपड़ैल मकान को ध्वस्त करते हुए घर में रखे अनाज को हांथियों ने चट कर लिया। वहीं गेहूं व गन्ने के फसलों को हाथियों द्वारा नुकसान पहुंचाये जाने से किसानों को काफी क्षति हुई है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से क्षतिपूरक मदद की गुहार लगाते हुए हाथियों को भगाने के लिए स्पेशल टीम की मांग की है।

डीसी ने अधिकारी के साथ की समीक्षा बैठक

समन्वय स्थापित कर लोगों को करें जागरूक

नवीन मेल संवाददाता। चतरा

गुरुवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त अबु इमरान की अध्यक्षता में आपदा प्रबंधन, कारा सुरक्षा, उग्रवादी हिंसा, जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा टास्क फोर्स, मेगा प्रोजेक्ट, भू अर्जन से संबंधित मामलों की गहन समीक्षा की गई। जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा टास्क फोर्स की समीक्षा में उपायुक्त ने बढ़ते सड़क दुर्घटना को देखते हुए संबंधित के साथ समन्वय स्थापित कर व्यापक प्रचार-प्रसार कर लोगों को जागरूक करने एवं अलग-अलग स्थानों पर औचक जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। पूर्व के बैठक में वैसे सड़क मार्ग जहां जंगल झाड़ी के कारण वाहन चालकों को सामने देखने में समस्या होती हैं वैसे स्थानों को चिन्हित कर जंगल झाड की सफाई करने का निर्देश कार्यपालक अभियंता पथ प्रमण्डल को दिया। साथ ही जिले में सड़क मार्ग के निकट स्थित विद्यालय एवं कॉलेज हो तो वहां पर स्पीड ब्रेकर एवं जेब्रा क्रासिंग निमार्ण कराने को लेकर संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत बाजार क्षेत्र में सड़क की मापी कर अतिक्रमण हटाने के क्षेत्र में भी जल्द से जल्द कार्य करने का निर्देश दिया गया। बैठक में सभी मेगा प्रोजेक्ट के प्रबंधक समेत अन्य उपस्थित प्रतिनिधियों द्वारा जिले में चल रहे मेगा प्रोजेक्ट को लेकर अद्यतन प्रगति की जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं से भी अवगत कराया गया।

बरियातू में हाथियों का उत्पात

घर और फसल किया बर्बाद, दहशत में लोग

नवीन मेल संवाददाता। बारियातू

प्रखंड अंतर्गत गोनिया पंचायत के बिश्रामपुर ग्राम निवासी धूरन गंझू पिता जेहाली गंझू की घर को जंगली हाथियों ने धवस्त कर घर में रखे अनाज को खाया व पास में लगे फसलों को रौंद कर पूरी तरह से बर्बाद कर दिया। इस तरह जंगली हाथियों की आतंक से ग्रामीण दहशत में जीने को विवश हैं। जानकारी देते हुए पीड़ित धूरन गंझू पिता जेहाली गंझू ने बताया की हम लोगों अपना घर में सोए हुए थे जंगली हाथियों ने अचानक रात्रि 11बजे आ धमका और घर की दीवार को तोड़ने लगा तो हम सभी परिवार ने अपना जान किसी तरह से बचाकर भाग निकले। और घर में रखे 7 क्विंटल धान को खाकर चट कर दिया । हमारा घर की दीवार ध्वस्त व अनाज एवम फसल क्षतिग्रस्त होने से हम घर से बेघर हो गए हैं हम गरीब मजदूर परिवार से विलोम करते हैं। वन विभाग यथाशीघ्र हुए नुकसान का मुआवजा दें ।और ग्रामीण व पीड़ित धूरान गंझु ने जंगली हाथियों को घने जंगलों में भगाने की आग्रह की है।

बीईओ से वार्ता के बाद उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

भुसाढ़ स्कूल में चल रहे अभिभावक और छात्र-छात्राओं का धरना समाप्त

नवीन मेल संवाददाता। चंदवा

गुरुवार को प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी राम प्रसाद यादव, कामता सीआरपी संजू कुमारी, भुसाढ़ राजकीय प्राथमिक विद्यालय पहुंचे, धरना में शामिल लोगो से मांगों के संबंध में वार्ता किया, बीईओ यादव ने बताया कि प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार के निर्देश पर धरना दे रहे ग्रामीणों से वार्ता करने आए है, आप सब मांगों से संबंधित मांग पत्र दे दिजिए इसे जिले के उपायुक्त के पास भेजना है जिला प्रशासन आपके मांगों पर विचार कर रही है, स्कूल से संबंधित समस्या पर जल्द ही कोई रास्ता निकाला जाएगा। इसके बाद उन्होंने धरना समाप्त करने का अनुरोध किया। इसके बाद आंदोलनकारियों ने उपायुक्त महोदय के पदनाम ज्ञापन बीईओ को सौंपा, वार्ता के क्रम में पंसस अयुब खान ने बीईओ को बताया कि गांव के पचास से अधिक छात्र छात्राएं शिक्षा ग्रहण करती हैं, गांव की सरकारी विद्यालय को मर्ज कर गांववासियों के साथ साथ शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों के साथ भी अन्याय किया गया है। मर्ज के बाद इस स्कूल को 2018 में चालू किया गया था इसके बाद कोरोनाकाल में बंद कर दिया गया। इसके बाद से यह स्कूल कभी खुला ही नहीं। इसपर बीईओ ने भी सरकारी विद्यालय को मर्ज किए जाने पर हैरानी जताई। उपायुक्त के पदनाम सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय भुसाढ़ एक सरकारी विद्यालय है किंतु इस विद्यालय को उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय बृंदा में मर्ज कर दिया है। स्कूल बंद होने से शिक्षा ग्रहण करने वाले गांव के छात्र छात्राओं को काफी कठिनाई हो रही है। गांव कि छात्र छात्राएं और अभिभावक चाहते हैं कि गांव का स्कूल चालू हो बच्चों को पढ़ने में कोई परेशानी न हो। ज्ञापन में राजकीय प्राथमिक विद्यालय भुसाढ़ को जल्द से जल्द खुलवाने का अनुरोध किया गया है। धरना में पंचायत समिति सदस्य अयुब खान, ग्राम प्रधान सुरेश उरांव, पूर्व पंचायत समिति सदस्य फहमीदा बीवी, वार्ड सदस्य सुमंत उरांव, बनारसी साव, पीटर एक्का, द्वारीका ठाकुर, बैजनाथ ठाकुर, तेज कुमार पन्ना, जितेन्द्र कुमार साव, गीता देवी, रेखा देवी, सुनीता देवी, मेरी देवी व अन्य शामिल थे।

कस्तूरबा विद्यालय में नामांकन के लिए 4 मार्च तक करें आवेदन

बरवाडीह। प्रखंड के कस्तूरबा बालिका आवासीय विद्यालय में नए सत्र में वर्ग 6 में नामांकन हेतु 4 मार्च तक आवेदन दिया जा सकता है। इसकी जानकारी देते हुए कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय के वार्डन रूबी कुमारी ने बताया कि प्रखंड के कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में नए सत्र 2023-24 में वर्ग 06 में नामांकन के लिए आवेदन पत्र दिनांक 10-02-2023 से कस्तूरबा विद्यालय कार्यालय, प्रखण्ड संसाधन केंद्र एवं प्रखण्ड कार्यालय से28.2..2023तक निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है। वही वर्ग 6 में नामांकन कराने वाली इच्छुक बालिका पूर्णतः भरा हुआ आवेदन .04.03.2023 तक कस्तूरबा विद्यालय कार्यालय अथवा प्रखण्ड संसाधन केंद्र में जमा किया जा सकता है। वार्डन रूबी कुमारी ने बताया कि नामांकन कराने हेतु आदिम जनजाति बालिका ,प्रखंड के अति सुदूर क्षेत्र के बालिका, आर्थिक अभाव के कारण बीच में पढ़ाई छोड़ने वाली बालिका एवं मां बाप के निधन के उपरांत असहाय बच्ची को नामांकन में प्राथमिकता दी जाएगी।

तेजस्वी यादव के रांची आगमन को लेकर बैठक आयोजित

नवीन मेल संवाददाता। बालूमाथ

प्रखंड मुख्यालय स्थित चेक नाका के समीप राजद जिला कोषाध्यक्ष सुरेश राम के आवास परिसर में राजद प्रखंड अध्यक्ष प्रीतलाल यादव के अध्यक्षता में राजद कार्यकताओं का एक अहम बैठक हुई । बैठक में मुख्य रूप से आगामी 12 फरवरी को रांची स्थित क्लिवर क्लब मैदान में बिहार के उपमुख्यमंत्री सह राजद नेता तेजस्वी यादव जी के आगमन को लेकर विशेष रूप से चर्चा हुई। जिसमें जिला कोषाध्यक्ष सुरेश राम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी 12 फरवरी को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर आदरणीय उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव जी के स्वागत करने एवं उनके अभिभाषण सुनने की बात कही गई। मौके पर उपस्थित राजद के सैकडों महिला-पुरुष राजद कार्यकर्ता ने अधिक से अधिक संख्या में रांची पहुंचने का निर्णय लिया। इस दौरान उपरोक्त लोगों के अलावे युवा प्रखंड अध्यक्ष दीपक यादव जिला उपाध्यक्ष व्यास यादव जिला सचिव वीरेंद्र यादव,मनोज यादव,दसरथ यादव,बालेस्वर यादव,सरयू यादव,राजेन्द्र सिंह,फूलदेव राम,कुलदीप राम लालदेव राम,संगीत देवी,शोभा देवी,कान्ति उरांव, मो जसीम ,ज्योति सिंह सहित सैकड़ों महिला पुरुष राजद कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वन श्रमिकों ने सेवा नियमित करने की मांग को लेकर विधायक को मांग पत्र सौंपा

नवीन मेल संवाददाता। बरवाडीह

व्याघ्र परियोजना मेदनी नगर सभी वन क्षेत्र अंतर्गत 10 वर्षों की सेवा पूरी करने वाले वन श्रमिकों ने सेवा नियमित करनेकी मांग को लेकर महामंत्री मोमिन अंसारी के नेतृत्व मे मनिका विधानसभा क्षेत्र केस्थानीय विधायक रामचंद्र सिंह के मंगरा स्थित आवास पहुंचकरमांग पत्र सौंपा। विधायक रामचंद्र सिंह ने प्रतिनिधि मंडल को उनकी मांगों को संबंधित मंत्रालय एवम प्रदेश के मुख्यमंत्री तक रखते हुई जल्द पूरी करने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मंडल ने अपने मांग पत्र में कहा कि संघ के माध्यम से10 वर्ष सेवा पूरी करने लगे वाले सभी दैनिक वेतन भोगी कर्मी अपनी सेवा नियमित करने को लेकर माननीय। न्यायालय के शरण में गए थे, जिसमे सेवानियमित नियमावली 2015 के आलोक में माननीय झारखंड उच्च न्यायालय रांची ने यूनियन के याचिका संख्या 24/4/2010 दिनांक 18/10/2016 आदेश पारित कर 10 वर्ष सेवा पूरी करने वाले सभी कर्मियो को सेवा नियमित करने का आदेश दिया था.लेकिन उक्त आदेश के विरुद्ध प्रधान मुख्य वन संरक्षक बनाम झारखंड वन श्रमिक यूनियन के नाम से माननीय झारखंड उच्च न्यायालय में एलपीए संख्या 305/2017 दायर कर आदेश को चुनौती दिया था। जिसे दिनांक 12 .01. 2023 को माननीय उच्च न्यायालय द्वारा खारिज कर दिया है। जिससे वन श्रमिकों को नियमितीकरण का अवरोधक रास्ता साफ हो गया है। ऐसे में 10 वर्ष सेवा पूरी करने वाले सभी दैनिक वेतन वन कर्मियों को नियमित करने हेतु विधायक से अनुरोध करते हुए इस पर आवश्यक पहल करने की मांग किया गया है।

दिशा-निर्देश मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आगमन को लेकर झामुमो ने की तैयारी बैठक

लातेहार में ऐतिहासिक होगी खतियानी जोहार यात्रा

नवीन मेल संवाददाता। चंदवा

आगामी 14 फरवरी को लातेहार खेल स्टेडियम में आयोजित खतियानी जोहार यात्रा की तैयारी पूरे जिले में जोर शोर से चल रही है। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत पार्टी के कई बड़े नेता शामिल होंगे।यात्रा को सफल बनाने के लिए पार्टी के नेता और कार्यकर्ता पूरी तन्मयता से मेहनत कर रहे हैं प्रचार प्रसार के साथ साथ गांव टोलो का दौरा किया जा रहा है। इसी क्रम में तैयारी का जायजा लेने गुरुवार को झामुमो जिला अध्यक्ष मोती लाल नाथ शाहदेव चंदवा पहुंचे व होटल हाइवे हिल में नेताओं कार्यकर्ताओं संग बैठक की। शाहदेव ने तैयारी को लेकर कार्यकर्ताओं से जानकारी प्राप्त की साथ ही सभी को कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये। शाहदेव ने कहा कि लातेहार जिले में आयोजित खतियानी जोहार यात्रा ऐतिहासिक होगी यात्रा के प्रति कार्यकर्ताओं समेत ग्रामीणों में उत्सुकता देखी जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी के नेता और कार्यकर्ता घर घर जाकर यात्रा के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक करने के साथ साथ कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर आमंत्रित करें। झामुमो प्रखंड सचिव मो इजहार ने कहा कि चंदवा प्रखंड से लगभग छह हजार लोग कार्यक्रम में शामिल होंगे जिसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। यात्रा को सफल बनाने के लिए प्रखंड के नेता और कार्यकर्ता पूरी मेहनत कर रहे हैं।

मौके पर झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य इस्तियाक खान, प्रखंड बीस सुत्री उपाध्यक्ष मनोज चौधरी, झामुमो नेता मोहन गंझु, हरि कुमार भगत, सुमन सुनील सोरेंग, चंदवा पूर्वी मुखिया रंजीत उरांव, सोशल मीडिया प्रभारी सुभम गिरी, उमेश यादव, शिवनाथ यादव, बबलू राही, ब्रह्मदेव प्रजापति, रामपाल उरांव, डब्लू प्रजापति, सोनू लाल नाथ शाहदेव, छोटू कुमार कार्तिक मुंडा, रामधन गंझु समेत अन्य कई लोग मौजूद थे।

NEWS इन ब्रीफ

एसडीओ ने किया सेन्हा अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण

सेन्हा। सेन्हा अंचल कार्यालय का एसडीओ अरविंद कुमार लाल ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने सीओ विजय कुमार को निर्देश देते हुए कहा की अंचल में बनने वाले जाति, आय आवासीय प्रमाण पत्र को ससमय पूर्ण करके आवेदक को देने का निर्देश दिया। समय समय पर ऑनलाइन लगान जमा करने के लिए भूमि मालिक को जागरूक करें। मृतक परिवार के आश्रित प्रमाण पत्र देकर परिवारिक लाभ दिलाने का भी निर्देश दिया गया। इसके अलावा अंचल कार्य से संबधित आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। मौके पर एसडीओ अरविन्द कुमार लाल, सीओ विजय कुमार सीआई प्रकाश महतो तथा सभी राजस्व कर्मचारी उपस्थित थे।

मस्जिद-ए-शमद की छत की हुई ढलाई

कुडू-लोहरदगा। कुडू के अहद कॉलोनी स्थित नवनिर्मित मस्जिद-ए-शमद की पहली मंजिल की छत की ढलाई संपन्न हुई। ढलाई का आगाज के मौके पर सदर जिबरिल खॉलिफा, मौलाना अख्तर खान, जामा मस्जिद के इमाम मौलाना अब्दुल हसीब काशमी, हाफिज अब्दुल रशीद, मौलाना शौकत अली काशमी, जुनाब आलम, शाहे आलम राजा, आरजू खान, शाहरुख खान, मो. साजिद, बिट्टू खान मौजूद रहे। मौलाना शौकत अली काशमी ने कहा कि अल्लाह का घर है और अल्लाह का घर मस्जिद हमेशा बाकी रहेगा। मौके पर दुआ की गई जिसमे देश की खुशहाली, प्रगति और भाईचारगी की दुआ मांगी गई।

मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति ने नदी में कूदकर दी जान

सिमडेगा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत मणिराम टोली गांव में 45 वर्षीय व्यक्ति ने टीमकी घाट शंख नदी में कूदकर अपनी जान दे दी। व्यक्ति की पहचान गुलाब विलुंग के रूप में हुई। परिवार वालों ने बताया कि वह मानसिक रूप से बीमार था और इधर-उधर भटकता था इसी बीच शंख नदी पहुंचकर दिमागी हालत ठीक नहीं होने की वजह से नदी में कूद गया और नदी में चट्टान में गंभीर चोट लगने की वजह से उसकी मौत हो गयी। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद थाना प्रभारी देव कुमार दास दल बल के साथ पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सिमडेगा भेज दिया।

सभी जरुरतमंदों को सरकारी लाभ से जोड़ना है उद्देश्य : अजय एक्का

ठेठईटांगर। गुरुवार को कोनपाला पंचायत के कोंगसेरा में ग्रामीणों ने बैठक का आयोजन किया। बैठक में ग्रामीणों अपनी कई समस्याओं को जिप सदस्य अजय एक्का को अपनी समस्या सुनाई। जिसमें ग्रामीणों ने विशेष रूप से सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने की बात कही। जिससे कृषि के क्षेत्र में काम करते हुए अपने पारिवारिक आय को बढ़ा सकें। वहीं जिप सदस्य अजय एक्का ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि गांव के एक एक जरुरतमंद को सरकारी लाभ मिलना चाहिए हरेक आवश्यकता को विभाग के सामने और जिला परिषद में रखेंगे। साथ ही अजय एक्का ने कहा कि युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जुड़ना अवश्यक है। मौके पर जिप सदस्य प्रतिनिधि अमृत चिराग तिर्की, कोनपाला मुखिया फ्रांसिसका लकड़ा, संतोष लकड़ा, दानशील एक्का, सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

हाथी का उत्पातः कोई कुचलने से मरा, तो किसी ने कुएं में कूदकर बचाई अपनी जान

नवीन मेल संवाददाता। जलडेगा थाना क्षेत्र के परबा पुटकलटोली, कुजूर टोली, लेडीबांधा, सिहरमुण्डा और भालूघुटखुरा में बुधवार रात एक जंगली हाथी ने जमकर उत्पाद मचाया है। किसी की जान चली गई तो कोई कुंए में कुदकर अपनी जान बचाया। ग्रामीण हाथी की डर से रातभर परेशान रहे तो वन विभाग के कर्मचारी चैन की निंद सोते रहे ग्रामीण फोन पर कहते रहे गांव में हाथी घुसा है, अभी यहां तोड़ा अभी उसके घर में घुसा, कभी विडीयो बनाकर दे रहे हैं तो कोई फोटो डाल रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से पल पल की जानकारी विभाग के कर्मियों तक पहुंचती रही लेकिन वन विभाग हिला तक नहीं। ग्रामीणों से 7:10 बजे गांव में हाथी घुसने की सुचना मिला एवं 7:40 बजे गांव के सलमोन बुढ़ के घर को तोड़ने का ग्रामीणों ने फोटो भेजा और अगले ही पल 7:53 बजे घर तोड़ने का फोटो के साथ खबर प्रकाशित किया गया कि हाथी ने सलमोन बुढ़ और पुनिया गंझू नामक एक व्यक्ति का घर तोड़ दिया है। इसके बाद तत्काल ग्रामीणों द्वारा हाथी खदेड़ने का विडियो वायरल किया गया। सोशल मीडिया में डालने से सभी जिम्मेदार अधिकारी, जनप्रतिनिधि और वन विभाग के कर्मियों को जानकारी तो हो गई लेकिन ग्रामीणों की परेशानी को किसी ने भी नहीं समझा।

कुंए व गड्ढा में कुद कर बचाई जान, गंवानी पड़ी दांत

बताते चलें कि देर रात ही जंगली हाथी ने डोंगादरहा, लेडीबांधा में पुष्पा देवी नामक 45 वर्षीय महिला को कुचलकर मार डाला, पड़ोसी के घर से आने के क्रम में पुष्पा हाथी के चपेट में आ गई और हाथी के कुचलने से मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सिहरमुण्डा में साहिल गंझू नामक एक युवक ने कुंए में कुदकर जान बचाया कहा कि हाथी भगाने के क्रम में हाथी मुझे ही दौड़ाने लगा सामने कुआं में कुदकर जान बचाया हूं, जान तो बच गई लेकिन कुआं में कुदने के कारण दो दांत टूटकर गिर गए। परबा पुटकल टोली में सलमोन बुढ, पुनिया गोंझू नामक युवक का घर तोड़ा एवं लगभग 5 किवंटल भंडारित अनाज खा गया। एतवारी बुढ का घर तोड़ा। इसी क्रम में पुनिया गंझू को भी हाथी दौड़ाया तो वो जान बचाने के लिए गड्ढा में कूद गया।

मौत के बाद अधिकारियों लगा का तांता

प्रातः घटना की जानकारी के बाद एक एक कर अधिकारी पहुंचे लगे। थाना प्रभारी हीरालाल महतो दल बल के साथ घटना स्थल पहुंचे और कानुनी प्रक्रिया करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल साहिल गंझू का प्राथमिक उपचार शुरू किया गया। विधायक नमन विक्सल कोनगाडी के निर्देश पर मृतक के परिजनों को एक हजार रुपये दिया गया। वन क्षेत्र पदाधिकारी राजेश्वर पासवान तत्काल राहत के तहत 10 हजार दिए? क्षतिपूर्ति का जायजा लिया। बीडीओ विजय राजेश बारला, सीओ डॉ खगेन महतो, मुखिया बिमला देवी ने भी मृतक परिवार का हाल जाना।

जलडेगा वन क्षेत्र में नियुक्ति और ड्यूटी कोलेबिरा में

रात्रि घटना के बाद से ग्रामीण वन विभाग के कर्मचारीयों से आक्रोशित नजर आए। ग्रामीणों का आरोप था वन कर्मी जंगली हाथियों को लेकर कोई स्थाई उपाय नहीं कर रहे है। ग्रामीण भरोसे खानापुर्ती की जा रही है। सरकार ग्रामीणों की सहायता के लिए वन कर्मियों की नियुक्ति तो की है लेकिन कर्मी कोलेबिरा में रह कर ड्यूटी कर रहे हैं। विभाग की उदासीन रवैए के कारण ग्रामीणों की जान जा रही है। ग्रामीणों ने कहा की उप परिसर पदाधिकारी के रुप में जलडेगा वन क्षेत्र की रखवाली के लिए नितीश कुमार, हेमन्त कुमार, प्रदीप कुल्लू और सत्येन्द्र बडाईक नियुक्ति की गई है लेकिन सभी लोग कोलेबिरा मुख्यालय में रहकर ड्यूटी करते हैं।

ग्रामीण विकास, पंचायती राज व सामाजिक सुरक्षा विभाग की डीसी ने की समीक्षा

मनरेगा के सभी कार्यों की प्रगति को बढ़ाएं

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा उपायुक्त आर. रॉनीटा की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास, पंचायती राज, एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में उपायुक्त ने विभाग द्वारा योजना से संबंधित संचालित कार्य प्रगति कि विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत मनरेगा, आंगनबाड़ी केन्द्र निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), एरिया ऑफिसर एप्प, पोटो हो खेल विकास योजना, आधार सीडिंग एवं अन्य बिन्दुओं से संबंधित समीक्षा की गई। इस दौरान उपायुक्त ने मनरेगा के तहत सभी कार्यों की समीक्षा कर कार्य प्रगति को बढ़ने की बात कहीं। उन्होंने सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों को मनरेगा अन्तर्गत क्रियान्वित सरकार की योजनाओं एवं कार्यों को ससमय पूर्ण कराने का निर्देश दिया। तथा मनरेगा के प्रगति हेतु योजना के तहत मानव दिवस सृजित कर रोजगार उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। आंगनबाड़ी केन्द्र के निर्माण कार्य से संबंधित भौतिक प्रगित की समीक्षा कर योजना को ससमय पूर्ण कराने की दिशा महत्वपूर्ण निर्देश दिये। साथ ही योजना का पूर्णतः के तहत राशि का भुगतान करने की बात कहीं। उन्होंने केरसेई प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को आंगनबाड़ी से संबंधित निर्माण कार्य को पंचायत सचिव से कार्य की मॉनिटरिंग कराते हुए एक सप्ताह के अंदर में पूर्ण कराने का निर्देश दिया। पोटो हो खेल विकास योजना की समीक्षा कर कार्य की शत प्रतिशत निष्पादन सुनिश्चित कराने की बात कहीं। उन्होंने जिले के 10 प्रखंड में से बांसजोर प्रखंड को छोड़ कर शेष 9 प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारियों को 20 फरवरी 2023 तक योजना के तहत बचें हुए कार्यों को ससमय पूर्ण कराने की बात कहीं। आधार सीडिंग से संबंधित कार्य को ससमय पूर्ण कराने की दिशा में पंचायत एवं गांव स्तर पर कैंप आयोजन कराने के निर्देश दिये।

उपायुक्त ने सावित्रीबाई फूले किशोरी समृद्धि योजना की समीक्षा कर प्राप्त लक्ष्य के प्रति छूटे हुए लाभुक का चयन कर योजना से अच्छादित करने की बात कहीं। उन्होंने निर्धारित लक्ष्य के तहत शत प्रतिशत योग्य लाभुकों को लाभान्वित करने हेतु प्रचार-प्रसार कराने का निर्देश दिया।सामाजिक सुरक्षा विभाग की समीक्षा कर उपायुक्त ने सर्वजन पेंशन योजना (60+) का निर्धारित लक्ष्य के प्रति छुटे योग्य लाभुकों का चयन कर शत प्रतिशत योजना से अच्छादित करने के निर्देश दिये। उपायुक्त ने पंचायती राज विभाग की समीक्षा कर आवश्यक महत्वपूर्ण निर्देश दिये। साथ ही विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं को धरातल पर सफल क्रियान्वित कराने दिशा में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त अरूण वाल्टर सांगा, पंचायती राज पदाधिकारी मो0 शहजाद परवेज, सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी सुश्री सुकरमनी लिण्डा, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, डीपीएम जेएसएलपीएस, एवं ग्रामीण विकास विभाग के कर्मीगण सहित अन्य उपस्थित थे।

सेन्हा में शिवरात्रि को लेकर शांति समिति की बैठक

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा प्रखंड के सेरेनगहातु पंचायत भवन में महापर्व शिवरात्रि को लेकर शांति समिति की बैठक किया गया। जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समिति के सदस्य तथा गांव के बुद्धिजीवी शामिल हुए। बैठक में पर्व को लेकर कई दिशा निर्देश दिया गया। आपसी सहयोग व भाईचारगी से त्योहार मनाने का निर्णय लिया गया। त्योहार के दौरान किसी भी अफवाहों पर ध्यान नहीं देने का हिदायत दी गई। यदि कोई भी अफवाह या सूचना मिलती है तो सबसे पहले पुलिस प्रशासन को सूचित करें। बैठक में बीडीओ अशोक चोपड़ा, सीओ बिजय कुमार, थाना प्रभारी धनन्जय पासवान, पुलिस निरीक्षक बनारसी प्रसाद अलावे ग्रामीण शामिल थे।

10 से 25 फरवरी तक कूडु व भंडारा में चलेगा फाइलेरिया उन्मूलन अभियान

लगातार 5 साल फाइलेरिया रोधी दवा खाएं, फिर नहीं होगी यह बीमारी : सीएस

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा जिले के कूडु और भंडारा प्रखंड में 10 फरवरी से 25 फरवरी तक विशेष फाइलेरिया उन्मूलन अभियान चलाया जाएगा। दरअसल पिछले दिनों जिले के विभिन्न प्रखंडों में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा नाइट ब्लड सैंपल लेकर जांच की गई थी। इस क्रम में अन्य प्रखंडों की अपेक्षा भंडरा और कुडू प्रखंड में औसतन एक परसेंट से ज्यादा फाइलेरिया संक्रमित मरीज मिले। इसको लेकर उपरोक्त प्रखंडों में अभियान चलाया जाएगा। उपरोक्त बातें सदर अस्पताल परिसर में सिविल सर्जन संजय कुमार सुबोध ने प्रेस वार्ता आयोजित कर कहा। सिविल सर्जन संजय कुमार सुबोध ने कहा कि इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। फाइलेरिया उन्मूलन अभियान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुडू व भंडरा प्रखंड क्षेत्र के 16 स्वास्थ्य केंद्रों पर 10 फरवरी को दवा खिलाकर किया जाएगा। अभियान में 2 प्रखंडों के लगभग 2097 86 व्यक्तियों को निःशुल्क फाइलेरिया की दवा दी जाएगी। इसके तहत 280 बूथ बनाए गए हैं। 560 मेंबर को लगाया गया है। लगातार लोगों को इस संदर्भ में जागरूक किया जा रहा है। सीएस ने कहा कि जागरुकता और जनभागीदारी से फाइलेरिया को पूरी तरह मिटाया जा सकता है। सीएस ने कहा कि सरकारी गैर सरकारी संस्थानों कार्यालय, जागरूक नागरिकों और ग्रामीणों से जागरूक होकर फाइलेरिया की दवा लेने की अपील स्वास्थ्य विभाग करता है। कहा उम्र के हिसाब से लोगों को दवा दी जाएगी। दवा देने के दौरान इसके एक्शन की मॉनिटरिंग के लिए रैपिड एक्शन टीम का गठन किया गया है। एक वर्ष छोटा शिशु, गर्भवती महिला, गंभीर रोग से पीड़ित व्यक्ति व खाली पेट दवा नहीं खिलानी है। कहा कि फाइलेरिया की दवा लगातार पांच 7 साल खाने वाले व्यक्ति को जीवन में फाइलेरिया नहीं होगी। फाइलेरिया का प्रारंभिक इलाज है पर हाथीपांव हो जाने के बाद यह लाइलाज हो जाता है। फाइलेरिया संक्रमण का फैलाव रोकने से बेहतर है लोग जागरूक होकर दवा खाएं। लोगों को डोर टू डोर स्वास्थ्य कर्मी निःशुल्क दवा उपलब्ध कराएंगे।

युवती की हत्या कर कुएं में फेंका शव, आरोपी गिरफ्तार

केरसई। थाना क्षेत्र अंतर्गत करईगुड़ा गांव की 22 वर्षीय युवती की पुलिस ने कुआं से शव बरामद किया है। युवती की पहचान रेखा मिंज के रूप में हुई। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिमडेगा भेजा जहां पर सदर अस्पताल की टीम द्वारा इस मामले की गंभीरता को देखते हुए राजधानी रांची रिम्स भेज दिया। जानकारी देते हुए थाना प्रभारी अंशु कुमार ने बताया कि रेखा मिंज पिछले 1 फरवरी से घर से लापता थी। जिसको लेकर परिवार वाले काफी खोजबीन किया और अंततः केरसई थाना में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया इधर पुलिस द्वारा मामला दर्ज करते हुए मामले में उसके प्रेमी रोहित लकड़ा को गिरफ्तार किया और गहनता से पूछताछ की तब उसके निशानदेही पर करईगुड़ा माइकल कुजूर के मिशन बागान वाली कुआं में युवती के शव को पुलिस ने बरामद किया।

राजकीय उत्क्रमित बुनियादी उच्च विद्यालय का औचक निरीक्षण

विद्यालय के सर्वांगीण विकास में करेंगे हरसंभव मदद : राधा तिर्की

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा प्रखंड मुख्यालय स्थित संचालित राजकीय उत्क्रमित बुनियादी उच्च विद्यालय सेन्हा का औचक निरीक्षण कर जीप सदस्य राधा तिर्की ने विद्यालय की समस्या से अवगत हुई। निरीक्षण के दौरान जीप सदस्य ने मध्याहन भोजन का जांच किया और कहा की मीनू के अनुसार बच्चो को भोजन दें। इसके अलावे विद्यालय प्रांगण में नया हैंडपंप हेतु खोदाई कर पेयजल मुहैया के दिशा में कार्य पर विद्यालय प्रबंधन समिती ने कहा की हैंडपंप की खोदाई का प्राक्कलन के अनुसार नही किया गया है। 300 फीट से अधिक खोदाई करना था। लेकिन 200 फीट ही खोदाई किया गया है और बगल का पुराना हैंडपंप का सारा समान खोल कर ले गया है। जिसपर राधा तिर्की ने कहा की विद्यालय की संपति को कैसे ले गया और खोदाई प्राक्लन से कम किया गया है। इस को जिला परिषद की बैठक में उप विकास आयुक्त के पास रख कर जांच कराया जाएगा। आश्वासन देते हुए विद्यालय प्रबंध समिति को अवगत कराया गया कि जर्जर भवन की समस्या को संज्ञान में रखते हुए विद्यालय के पुराने एल्वेस्टर भवन की मरमती एवं चार नया कमरा निर्माण की स्वकृति मिल गया है। जिसे गुणवत्ता पूर्ण कार्य कराने पर जोर दिया गया।

एकदिवसीय कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सिमडेगा। नेहरू युवा केंद्र द्वारा संत मेरिज इंटर कॉलेज सामटोली, सिमडेगा के सभागार में कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य फादर फ्रेडरिक कुजूर, प्राचार्य सत्यव्रत ठाकुर, जिला युवा अधिकारी रोशन कुमार, सत्यजीत कुमार, अनीश लावेलेकर द्वारा संयुक्त रूप से युवा सम्राट स्वामी विवेकानंद जी की तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात विभिन्न साधनसेवियों द्वारा युवाओं को वर्तमान परिस्थिति में कैरियर की तमाम सम्भावनाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम में प्राचार्य फ्रेडरिक कुजूर ने युवाओं को कैरियर का चुनाव करने के लिए सक्सेस मंत्र को बताया। उन्होंने युवाओं को किसी भी क्षेत्र में अपने कैरियर को सफल बनाने के लिए सही कदम उठाने की जानकारी दी। महात्मा गांधी नैशनल फेलो के अनीश लावेलेकर ने युवाओं को कैरियर का चुनाव करते वक़्त किन किन बिंदुओं का ध्यान रखना चाहिए की विस्तृत जानकारी दी।

बैठक

उपायुक्त ने कि पथ निर्माण से संबंधित बैठक

योजनाओं को जल्द से जल्द करें पूरा

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में पथ निर्माण से संबंधित बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में हुई। बैठक में ग्रामीण कार्य विशेष प्रमंडल के द्वारा संचालित योजना रोचो-महुआटोली पथ में पुल निर्माण, कुडू-चिताकोनी पथ में सफी नदी पर पुल निर्माण, हुसरू नदी पर पुल निर्माण, लावागाई - बाघा पथ में कोयल नदी पर पुल निर्माण समेत अन्य योजनाओं की समीक्षा की गई और योजना में प्रगति लाने के निदेश दिये गये। ग्रामीणों की ओर से ग्रामीण कार्य विभाग अंतर्गत पथों की खराब स्थिति व मरम्मति से संबंधित प्राप्त आवेदनों की समीक्षा उपायुक्त द्वारा की गई। बैठक में इसके अतिरिक्त पथ प्रमंडल, लोहरदगा द्वारा निमार्णाधीन पथों की समीक्षा की गई व जल्द पूर्ण करने के निदेश दिये गये। राष्ट्रीय उच्च पथ अभियंता को राष्ट्रीय उच्च पथों में पड़नेवाले विद्यालयों के समीप रंबल स्ट्रिप लगाये जाने का निदेश दिया गया। बैठक में कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विशेष प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल लोहरदगा, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद, ग्रामीण कार्य विभाग और राष्ट्रीय उच्च पथ के अभियंता उपस्थित थे।

बीएस कॉलेज में वार्षिक स्पोर्ट्स कार्यक्रम आज से शुरू, तैयारियां पूरी

रांची विवि के कुलपति होंगे मुख्य अतिथि, राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू विशिष्ट अतिथि होंगे

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा स्थानीय बलदेव साहू महाविद्यालय में 10 फरवरी से दो दिवसीय वार्षिक स्पोर्ट्स कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ शिवकुमार प्रसाद गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम में रांची विवि के कुलपति डॉ अजित कुमार सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हो रहे हैं। साथ ही झारखंड के राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू भी पहले दिन के कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम को लेकर कॉलेज के शैक्षणिक व अशैक्षणिक कर्मियों व छात्रों ने पूरी तैयारी की है। सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। डॉ गुप्ता ने बताया कि इस दो दिवसीय कार्यक्रम में एथलेटिक्स के लगभग 40 प्रतियोगिताएं होंगी, जिनमें लगभग 300 प्रतिभागी शामिल होंगे। 10 फरवरी को 10 बजे कार्यक्रम का उदघाटन होगा, जिसमें प्रतिभागी परेड करेंगे। उद्घाटन सत्र में अतिथियों व प्रतिभागियों के स्वागत में कॉलेज के छात्र सांकृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम का समापन 11 फरवरी को पुरस्कार वितरण व सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ होगा। इस कार्यक्रम की तैयारियां को अंतिम रूप देने के लिए कॉलेज में शैक्षणिक व अशैक्षणिक कर्मियों की एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में अतिथियों के स्वागत, कार्यक्रम के कुशल संचालन और अन्य विषयों पर तैयारियों का जायजा लिया गया। बैठक में कॉलेज के प्राचार्य समेत कॉलेज के सभी शैक्षणिक व अशैक्षणिक कर्मी शामिल रहे।

NEWS इन ब्रीफ

अहमदाबाद में शुरू हुई अर्बन-20 सिटी शेरपा बैठक आयोजित

नई दिल्ली। अहमदाबाद में अर्बन-20 सिटी शेरपा की दो दिवसीय बैठक गुरुवार को शुरू हुई। इस बैठक का उद्देश्य शहरों के बीच एकजुटता को बढ़ावा देना है, ताकि जी-20 के समग्र उद्देश्यों के साथ तालमेल को बैठाया जा सके। भारत की अध्यक्षता के तहत गुजरात में जी-20 का यह तीसरा कार्यक्रम है। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय और अहमदाबाद नगर निगम ने इस बैठक का आयोजन किया है।

अब एंटरटेनमेंट कंपनी वॉल्ट डिज्नी 7 हजार कर्मचारियों की करेगी छंटनी

नई दिल्ली। दुनियाभर में मंदी की आशंका के मद्देनजर टेक कंपनियों में छंटनी का दौर जारी है। सोशल मीडिया साइट फेसबुक, ट्विटर से लेकर गूगल तक ने मंदी का हवाला देकर कर्मचारियों को बाहर निकाला है। इसमें अब सैन फ्रांसिस्को की दिग्गज एंटरटेनमेंट कंपनी वॉल्ट डिज्नी ने अपने 7 हजार कर्मचारियों की छंटनी करने का ऐलान किया है। कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि वह 7 हजार कर्मचारियों की छंटनी कर रही है।

क्रिप्टो एसेट रेगुलेशन के लिए पूरी दुनिया में जल्द लागू होगा एक नियम

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने क्रिप्टो एसेट पर एक सटीक व्यवस्था बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ बातचीत की है। वित्त मंत्री ने क्व्त्र के प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉजीर्वा के साथ बातचीत में बहुपक्षीय फंडिंग एजेंसी से क्रिप्टो संपत्तियों के लिए विश्व स्तर पर समन्वित दृष्टिकोण विकसित करने का आग्रह किया। सीतारमण ने वर्चुअल मीटिंग में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के एमडी के साथ बातचीत की है। इसमें उन्होंने आने वाले जी20 वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स की होने वाली बैठक पर चर्चा की है।

विशेषज्ञों और उद्योग जगत ने आरबीआई से जताई उम्मीद

थम जाएगा रेपो रेट में बढ़ोत्तरी का सिलसिला

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक ने विगत बुधवार को मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में रेपो रेट दर को 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर 6.50 प्रतिशत कर दिया है। इस खबर के आने के बाद से हर व्यक्ति को ईएमआई के बढ़ने की चिंता सताने लगी है। इस मामले पर उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने अलग-अलग बातें कही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई की ओर से पिछले साल 2022 मई से रेपो दर में वृद्धि का चक्र शुरू हुआ था, जो अब थम जाएगा। यह लगातार छठी बार इजाफा हुआ है। केंद्रीय बैंक ने मई से अब तक रेपो दर में लगभग 2.50 प्रतिशत की वृद्धि की है। केंद्र सरकार ने यह कदम वैश्विक दबाव के बीच बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए उठाया है। आरबीआई की तरफ से पिछले

साल 2022 दिसंबर में रेपो दर में 0.35 प्रतिशत, मई में 0.40 प्रतिशत और जून, अगस्त व सितंबर महीने में 0.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की थी। उद्योग मंडल एसोचैम के महासचिव दीपक सूद का कहना है कि, इसमें कोई शक नहीं है कि आज चुनौतीपूर्ण वैश्विक वातावरण के बीच आरबीआई ने देश में महंगाई कम करने के लिए यह फैसला किया है,जोकि आबीआई की प्राथमिकता भी है। केंद्रीय बैंक ने बहुत प्रशंसनीय काम करते हुए महंगाई को काबू में रखा है। उन्होंने कहा कि, हमारा मानना है कि मौजूदा चक्र में यह ब्याज दरों में आखिरी वृद्धि है। सुभ्रकांत पांडा, अध्यक्ष, फिक्की का कहना है कि, रिजर्व बैंक द्वारा पॉलिसी

आरबीआई ने देश में महंगाई कम करने के लिए यह फैसला किया है

अगले साल 6 प्रतिशत से नीचे रहेगी रेपो रेट

रेपो दर में 25 बीपीएस की बढ़ोतरी उम्मीदों के अनुरूप है। लेकिन अगले साल 2024 में यह 6 प्रतिशत से नीचे रहने की उम्मीद है और कुछ हद तक राहत मिलेगी। केन्द्रीय बैंक से उम्मीद है कि वह अपनी पूरी क्षमता हासिल करने वाली अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करते हुए सतर्क रहेगा।

बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने आरबीआई की नीतिगत समीक्षा पर कहा है कि फिलहाल यह लगता है कि अभी महंगाई के ऊपर जाने का जोखिम हो सकता है, इसलिए ब्याज दरें बढ़ाई गई हैं। चालू वर्ष में दरों में कटौती की अधिक संभावना नहीं दिखती है। एंड्रोमेडा सेल्स और अपनापैसाडॉटकॉम के कार्यकारी चेयरमैन वी स्वामीनाथन का कहना है कि, आज रेपो दर में वृद्धि 0.25 प्रतिशत है, जिससे ईएमआई लगभग 2-4 प्रतिशत तक महंगी हो जाएगी। कर्जदारों को अपना लोन चुकाने के लिए या तो हर किस्त में अतिरिक्त पैसा देना होगा या कर्ज का समय बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि, मई, 2022 के बाद से रेपो दर में 2. 5 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है। इसके बाद अब फ्ङ्क की मौद्रिक नीति समिति की अगली बैठक का आयोजन 3 से 6 अप्रैल, 2023 के बीच होगा।

भारतीय कंपनियां कर सकती हैं 1,700 विमानों का ऑर्डर: रिपोर्ट

एजेंसी। मुंबई

भारतीय विमानन कंपनियां अगले एक-दो साल में 1,500 से 1,700 विमानों का ऑर्डर दे सकती हैं जबकि एयर इंडिया के 500 विमानों का ऑर्डर देने की संभावना है। विमानन सलाहकार फर्म सीएपीए ने बुधवार को यह संभावना जताई। सीएपीए ने कहा कि भारतीय एयरलाइंस के बेड़े में कुल लगभग 700 वाणिज्यिक विमान हैं जो दुनिया की कुछ बड़ी विमानन कंपनियों से भी कम है। भारतीय विमानन बाजार की विशाल क्षमता को देखते हुए अधिक विमानों को शामिल करने की गुंजाइश है। सीएपीए ने एक रिपोर्ट में कहा कि कोरोना काल के बाद भारतीय बाजार सबसे आकर्षक विमानन बाजार के तौर पर पूरी दुनिया को आकर्षित कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, अगले दो सालों में भारत में लगभग सभी कंपनियों की तरफ से ज्यादा विमानों की खरीद का ऑर्डर दिए जाने की

उम्मीद है। इनमें समूचे बेड़े को बदलना के साथ विस्तार भी वजह हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, ह्लसीएपीए इंडिया के अगले दशक और उसके आगे के पूर्वानुमानों के आधार पर हम उम्मीद करते हैं कि भारतीय विमानन कंपनियां अगले 12-24 महीनों में 1,500-1,700 विमानों का ऑर्डर देंगी। सीएपीए ने कहा कि इस दिशा में पहला कदम एयर इंडिया उठा सकती है जिसके तहत वह लगभग 500 विमानों की खरीद का ऑर्डर देने वाली है। उसने कहा कि भारत को अपनी विमानन क्षमता पर खरा उतरने में संघर्ष करना पड़ा है। हालांकि भारत 21वीं सदी के वैश्विक विमानन बाजार के तौर पर अपना स्थान हासिल कर सकता है।

अब एटीएम मशीन से निकलेंगे सिक्के देश के 12 शहरों में होगी शुरूआत

एजेंसी। नई दिल्ली

आप एटीएम मशीन पर पैसे निकालने जाते हैं, तो एटीएम कार्ड डालकर खरे नोट बाहर निकलते हैं। मगर अब एटीएम से सिर्फ करेंसी नोट ही नहीं, बल्कि सिक्के भी बाहर निकलेंगे। बुधवार को तीन दिवसीय आरबीआई एमपीसी की बैठक के बाद गवर्नर शक्तिकांत दास ने लगातार छठी बार रेपो रेट में इजाफे की घोषणा करने के साथ ही क्यूआर आधारित वेंडिंग मशीन का पायलेट प्रोजेक्ट लॉन्च करने का भी ऐलान किया। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया कि केंद्रीय बैंक क्यूआर आधारित वेंडिंग मशीन का पायलेट प्रोजेक्ट लॉन्च करने जा रही है। इसका उद्देश्य सिक्कों की उपलब्धता को बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि रिजर्व बैंक शुरूआती

चरण में इसे देश के 12 शहरों में शुरू करने जा रहा है। इन क्यूआर कोड बेस्ड वेंडिंग मशीनों का इस्तेमाल यूपीआई के जरिए किया जाएगा और इनसे नोट की जगह सिक्के बाहर निकलेंगे। हालांकि, इस पायलट प्रोजेक्ट के लिए किन 12 शहरों को चुना गया है इसका खुलासा नहीं किया गया है। इन क्वाइन वेंडिंग मशीन से कोई भी ग्राहक अपने यूपीआई ऐप के जरिए मशीन के ऊपर लगे क्यूआर कोड स्कैन (दफउङ्कीं रूंल्ल) करके सिक्के निकालने में सक्षम होगा। जितनी कीमत के सिक्के ग्राहक निकालेगा, उसके रजिस्टर्ड बैंक अकाउंट से वो राशि डेबिट हो जाएगी। बिल्कुल आसान प्रोसेस से जिस तरह आप एटीएम पर जाकर अपने डिबाईट कार्ड के जरिए नोट निकालते हैं, वैसे ही इस मशीन से आप क्यूआर कोड स्कैन कर सिक्के निकाल सकेंगे।

फिनटेक फर्म एफर्म ने 19 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की

नई दिल्ली। यूएस-आधारित वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी एफर्म ने अपने 19 प्रतिशत कर्मचारियों को निकाल दिया है। कंपनी ने अपनी दूसरी तिमाही की अर्निंग रिपोर्ट में यह घोषणा की। संस्थापक और सीईओ मैक्स लेवचिन ने एक संदेश में लिखा, ङ्घहम अपनी टीम का आकार 19 फीसदी कम कर रहे हैं। एफर्म की स्थापना के बाद से मुझे यह सबसे कठिन निर्णय लेना पड़ा, लेकिन मेरा मानना है कि यह सही है। मैं इसकी और उन कार्रवाइयों की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं जिन्होंने हमें इस मुकाम तक पहुंचाया। लेवचिन ने आगे कहा कि महामारी के शुरूआती दौर में, कंपनी ने 'जानबूझकर टीम के आकार का समर्थन करने के लिए आवश्यक राजस्व से आगे काम पर रखा। इसके अलावा, फिनटेक फर्म ने यह भी उल्लेख किया है कि कंपनी एफर्म क्रिप्टो जैसी कई पहलों को समाप्त कर देगी।

अंबानी की लंबी छलांग के बाद फिर टॉप-10 अमीरों में हुई जोरदार वापसी

एजेंसी। नई दिल्ली

दुनिया के शीर्ष अरबपतियों की लिस्ट में कुछ दिनों से भारी उथल-पुथल देखने को मिल रही है। खासतौर से इसमें शामिल भारतीय उद्योगपतियों **गौतम अडानी और मुकेश अंबानी** की संपत्ति अडाणी ग्रुप को लेकर अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद से जहां अडानी अमीरों की लिस्ट में चौथे पायदान पर काबिज नहीं रह पाए, तो वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन अंबानी भी काफी नीचे पहुंच गए थे। अब एक बार फिर मुकेश अंबानी ने लंबी छलांग लगाई है और टॉप-10 की लिस्ट में एंट्री कर ली है। फोरबेस रियल टाइम बिलियन एरिस इंडेक्स के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और एशिया के सबसे अमीर इंसान मुकेश अंबानी के नेटवर्थ में बीते 24 घंटे में एक अरब डॉलर से ज्यादा का उछाल आया है और इसके साथ ही उन्होंने एक बार फिर से अरबपतियों की टॉप-10 लिस्ट में वापसी कर ली है। 1.7 अरब डॉलर (करीब 14,043 करोड़ रुपये) की बढ़ोतरी के साथ अंबानी की नेटवर्थ 83.1 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। इतनी संपत्ति के साथ वे लिस्ट में दसवें पायदान पर पहुंच गए हैं। बीते कुछ दिनों से जहां एक ओर अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की संपत्ति में जबरदस्त गिरावट देखने को मिल रही थी, तो मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में भी कमी आई थी। इसके बाद वे टॉप-10 अमीरों की लिस्ट से बाहर निकल गए थे और 12वें नंबर पर खिसक गए थे। इस बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में तेजी के चलते उनकी संपत्ति में भी उछाल आया है। गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरूआत के साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर हरे निशान पर खुले और खबर लिखे जाने तक तेजी के साथ 2,352.95 रुपये के लेवल पर ट्रेड कर रहे थे। शुरूआती कारोबार के दौरान कंपनी के स्टॉक 2,368.30 रुपये तक चढ़ गए थे। वर बेस्ड रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग के भंवर में फंसे अरबपति गौतम अडानी की बात करें तो बीते 24 जनवरी को पब्लिश हुई अडानी ग्रुप पर सवाल खड़े करनी वाली रिपोर्ट के विपरीत असर के चलते उन्हें तगड़ा नुकसान हुआ है। साल की शुरूआत में टॉप-10 अरबपतियों की लिस्ट में चौथे पायदान पर अपना दबदबा कायम रखने वाले अडानी कुछ ही दिनों में 22वें पायदान पर पहुंच गए थे। बिलियन लिस्ट में पहले नंबर पर फ्रांस के अरबपति **बर्नार्ड अर्नाल्ट** 210.5 अरब डॉलर नेटवर्थ के साथ अपना कब्जा जमाए हुए हैं। वहीं **एलन मस्क** 191.4 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के दूसरे सबसे अमीर इंसान बने हुए हैं। लिस्ट में तीसरे पायदान पर 123.2 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ अमेजन के जेफ बेजोस हैं, तो वहीं 111.3 अरब डॉलर के साथ **लैरी एलिसन** चौथे सबसे अमीर व्यक्ति हैं। दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे 107.4 अरब डॉलर की कुल संपत्ति लेकर पांचवें नंबर पर हैं। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर **बिल गेट्स** की नेटवर्थ 105.9 अरब डॉलर है और इतनी संपत्ति के साथ वे दुनिया के छठे सबसे रईस हैं। लिस्ट में अन्य अमीरों की बात करें तो **कार्लोस स्लिम हेलू** 87.7 अरब डॉलर के साथ सातवें और **लैरी पेज** 86.1 अरब डॉलर नेटवर्थ के साथ आठवें पायदान पर काबिज हैं। **स्टीव बाल्मर** 85.3 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ टॉप-10 अरबपतियों की लिस्ट में नौंवे नंबर पर हैं। गौतम अडानी और फेसबुक के **मार्क जुकरबर्ग** के बीच दौलत की रेस में कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। भारतीय उद्योगपति अब जुकरबर्ग के करीब पहुंच चुके हैं। जहां अडानी की 60.6 अरब डॉलर नेटवर्थ के साथ 17वें नंबर पर हैं तो वहीं मार्क जुकरबर्ग की कुल संपत्ति 65.8 अरब डॉलर है और वे अरबपतियों की लिस्ट में 16वें पायदान पर हैं। यानी दोनों अमीरों के बीच महज एक पायदान का अंतर है।

नोकिया ने भारत में फाइबर ब्रॉडबैंड निर्माण को बढ़ावा दिया

एजेंसी। नई दिल्ली

नोकिया ने गुरुवार को घोषणा की है कि वह चेन्नई के पास श्रीपेरंबुदूर में अपनी फैक्ट्री में फाइबर ब्रॉडबैंड उपकरणों के निर्माण का विस्तार करेगी क्योंकि देश 5जी युग में प्रवेश कर रहा है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि भारत और दुनिया भर में ग्राहकों की बढ़ती मांग के बीच जीपीओएन ऑप्टिकल लाइन टर्मिनल (ओएलटी) का निर्माण नोकिया की चेन्नई फैक्ट्री में किया जाएगा। नोकिया वर्तमान में सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना में भागीदार है और बढ़ती मांग के जवाब में चेन्नई में अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ा रही है। नोकिया में फिक्स्ड नेटवर्क्स के अध्यक्ष सैंडी मोटले ने कहा, 5जी नेटवर्क और नए हाइब्रिड उपयोग मॉडल की गति के रूप में ऑपरेटरों को तेजी से वितरित नेटवर्क आर्किटेक्चर की ओर धकेलते हैं, सेवा प्रदाता अपने मौजूदा नेटवर्क को बनाने और अपग्रेड करने के लिए फाइबर में निवेश कर रहे हैं। नोकिया विश्व स्तर पर एफटीटी गुणा समाधानों में अग्रणी है और अगली पीढ़ी के पीओएन समाधानों को पेश करने के लिए तेजी से नवाचार कर रहा है। जापान, भारत और दक्षिण पूर्व एशिया जैसे बाजारों में मजबूत मांग को देखते हुए फाइबर की मांग एशिया-प्रशांत क्षेत्र के साथ नए क्षेत्रों में भी स्थानांतरित हो रही है। इस मांग में से अधिकांश को फाइबर टू द होम (एफटीटीएच) के रूप में देखा जाएगा, लेकिन मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटरों (एमएनओ) की ओर से भी महत्वपूर्ण मांग है क्योंकि वे 5जी लॉन्च कर रहे हैं और अपेक्षित वृद्धि को पूरा करने के लिए अपने परिवहन नेटवर्क में अगली पीढ़ी के डेटा ट्रैफिक में फाइबर की आवश्यकता होती है।

सरकार की टोल से हुई खूब कमाई कलेक्शन 34,742 करोड़ रुपये पहुंचा

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजमार्गों पर पिछले कुछ सालों से यूजर्स टोल कलेक्शन में बड़ी बढ़ोतरी देखी गई है। 2019–20 में टोल प्लाजा से 28,482 करोड़ रुपये वसूले गए थे, जबकि 2021-22 में यह बढ़कर 34,742 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वहीं 2020-21 के दौरान 28,681 करोड़ रुपये का टोल वसूला गया है। बुधवार को सदन में जानकारी दी गई है जानकारी के मुताबिक, 31 दिसंबर 2022 तक राष्ट्रीय राजमार्गों पर यूजर्स टोल प्लाजा की कुल संख्या 847 है और नेशलन हाईवे अथोरिटी ऑफ इंडिया की ओर से जारी जारी किए गए फास्टैग की कुल संख्या 6.133 करोड़ है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक लिखित उत्तर में राज्यसभा को बताया कि फास्टैग

सिस्टम के लागू होने से शुल्क प्लाजा पर यातायात की भीड़ काफी कम हो गई है। इसके अलावा नेशनल हाईवेज पर किसी भी भीड़ को कम करने के लिए नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम, वीडियो आधारित मल्टीलेन फ्री फ्लो सिस्टम लगाए गए हैं। ये सिस्टम वाहनों के भीड़ को कम करने और जाम जैसी समस्या को दूर कर रहे हैं। इसके अलावा भी ठलअक तकनीकों की मदद से ट्रैफिक को कम करने पर फोकस कर रहा है। नेशनल हाईवेज टोल की वसूली और टैक्स नियमावली 2008 के तहत की जा रही है। इस नियमावली के तहत यूजर्स को टोल देना अनिवार्य है। सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजनाओं के मामले में रियायत अवधि के पूरा होने के बाद, केंद्र सरकार की ओर से 40 प्रतिशत की कम दरों पर यूजर्स टोल वसूल किया जाएगा।

सुनवाई | अडाणी समूह और हिंडनबर्ग मामले की जांच की मांग

याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

एजेंसी। नई दिल्ली

अडाणी समूह पर हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट का मामला अब देश के सर्वोच्च न्यायालय के चौखट पर जा पहुंचा है। सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार 10 फरवरी 2023 को कोर्ट में दाखिल गए एक याचिका पर सुनवाई करेगा। इस याचिका में अडानी समूह पर हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों की जांच एक कमिटी बनाकर कोर्ट के रिटॉयर्ड जज के निगरानी कराये जाने की मांग की गई है। एडवोकेट विशाल तिवारी ने मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने ये याचिका लगाते हुए जल्द से जल्द इसपर सुनवाई की मांग की है। याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि एक अलग से भी इस मामले में याचिका दायर की गई है जिस पर 10 फरवरी को सुनवाई

होने वाली है। उन्होंने बेंच से कहा कि उसकी याचिका के साथ उनकी भी दलील को सुना जाए। विशाल तिवारी ने मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस पी एल नरसिम्हा और जस्टिस जे बी पारदीवाला वाले इस बेंच के सामने ने जो जनहित याचिका दायर की है उसमें अडानी समूह पर हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों की जांच के अलावा बड़े कॉरपरेट्स को 500 करोड़ रुपये से ज्यादा दिए गए कर्ज की पॉलिसी की समीक्षा को लेकर स्पेशल कमिटी भी बनाये जाने की मांग की है। पिछले हफ्ते एडवोकेट एम एल शर्मा ने हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों पर शार्ट सेलर नाथन एंडरसन और भारत में उसके सहयोगियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए याचिका लगाई थी। उन्होंने अपनी याचिका में देश के निवेशकों को लूटने और आर्टिफियल तरीके से अडाणी समूह के शेयरों को गिराने का आरोप लगाया था। 24 जनवरी 2023 को हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी समूह पर कई तरह के आरोप लगाये जिसमें गलत तरीके से स्टॉक को भगाने का आरोप शामिल था। हालांकि अडाणी समूह ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। हिंडनबर्ग के इस आरोपों के बाद अडानी समूह के शेयरों में 65 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है। इधर इस मुद्दे पर राजनीतिक घमासान भी मचा हुआ है। कांग्रेस के अलावा तमाम विपक्षी इस मामले की जांच संसद की संयुक्त समिति यानि जेपीसी से कराये से मांग कर रहे हैं।

वैश्विक बाजार में सोना-चांदी की चमक बढ़ी मगर देश में घटे दाम

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों में सोने-चांदी के भाव में बढ़त के बाद कल इसके भाव में कमी देखी गई थी। गुरुवार की बात करें तो आज भी वायदा बाजार में सोने और चांदी दोनों लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं। इस गिरावट के बाद भी 24 कैरेट सोना आज भी 57,000 प्रति 10 ग्राम से ऊपर कारोबार कर रहा है। मार्केट खुलने के साथ ही सोना 57,220 रुपये पर खुला था। इसके बाद इसके भाव में कमी देखी गई और सुबह 10:30 बजे तक यह 57,170 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। कल गोल्ड 57,215 पर बंद हुआ था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसी) में आज चांदी की बात की जाए तो इसके भाव में भी आज हल्की नरमी देखी जा रही है। आज चांदी 67,619 रुपये प्रति किलोग्राम के साथ खुला था। सुबह 10:30 बजे तक चांदी 57,170 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा है।

अल्फाबेट के शेयरों में गिरावट अब 99.05 प्रति डॉलर पर पहुंचा

एजेंसी। नई दिल्ली

इंटरनेट सर्च फर्म गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट इंक को बड़ा झटका लगा है। कंपनी के शेयरों का मार्केट वैल्यू एक ही झटके में 100 अरब डॉलर कम हो गया। गूगल के पैरेंट कंपनी अल्फाबेट के शेयर 8 प्रतिशत या 8.59 डॉलर प्रति शेयर गिरकर 99.05 डॉलर पर पहुंच गए। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, इससे पहले इसके शेयरों में 8.9 फीसदी की गिरावट 26 अक्टूबर को आई थी। अल्फाबेट कंपनी का मार्केट कैप एक दिन में 100 अरब डॉलर कम हो चुका है और अब यह 1.278 ट्रिलियन डॉलर है। हाल ही में भारत के अरबपति गौतम अडानी के ग्रुप पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद 10 दिनों में मार्केट कैप 100 अरब डॉलर कम

हुआ था। कुछ समय पहले माइक्रोसॉफ्ट ने चैट जीपीटी एक चैटबॉट पेश किया था। इसे सर्च इंजन की नई तकनीक माना जा रहा है। ऐसे में गूगल की पैरेंट कंपनी ने चैट जीपीटी के जवाब में चैटबॉट बर्ड पेश किया है। कंपनी ने इसके प्रमोशन के लिए ट्विटर पर एक शॉर्ट वीडियो पोस्ट किया, जिसमें बर्ड ने एक गलत जानकारी बता दी। गूगल के इस नई तकनीक से पूछा गया था कि जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने किस चीज की खोज की थी, जिसे नौ साल के लड़के को बताया जा सके। इसपर बार्ड ने बहुत सी जानकारी शेयर की, लेकिन उसने एक गलत जानकारी भी दी। उसने कहा कि इससे पहली बार पृथ्वी के सोलर सिस्टम के बाहर किसी ग्रह की तस्वीर ली गई थी, जबकि नासा की ओर से बताया गया कि इसकी खोज वेरी लार्ज टेलीस्कोप से की गई थी।

हाथी मेरे साथी...

आज से करीब दो दशक पूर्व एक फिल्म बनी थी। हाथी मेरे साथी। इस फिल्म में दिखाया गया था कि हाथी अपने मालिक के हर सुख दुख में साथ निभाता है। इस फिल्म के नायक राजेश खन्ना ने हाथी की मौत पर एक गाना गाया था। जब जानवर इंसान को मारे तो...इत्यादि। ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां हाथी इंसान के लिए मददगार साबित हुए हैं। सचमुच वन्य जीव हमारे सहचर रहे हैं। आज भी हैं। लेकिन एक बात शायद हम सब भूल रहे हैं कि हम अपने स्वार्थ में इनके घरों को तहस-नहस कर रहे हैं। यही कारण है कि ये आक्रामक हो रहे हैं। वैसे कोई भी जीव जंतु बेकार में हिंसक नहीं होता हैं। उनका स्वभाव है कि जब उन्हें इंसान से डर लगने लगता है तो वे आत्मरक्षा के लिए हमला करते हैं। दूसरी वजह भोजन का नहीं मिलना,उन्हें हिंसक बना देता है। पिछले दिनों अपने झुंड से बिछड़कर एक हाथी के कहर ने यह बतला दिया है कि इसके विचरण वाले रास्ते में व्यवधान डालना खतरनाक है। उसका उदाहरण हजारीबाग के कुम्हरटोली और खिरगांव काली मंदिर के समीप देखने को मिला। गुस्साये हाथी ने दो लोगों की जान ले ली। वहीं, एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। हाथियों के दल से बिछड़ कर एक अकेला हाथी खिरगांव के रास्ते शहर में प्रवेश किया और श्मशान काली मंदिर के समीप खेत में काम क रहे एक वृद्ध को उठा कर पटक दिया।

जंगलों से निकलकर गांव और शहरों में फसलों की बर्बादी और इंसान की जान लेना आम बात है। हाथियों के हमले में अभी तक सैकड़ो लोगों ने जान गंवाई है। गौरतलब बात यह कि भले ही जंगलों का दायरा बढ़ा है।

उसको मारने के बाद हाथी आगे बढ़ा और कुम्हार टोली विद्या मंदिर में घुसकर एक महिला की जान ले ली। घटना के बाद बवाल मचा है। वैसे हाथियों का आतंक झारखंड में कोई नई बात नहीं है। जंगलों से निकलकर गांव और शहरों में फसलों की बर्बादी और इंसान की जान लेना आम बात है। हाथियों के हमले में अभी तक सैकड़ो लोगों ने जान गंवाई है। गौरतलब बात यह कि भले ही जंगलों का दायरा बढ़ा है। लेकिन यह हाथियों के लिए अनुकूल नहीं है। इनके सामनों भोजन और पानी की समस्या भयावह हो गयी है। बांस और हरे पत्तों की कमी इन्हें ऐसा करने को बाध्य कर रहा है। दूसरी तरफ जंगल के साथ छेड़छाड़ प्रमुख कारण है। हाथी की प्रकृति होती है कि एक बार जहां यह भोजन करते हैं,वहां दोबारा जरूर आते हैं। वहां आने पर जब उन्हें अवरोध का सामना करना पड़ता है, तो उनका गुस्सा सांतवें आसमान पर होता है। मसलन जहां यह कुछ वर्ष पहले भोजन किये हैं,वहां मकान का बन जाना उन्हें असहज लगता है। वैसे आम तौर पर हाथी एक ही रास्ते से गुजरते हैं। लेकिन रास्ते में इंसानी बसावट तो कहीं खदानें तो कई एनएच निर्माण के कारण यह रास्ता भटक रहे हैं। दूसरी तरफ वन विभाग को जंगलों में इन्हें खाने की व्यवस्था करनी होगी। मसलन बांस और घास की व्यवस्था देनी होगी। तभी यह जंगल से बाहर नहीं निकलेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति और जनसंचार शिक्षा

डॉ. संजय द्विवेदी

जनसंचार हमारे समाज की एक ऐसी आवश्यकता है, जिस पर इसका विकास, प्रगति और गतिशीलता सर्वाधिक निर्भर करती है। एक विषय के तौर पर यह भले ही नया प्रतीत होता हो, लेकिन समाज के एक अभिन्न अंग के रूप में यह शताब्दियों से हमारे साथ विद्यमान रहा है और एक समाज के तौर पर हमें हमेशा मजबूती, गति व दिशा देता रहा है। फर्क यही आया है कि पहले जनसंचार एक नैसर्गिक प्रतिभा होता था, अब एक कौशल बन गया है, जिसे प्रशिक्षण से विकसित किया जा सकता है। पारिभाषिक रूप से जनसंचार वह प्रक्रिया है, जिसके अंतर्गत सूचनाओं को पाठ्य, श्रव्य या दृश्य रूप में बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचाया जाता है। आम तौर पर इस कार्य के लिए समाचार पत्र-पत्रिकाओं, टेलीविजन, रेडियो, सोशल नेटवर्किंग, न्यूज पोर्टल आदि विभिन्न माध्यमों का प्रयोग किया जाता है। पत्रकारिता, विज्ञापन, इवेंट मैनेजमेंट और जनसंपर्क, जनसंचार के कुछ लोकप्रिय स्वरूप हैं।

सदियों से अस्तित्व में है जनसंचार : अगर हम इतिहास की बात करें तो जनसंचार का सबसे प्राचीन उदाहरण तो हमारे धर्मग्रंथों में देवर्षि नारद द्वारा सूचनाओं के सम्प्रेषण और महाभारत में संजय द्वारा धृतराष्ट्र के लिए युद्ध के सीधे प्रसारण में ही देखने को मिल जाता है। यद्यपि आधुनिक युग के हिसाब से जनसंचार का विधिवत आगमन 15वीं सदी के अंत में माना जा सकता है, जब गुंटेनबर्ग ने प्रिंटिंग प्रेस का आविष्कार किया और शब्दों के लिखित रूप को जन-जन तक पहुंचाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके करीब एक शताब्दी बाद, वर्ष 1604 में जर्मनी में पहले मुद्रित समाचार पत्र 'रिलेशन एलर फर्नेममेन एंड गेडेनक्वुर्डिगेन हिस्टोरियन' से इसे एक संस्थागत स्वरूप मिला। इसके बाद वर्ष 1895 में माकोर्नी ने रेडियो की खोज कर शब्दों का श्रव्य रूप लोगों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त किया और वर्ष 1925 में जॉन लोगी बेयर्ड ने दुनिया को टेलीविजन के रूप में ऐसी सौगात दी, जिसने शब्दों और ध्वनियों के साथ-साथ दृश्यों को भी हम तक पहुंचाया। इंटरनेट ने संचार को दी नई ताकत : संचार की दुनिया में सबसे बड़ी क्रांति का सूत्रपात 1990 में 'वर्ल्ड वाइड वेब' यानि इंटरनेट की खोज से हुआ। यह एक ऐसी सुविधा थी, जिसने एक साधारण व्यक्ति को भी संचारक बनने का अवसर उपलब्ध कराया। बीते 23 सालों में इसमें बहुत बदलाव आए हैं और संचार पहले की तुलना में काफी सुगम, सुलभ, सस्ता और द्रुतगति वाला हो गया है। आज लाखों लोग, बहुत कम बजट में और बहुत कम वक्त में अपनी बात दुनिया के करोड़ों लोगों तक पहुंचाने में सक्षम हैं। अनुमान है कि ऐसे लोगों की संख्या चार खरब से भी ज्यादा है, जो इंटरनेट तक पहुंच रखते हैं। जनसंचार के इसी फैलते क्षेत्र और व्यापक प्रभाव ने इसे एक अकादमिक अध्ययन का विषय बनाया है और आज यह व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत पढ़े जाने वाले सर्वाधिक पसंदीदा विषयों में से एक है। आज दुनिया के लगभग सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में जनसंचार अथवा मास कम्युनिकेशन को स्नातक, स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम या स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाया जाता है और इनसे हर साल हजारों की संख्या में पत्रकार, जनसंपर्क एवं विज्ञापन विशेषज्ञ तथा संचारक प्रशिक्षित होते हैं और विभिन्न संस्थानों से जुड़कर अपनी कैरियर यात्रा आरंभ करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति और जनसंचार : शिक्षा के क्षेत्र में इक्विटी (भागीदारी), अफोर्डेबिलिटी (किफायत), क्वालिटी (गुणवत्ता), एक्सेस (सब तक पहुंच) और अकाउंटेबिलिटी (जवाबदेही) सुनिश्चित करने के लिए हमारे प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने वर्ष 2020 में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पेश की थी। शिक्षा को सुलभ, सरल और अधिक उपयोगी बनाने के उद्देश्य से इसमें कई नये प्रावधान सम्मिलित किये गये हैं। हालांकि इसमें स्पष्ट रूप से मीडिया व जनसंचार जैसे विषयों का उल्लेख नहीं किया गया है। लेकिन, सच तो यह है कि ऐसे बहुत सारे विषय हैं, जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मीडिया या कम्युनिकेशन पर निर्भर हैं। जनसंचार में प्रौद्योगिकी के प्रवेश ने इसके प्रभाव क्षेत्र को बहुत व्यापक और विस्तृत कर दिया है। लेकिन, जिस तरह से बीते दो दशकों में मीडिया के क्षेत्र में प्रशिक्षण संस्थानों की संख्या में जो कल्पनातीत वृद्धि हुई है, उसे देखते हुए यह बहुत आवश्यक हो गया है कि इसमें भी जवाबदेही और गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विचार किया जाय। मीडिया और जनसंचार लगभग सौ सालों से एक विषय के रूप में पढ़ाया जा रहा है। इन सौ सालों में समाज के स्वरूप, स्वभाव, अपेक्षाओं और आवश्यकताओं में बहुत बदलाव आया है। इस बदलती हुई दुनिया के अनुरूप पत्रकारिता के प्रशिक्षण में भी बदलाव आवश्यक हैं। **नया मीडिया : संभावनाएं और चुनौतियां :** 21वीं सदी में जिस मीडिया उदय हुआ है, वह प्रिंट, टीवी या रेडियो तक सीमित नहीं है। इंटरनेट की पहुंच और प्रभाव ने मीडिया को बहुत सारी नई चीजें दी हैं, जिनमें समृद्धि और सफलता के लिए बहुत सारी नई संभावनाएं उत्पन्न हुई हैं।

वर्ष 1925 में जॉन लोगी बेयर्ड ने दुनिया को टेलीविजन के रूप में ऐसी सौगात दी, इंटरनेट ने संचार को दी नई ताकत : संचार की दुनिया में बड़ी क्रांति का सूत्रपात 1990 में 'वर्ल्ड वाइड वेब' यानि इंटरनेट की खोज से हुआ।

इन दिनों

बोधि वृक्ष

आईए सुनें भगवान विश्वकर्मा की कथा

दूसरा अध्याय

यह संसार श्रई विश्वकर्मा भगवान की कृपा से ही सुखी है, क्योकिं उनके बताये ज्ञान से ही आवश्यक यानादि जगत बनाता है। तभी से श्री विश्वकर्मा जी का महारूप संसार में प्रसिद्ध हुआ है। परम्परा से आये हुए इस कथानक ने मेरे कानों को भी पवित्र किया है। हे ऋषियों, इस परम रहस्य को जो मनुष्य श्रवण करेंगे, उनकें लिए श्रवणमात्र से ही ज्ञान प्राप्ति हो जायेगी। यह महाज्योतिः रूप है जो संसार का उपकारक है, वह मनुष्य कृतघ्न और पापी है जो इस रूप का ध्यान नही करता है।

तीसरा अध्याय

हे महाराज, आपसे कहे हुए श्री विश्वकर्मा के चरित्र को श्रवण करते हुए हमारे चित्त की तृप्ति नहीं होती है, जैसे अमृत के पान करने से देवताओं की तृप्ति नहीं होती है। अब भी श्री विश्वकर्मा जी के सच्चरित्र के श्रवण की इच्छा अस प्रकार बढती जा रही है जैसे हवा से बार बार अग्नि बढती है। सूत जी कहने लगे - है मुनि श्रेष्ठों, एकाग्र मन से तुम जगत्पूज्य, सच्चिदानन्दस्वरू श्री विश्वकर्मा जी का दिव्य आख्यान सुनों। प्राचीन काल में एक प्रमंगद नाम का राजा हुआ, जो अपनी प्रजा को संतान से समान पालता था और सब धर्म के कामों में बिल्कुल प्रमाद नही किया करता था। वह अपनी प्रजा का स्नेह से शासन करता था और कभी भी दण्ड से प्रजा का दमन नही करता था। दरिद्रता से आकांत हुए मनुष्य मेरा शासन मानेंगे, यह उसकी नीति नहीं थी, अतएव वह राजा सदा प्रजा की वृद्धि के ल्ए यत्न करता था, उसका राज्य कृतघ्न और दुष्टों के अभाव के कारण सुखी था।

(क्रमशः)

निवारण, उपचार तथा पुर्नवास ड्रग के विरूद्ध त्रिस्तरीय उपागम

'भारत में नशीले पदार्थों के दुरुपयोग की प्रमात्रा' रिपोर्ट सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (एमओएसजेई) तथा राष्ट्रीय ड्रग निर्भरता उपचार केन्द्र (एनडीडीटीसी) द्वारा वर्ष 2019 में जारी की गई थी जिसमें भारत में नशीले पदार्थों के दुरुपयोग की बढ़ती अभिवृत्ति को दर्शाया गया था। अनेक ड्रग परिपाटी के भाग रहे हैं तथा ये आज भी देश के कुछ हिस्सों में बने हुए हैं। तथापि, ड्रग का दुरुपयोग परम्परागत उपयोग से परे पहुंच गया है तथा यह युवाओं के मध्य नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के एक मुद्दे के रूप में प्रकट हो रहा है। चिकित्सा शोध के अनुसार, यह स्वीकृत किया गया है कि ड्रग की लत अथवा नशीले पदार्थों के दुरुपयोग का विकार एक क्रोनिक व रिलेप्सिंग स्वास्थ्य संबंधी अवस्था है जो जेनेटिक, जैविक, परिवेश तथा जीवन शैली से संबंधित कारकों की वजह से होती है तथा इसका उपचार, परामर्श, जीवन शैली में बदलाव तथा दवाइयों से चिकित्सा उपचार करके किया जा सकता है। इसलिए किसी भी समाज में ड्रग संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए एक सूचना संपन्न व बहु-आयामी कार्यनीति अपनाने की जरूरत होती है जो समय के अनुसार ड्रग आपूर्ति का समाधान करती है और ड्रग की मांग में कटौती होती है। सरकार के नकोर्ड तंत्र ने बड़े पैमाने पर ड्रग के दुरुपयोग संबंधी समस्या का समाधान करने मदद की है। इसके दिशा तथा अभिसरण के परिणामस्वरूप सभी एजेंसियों एवं हितभागियों द्वारा एकीकृत कार्रवाई की गई है जो एकल प्लेटफार्म पर नशीले पदार्थों की दुरुपयोग की समस्या का समाधान कर रहे हैं। ड्रग के दुरूपयोग तथा अवैध तस्करी के विरूद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री ने ट्विट किया कि 'मैं,हमारे समाज से ड्रग के संकट का उन्मूलन करने के लिए जमीनी स्तर पर कार्यरत सभी की प्रशंसा करता हूं। जीवन को बचाने का प्रत्येक ऐसा प्रयास महत्वपूर्ण है। आखिरकार, ड्रग्स अपने साथ अंधकार, विनाश तथा विध्वंस ही लेकर आती है। ''सरकार के नकोर्ड तंत्र ने ड्रग के दुरूपयोग की समस्या का समाधान करने के लिए बड़े स्तर पर सहायता की है। इसके निर्देशन एवं अभिसरण के फलस्वरूप नशीले पदार्थों के दुरूपयोग के विरूद्ध संघर्ष कर रहे सभी एजेंसियों तथा हितभागियों द्वारा एकल प्लेटफार्म पर एकीकृत कार्य करना संभव हुआ है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के नशामुक्त भारत अभियान, एक समुदाय आधारित जन-आंदोलन अभियान, की शुरूआत 15 अगस्त, 2020 को देश के 272 सर्वाधिक असुरक्षित जिलों में नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध की गई थी। जन-आंदोलन के दूसरे कदम के रूप में वर्ष 2022 में अन्य 100 सर्वाधिक असुरक्षित जिलों को इस सूची में जोड़ा गया था। नशामुक्त भारत अभियान के जन्म के समय से परामर्श-संबंधी कार्यकलापों के माध्यम से बेहतरीन समुदाय संपर्क हेतु सक्रिय रूप से संकल्पना बनाने एवं कार्य करने वाले हितभागियों की सहायता से ड्रग की मांग में कटौती में बड़े परिवर्तन किये गये हैं। आज की तारीख तक 9.3 करोड़ से अधिक लोगों को नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के बारे में जागृत किया गया है जिनमें 3 करोड़ से अधिक युवा तथा 2 करोड़ से अधिक महिलाएं शामिल हैं। इस मिशन में 2.7 लाख से अधिक शैक्षिक संस्थाओं ने भाग लिया है। नशामुक्त भारत अभियान महिलाओं, बच्चों, शैक्षिक संस्थाओं तथा सिविल सोसायटी संगठनों की सहायता कर उन्हें इस कार्रवाई में आगे लाता है। इस अभियान में 8000 से अधिक मास्टर स्वयंसेवकों का मजबूत बल है जो नशीले पदार्थों के उपयोग के प्रतिकूल प्रभावों, सबसे दुरस्त क्षेत्रों में नशीले पदार्थों के साथ संघर्षरतलोगों के पुनर्वास तथा निवारण की प्रक्रिया का संदेश देने के लिए प्रशिक्षित तथा जानकार हैं। क्षेत्रीय भाषाओं में जनसामान्य से जुड़ने तथा सांस्कृतिक रूप से गहरा प्रभाव डालने और नशीले पदार्थों की मांग को अंतः प्रभावित करने के लिए कदम उठाने हेतु कई कार्यक्रम जैसे मैराथन, लोक संगीत, स्थानीय खेल-कूद कार्यक्रम, नाव अथवा साईकिल रैलियां तथा कई अन्य कार्यकलाप आयोजित किये जाते हैं। यह आश्रित लोगों तक पहुंचने तथा उनकी पहचान के लिए उच्च शैक्षिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों, परिसरों तथा स्कूलों के साथ भागीदारी करने को प्रतिबद्ध है; सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के साथ अस्पतालों तथा पुनर्वास केन्द्रों में परामर्श और उपचार सुविधाओं पर बल देते हुए यह अभियान ड्रग्स के उपयोग के बढ़ते ट्रेंड के लिए आरंभ से अंत तक एक संकल्प है।

डॉ. वीरेंद्र कुमार

सरकार के नकोर्ड तंत्र ने बड़े पैमाने पर ड्रग के दुरुपयोग संबंधी समस्या का समाधान करने मदद की है। इसके दिशा तथा अभिसरण के परिणामस्वरूप सभी एजेंसियों एवं हितभागियों द्वारा एकीकृत कार्रवाई की गई है।

राजनीति

फोटो की दुनिया

ट्वीट-ट्वीट

Saryu Roy
@roysaryu
.@HemantSorenJMM की सरकार में @BannaGupta76 के विभाग ने 2020 से अबतक टेन्डर दर से दो-तीन गुना अधिक दर पर अरबों रूपये की दवाएँ ख़रीदा है.गत 1 फ़रवरी को मैंने सबूत सहित कागज जारी किया,मीडिया ने प्रकाशित/ प्रसारित किया.सरकार ने न खंडन किया,न ख़रीद पर रोक लगाया,न दोषी पर कारवाई किया!

फेसबुक वॉल से

Abhishek Tripathi
2 d

मुझे जाति पसंद नहीं। मेरे जैसे कई लोगों को पसंद नहीं होगी लेकिन बचपन से लेकर अब तक स्कूल और हर सरकारी फार्म में इसे क्यों भरवाया जाता है। संविधान में जाति का उल्लेख क्यों किया गया है? हर सरकार कुछ लोगों को जाति के आधार पर इस वर्ग से उस वर्ग में क्यों डालती है? ये क्या पंडितों (ज्ञानियों) ने किया?

जासूसी गुब्बारा या मौसम अनुसंधान के मायने

दुनियावी देशों की निगरानी क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए चीन ने जो 'जासूसी गुब्बारा' उड़ाया था, अमेरिकी आसमान में उसका प्रवेश होने के बाद अमेरिकी वायुसेना ने उसे अपनी मिसाइल से मार गिराया। वहीं, चीन ने असैन्य मानव रहित यान पर अमेरिका द्वारा हमला करने का कड़ा विरोध जताते हुए इस कथित जासूसी गुब्बारे को अपना मानव रहित मौसम अनुसंधान पोत बताया और अमेरिका को अंजाम भुगतने की धमकी दी। इस घटनाक्रम का संदेश स्पष्ट है। एक ओर जहां अमेरिका ने अपने वायुक्षेत्र का स्पष्ट उल्लंघन समझकर जासूसी गुब्बारे के खिलाफ सख्त कार्रवाई करके दुनिया के सामने अपनी सम्प्रभुता की रक्षा को लेकर एक नजीर पेश की है, वहीं दूसरी ओर चीन को यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि उसकी तकनीक दुनिया की अव्वल तकनीक है, जिससे किसी का भी बच निकलना सम्भव नहीं है। देखा जाय तो इससे वैश्विक पटल पर चीन के नापाक इरादों की कलई एक बार फिर खुल गई, जिससे भारत को भी सबक लेने और अतिशय सावधानी बरतने की जरूरत है। वास्तव में, चीन के मौसम अनुसंधान पोत को जासूसी गुब्बारा समझकर अमेरिका द्वारा मार गिराये जाने के कुछ खास रणनीतिक मायने हैं, जिन्हें समय रहते समझ जाने में सभी देशों की भलाई है। सबसे पहले हम बात करते हैं इस पूरे घटनाक्रम की, फिर इसके मायने की, ताकि इसे समझकर तदनुरूप एहतियाती रणनीति तैयार की जा सके। बता दें कि 28 जनवरी 2023 को अलास्का, 30 जनवरी को कनाडा और 31 जनवरी को अमेरिका के हवाई क्षेत्र मोंटाना में चीन का एक विशाल जासूसी गुब्बारा देखे जाने से हड़कम्प मच गया था, क्योंकि इसका आकार तीन बसों के बराबर था। अमूमन ये गुब्बारा 5 दिनों तक अमेरिका के हवाई क्षेत्र में मौजूद रहा, जिस पर बरीकी पूर्वक नजर रखी गई। इसी बीच अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन द्वारा अपनी संवेदनशील जानकारी को सुरक्षित करने के तत्काल कदम उठाये गये, जबकि अमेरिकी रक्षा एजेंसियां इस जासूसी गुब्बारे की पड़ताल करके इसे निपटाने में जुट गईं। खबर है कि जब यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के संज्ञान में आई तो उन्होंने जमीन पर किसी को नुकसान पहुंचाए बिना इसे मार गिराने का आदेश दिया। जिसके बाद गत 4 फरवरी को इसे मार गिराया गया। बताया जाता है कि इसमें कनाडा की सरकार ने भी उसे पूरा सहयोग किया। अमेरिकी वायुसेना ने दक्षिण कैरोलाइना में अमेरिकी तट से लगभग 9.65 किलोमीटर दूर अटलांटिक महासागर के ऊपर जासूसी गुब्बारे को मार गिराया, जिसका मलबा दक्षिण कैरोलाइना में मिरटल बीच के पास गिरा और 11 किलोमीटर क्षेत्र में फैल गया। वहीं, अब इस मलबे को समेटने का प्रयास अमेरिकी सेना कर रही है, ताकि गुब्बारे द्वारा एकत्रित की गई संवेदनशील सूचनाएं हासिल की जा सकें और चीन के लिए इसका खुफिया महत्व खत्म हो जाये। उधर, विशेषज्ञों की मानें तो चीन ने यह जासूसी गुब्बारा अमेरिका की निगरानी क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए उठाया था, ताकि वह इस बात से भलीभांति अवगत हो सके कि अमेरिकी निगरानी प्रणाली कितने समय में विदेशी उपकरणों का पता लगाने में सक्षम हैं। हालांकि, चीन इससे इनकार कर चुका है। प्रतिरक्षात्मक तौर पर उसका कहना है कि अमेरिका द्वारा असैन्य मानवरहित यान के ऊपर बल प्रयोग पर जोर देना वास्तव में एक अनावश्यक प्रक्रिया और अंतरराष्ट्रीय मानकों का उल्लंघन है, जिसकी प्रतिक्रिया में वह आगे कदम उठाने का अधिकार रखता है। वह प्रासंगिक कम्पनी के वैध अधिकारों और हितों को दृढ़तापूर्वक बनाये रखेगा, क्योंकि अमेरिका द्वारा मार गिराया गया गुब्बारा एक मौसम अनुसंधान पोत था, जो तेज हवाओं के कारण अमेरिकी नभ क्षेत्र में प्रवेश कर गया था। स्वाभाविक है कि चीन भी अगला कोई कदम अवश्य उठायेगा। मेरे विचार से भारत को इस घटनाक्रम से सबक लेना चाहिए और चीन के मुकाबले अपने शोध-अनुसंधान को उच्चस्तरीय बनाने के लिए इसे प्रोत्साहित करते रहना चाहिए। क्योंकि चीन अमेरिका से ज्यादा भारतीय महत्वाकांक्षाओं के लिए बाधक और खतरा दोनों साबित हो सकता है, यह बात किसी से छिपी हुई नहीं है। संभव है कि जल और थल पर इस तरह की जासूसी करते रहने का आदी हो चुका चीन, भारतीय नभ (आकाश) क्षेत्र में भी इस तरह की जासूसी की हो।

कमलेश पांडेय

अमेरिका द्वारा असैन्य मानवरहित यान के ऊपर बल प्रयोग पर जोर देना वास्तव में एक अनावश्यक प्रक्रिया और अंतरराष्ट्रीय मानकों का उल्लंघन है, जिसकी प्रतिक्रिया में वह आगे कदम उठाने का अधिकार रखता है।

दुनियादारी

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पब्लिकेशन डिवीजन रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : **सुरेश बजाज**, संपादक : **हर्षवर्द्धन बजाज,** स्थानीय संपादक : **ओम प्रकाश अमरेन्द्र***, **प्रेस कार्यालय :** रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, **फोन नम्बर :** 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, **रांची कार्यालय :** 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-2283384/ फैक्स : 0651-2283386, **दिल्ली कार्यालय** : 25-एलएफ, तानसेन मार्ग, नयी दिल्ली-1, **गढ़वा कार्यालय :** मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, **लातेहार कार्यालय :** रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार -829206, फोन : 9128656020, 7763034341, **लोहरदगा कार्यालय :** रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल में, आशा कॉम्प्लेक्स लोहरदगा- फोन : 7903891779, 8271983099, **ई-मेल :** rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)।

शरीर में ये छोटे-छोटे बदलाव भी देते हैं हार्ट अटैक का संकेत

अगर आपको कुछ आसान से काम करने में कठिनाई हो रही है, जैसे कि बिस्तर बनाना या दौड़ना तो यह हार्ट अटैक पड़ने का एक साइलेंट लक्षण है। तुरंत चेकअप के लिए जाना जरूरी है।

जब एक हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स को हफ्तों या महीनों बाद हार्ट डैमेज का पता चलता है, तो बहुत से लोग तभी जानते हैं कि उन्हें साइलेंट हार्ट अटैक का सामना करना पड़ा है। साइलेंट हार्ट अटैक को पहचानना मुश्किल हो सकता है अगर ऐसे संकेत या लक्षण गायब हैं जो अक्सर हार्ट अटैक से संबंधित नहीं होते हैं। जब हार्ट अटैक के कोई लक्षण नहीं होते हैं या छोटे लक्षण होते हैं तो इसे 'साइलेंट हार्ट अटैक' कहा जाता है। हार्ट अटैक जिसे अक्सर मायोकार्डियल इन्फ्रक्शन कहा जाता है, जो तब होता है जब

आपके दिल को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल रहा होता है। इससे हार्ट डैमेज होता है।

आमतौर पर, ब्लड क्लॉटिंग ब्लड को आपकी कोरोनरी धमनियों में से गुजरने से रोकता है, जिसकी वजह से हार्ट अटैक पड़ता है। एक कोरोनरी धमनी क्रैम्प्स कभी-कभी आपके ब्लड फ्लो को रोक सकती है। आइए आगे उन संकेतों को समझें जो साइलेंट हार्ट अटैक का संकेत दे सकते हैं।

सीने में दर्द, बेचैनी

दिल का दौरा कभी-कभी अचानक, गंभीर दर्द का कारण बन सकता है, जिससे इसकी पहचान करना आसान हो जाता है। ज्यादातर दिल के दौरे में सीने में मामूली दर्द या बीच में बेचैनी होती है। ये लक्षण आमतौर पर धीरे-धीरे दिखाई देते हैं और गायब हो सकते हैं और वापस आ सकते हैं। आप अपने शरीर के सबसे अच्छे जज हैं। अगर आपको संदेह है कि कुछ गलत है, तो आपको डॉक्टर के पास चेकअप के लिए जाना चाहिए।

मतली और फ्लू जैसे लक्षण

जी मिचलाना और उल्टी जैसे फ्लू जैसे लक्षण होने पर भी ये साइलेंट हार्ट अटैक के संकेतक हो सकते हैं। आपने पहले फ्लू का अनुभव किया होगा, इसलिए आप जान सकते हैं कि यह कैसा लगता है। ये लक्षण खतरनाक हो सकते हैं, इसलिए उन्हें इस तरह नजरअंदाज न करें।

सांस फूलना और चक्कर आना

सीढ़ियां चढ़ने के बाद आपको लगता है कि आपने अभी-अभी मैराथन दौड़ लगाई है, तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि आपका दिल ठीक से काम नहीं कर रहा है। सांस फूलना साइलेंट हार्ट अटैक का एक सामान्य संकेत है और यह सीने में परेशानी के साथ या इसके बिना भी हो सकता है। इसके अलावा आप हल्कापन या चक्कर आने अनुभव कर सकते हैं, और आप बेहोश भी हो सकते हैं। हालांकि पुरुषों और महिलाओं दोनों को इसका अनुभव हो सकता है, लेकिन महिलाओं को सांस की कमी महसूस होने की संभावना अधिक होती है।

शरीर के अन्य अंगों में बेचैनी

हार्ट अटैक की वजह से आप वास्तव में अपने पूरे शरीर में बैचेनी महसूस कर सकते हैं, केवल अपने दिल में ही नहीं। हालांकि, इससे दिल के दौरे को पहचानना मुश्किल हो सकता है। आप अपनी पीठ, गर्दन, जबड़े और पेट में बेचैनी या दर्द महसूस कर सकते हैं। ये संकेत एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में अलग हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, कुछ लोग दावा करते हैं कि दिल का दौरा पड़ने के बाद उन्हें जो दर्द होता है, ऐसा लगता है जैसे उनके चारों ओर रस्सी बंधी हुई है। इसके अलावा आपकी पीठ पर बहुत अधिक दबाव का अनुभव हो सकता है।

साहित्य का चमकता सूर्य

हिंदी साहित्य जगत में मीत जरमसतपुरी चमकते सूर्य की भांति दिखाई देते हैं। कड़वे बोल (काव्य-संग्रह) में एक ओर जहां पाठकों को अपने धारदार तेवर से चकित कर रचनाओं से जोड़े रखते हैं, वहीं दूसरी तरफ स्वप्नलोक से हटाकर हकीक़त से परिचय कराने के लिए धरातल पर ला बिठाते हैं। कवि ने इस पुस्तक में जो इंद्रधनुषी छटा बिखेरी है, वह अद्भुत है। मंचों पर इनकी प्रस्तुति श्रोताओं को आकृष्ट करती है। इनका पूरा नाम गुरमीत सिंह है। साहित्य जगत इन्हें मीत जरमसतपुरी से जानता है। इनका जन्म, पिता सरदार इंद्रजीत सिंह व माता दलबीर कौर के घर पंजाब के एक गांव जरमसतपुर में 12 अप्रैल 1979 को हुआ। इन्होंने स्नातक तक की शिक्षा प्राप्त की है। पढ़ने - लिखने का शौक तो इन्हें बचपन से ही था। साहित्यिक रुचियां जब परवान चढ़ी तो इन्होंने पंजाबी के साथ हिंदी में भी लिखना प्रारंभ किया। मीत जरमसतपुरी एक अच्छे इंसान के साथ उच्च कोटि भाव के कवि हैं। कड़वे बोल में संकलित कविताओं में कवि ने दैनिक जीवन के व्यवहार में सजग रहने के लिए बार-बार आह्वान किया है। आप, कविताओं में ठंडी हवा के झोंके तो कहीं गर्मी की लू का भी अनुभव करेंगे और प्रेम-वर्षा में सराबोर भी हो जाइएगा। सच कहने की आदत, मीत जरमसतपुरी को अन्य कवियों से अलग कर महान बनाती है। सर्व-धर्म का भाव स्पष्ट रूप में उभर कर सामने आया है। कवि, गंगा- यमुना संस्कृति के संवाहक हैं, यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। रचनाओं के माध्यम से जहां सत्ता को ललकार के सवाल करना, वहीं उसका समाधान ढूंढना, आम जन जीवन का चित्रण, देश प्रेम, सामाजिक जागरण, कौमी एकता, वर्तमान व्यवस्था पर व्यंगात्मक चोट, मानवीय मूल्यों के पक्ष में खड़ा होना, इनकी लेखनी के केंद्र में हैं। सृजनशीलता में सभी रसों को स्थान दिया है, किंतु करुणा रस इनके दिल के काफी करीब है। व्यंग का रंग और बागियाना तेवर की झलक साफ- साफ दिखाई पड़ती है।

धर्म - जात के हर दिन झगड़े, फिर भी देश महान सा लगता।

कवि ने हिंदी, उर्दू और इंग्लिश भाषा के सरल और सुगम शब्दों का प्रयोग किया है। कठिन शब्दों से भरसक बचने का प्रयास हुआ है। आवश्यकतानुसार कठिन शब्द भी अपने होने का एहसास कराते हैं। फल स्वरूप पाठक वर्ग के लिए पुस्तक बोधगम्य बन गई है। मीत जरमसतपुरी व्यवसाय से जुड़े हैं। जन्मभूमि पंजाब और कर्म भूमि झारखंड से अथाह प्रेम है। यही नहीं उनके हृदय में विश्व बंधुत्व की भावना भरी हुई है। इनके साथ मेरी कई साहित्यिक यात्राएं हुई हैं। मीत जरमसतपुरी देश के विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों में सम्मानित हो चुके हैं। मैं खुद भी पटना, रामगढ़ आदि कार्यक्रमों का साक्षी रहा हूं। कड़वे बोल (काव्य-संग्रह) 53 कविताओं का शीर्षकयुक्त आधार रखता है। कवि ने पुस्तक को क्रमशः दादा- दादी सरदार नाजर सिंह फौज़ी व माता गंगा कौर जी, कोरोना काल में प्राण त्यागने वाले भारतीय, किसान आंदोलन में शहीद किसान और मजदूरों के नाम समर्पित किया है। भूमिका सरोज झा झारखंडी की है। पुस्तक को प्रिन्सेप्स प्रकाशन ने प्रकाशित किया है। कॉपीराइट कवि के पास सुरक्षित है। आवरण पृष्ठ आकर्षक व छपाई अच्छी है। पुस्तक में सम्मिलित कविताओं के मदेनजर कीमत 130 रुपयक है जो अधिक प्रतीत नहीं होती।

कुछेक काव्यात्मक दोष व प्रूफ रीडिंग की कमियां रह गई हैं। आशा है मीत जरमसपुरी भविष्य में हिंदी साहित्य को कड़वे बोल से भी अधिक सशक्त पुस्तकें देने में सफल होंगे।

समीक्षक : एम.जे.अजहर

डिनर के बाद वॉक करने से मिल सकते हैं ये बेमिसाल फायदे

आप खुद को चाहें किसी भी रूप से फिजिकली एक्टिव रखें, लेकिन इसका पॉजिटिव असर आपके बॉडी हार्मोन पर नजर आता है। जब आप चहलकदमी करते हैं तो यह आपके ब्लड सकुर्लेशन में सुधार करता है और इससे शरीर में हैप्पी हार्मोन बूस्ट होते हैं। आपने अक्सर लोगों को कहते हुए सुना होगा कि खाना खाने के बाद हल्की चहलकदमी करनी चाहिए। यूं तो नियमित रूप से वॉक करने के कई फायदे मिलते हैं। लेकिन अगर आप खाना खाने के बाद हल्की चहलकदमी करते हैं तो यह विशेष रूप से लाभदायी माना जाता है। हो सकता है कि आप खुद को फिट रखने के लिए घंटों वर्कआउट करते हों, लेकिन इसके बाद भी आपको डिनर के बाद हल्की चहलकदमी की आदत डालनी चाहिए।

हैप्पी हॉर्मोन्स होते हैं बूस्ट

आप खुद को चाहें किसी भी रूप से फिजिकली एक्टिव रखें, लेकिन इसका पॉजिटिव असर आपके बॉडी हार्मोन पर नजर आता है। जब आप

चहलकदमी करते हैं तो यह आपके ब्लड सकुर्लेशन में सुधार करता है और इससे शरीर में हैप्पी हार्मोन बूस्ट होते हैं। जिससे आप खुद को अधिक खुश महसूस करने में मदद करते हैं।

पाचन में मददगार

खाने के बाद चहलकदमी करना इसलिए भी अच्छा माना जाता है, क्योंकि यह आपके आहार को बेहतर तरीके से पचाने में मदद कर सकता है। कुछ लोग खाने के बाद तुरंत लेट जाते हैं। लेकिन इससे खाना सही तरह से पच नहीं पाता है। जिससे इनडाइजेशन से लेकर हार्ट बर्न तक कई तरह की समस्याएं शुरू हो जाती है। लेकिन खाने के बाद जब आप हल्की वॉक करते हैं तो इससे भोजन अच्छी तरह से पचता है। यह भोजन से पोषक तत्वों के अवशोषण को भी बढ़ाता है।

क्रेविंग से बचाने में मददगार

आपको शायद जानकर अजीब लगे, लेकिन अगर आप डिनर के बाद वॉक करते हैं तो इससे आपको फूड क्रेविंग्स को मैनेज करने में मदद मिलती है। दरसअल, जब आप रात के खाने के बाद टहलते हैं तो ऐसे में आपको थोड़ी थकान का अनुभव होता है। जिससे आपको नींद आती है और आप जल्दी सो जाते हैं। जिससे आपको क्रेविंग का अनुभव होने की संभावना कम हो जाती है।

वजन घटाने में मददगार

सही आहार के साथ-साथ व्यायाम करने से आपको अपना वजन कम करने में भी मदद मिलती है। रात को हैवी फूड खाने और तुरंत सो जाने से वजन बढ़ने सहित कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन जब आप रात के खाने के बाद टहलते हैं तो यह सुनिश्चित करता है कि आप कुछ कैलोरी बर्न करते हैं और इसे हेल्दी वजन मेंटेन करने में मदद मिलती है।

❖ मिताली जैन

सर्दी-खांसी होने पर किन फलों का करें सेवन और किनसे करें परहेज

सर्दी-खांसी होने पर अनानास का सेवन करना काफी अच्छा माना जाता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि अनानास में ब्रोमेलैन नामक एंजाइम होता है। इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट अपने म्यूकोलाईटिक गुणों के कारण म्यूकस को तोड़ सकता है। फलों का सेवन करना सेहत के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। ये कई तरह के विटामिन, मिनरल्स और पोषक तत्वों से युक्त होते हैं। हर फल सेहत को किसी ना किसी रूप में लाभ पहुंचाते हैं। लेकिन कुछ खास हेल्थ प्रॉब्लम्स होने पर सही फल का चयन करना काफी अच्छा माना जाता है। मसलन, अगर आपको सर्दी-खांसी की समस्या है तो ऐसे में कुछ फल आपको राहत पहुंचाएंगे तो कुछ फल आपको नुकसान भी पहुंचा सकते हैं।

सर्दी-खांसी होने पर खाएं ये फल

अगर आपको सर्दी-खांसी की समस्या है तो ऐसे में आप कुछ खास फलों का सेवन कर सकते हैं। मसलन-

- सर्दी-खांसी होने पर अनानास का सेवन करना काफी अच्छा माना जाता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि

अनानास में ब्रोमेलैन नामक एंजाइम होता है। इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट अपने म्यूकोलाईटिक गुणों के कारण म्यूकस को तोड़ सकता है।

- अनार के रस में एंटीऑक्सीडेंट फ्लेवोनॉयड होता है। अध्ययनों से पता चलता है कि अनार के जूस के रोजाना सेवन से लंबे समय तक खांसी और जुकाम होने की संभावना लगभग 40 प्रतिशत तक कम हो सकती है। अनार के रस में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गुण भी पाए जाते हैं।
- कोल्ड व कफ होने पर कीवी का सेवन करना काफी अच्छा माना जाता है। खांसी और सर्दी के दौरान कीवी के नियमित सेवन से व्यक्ति के गले में खराश की स्थिति काफी कम हो जाती है। इसमें कई पोषक तत्व होते हैं जो आपको राहत पहुंचाते हैं।
- स्ट्रॉबेरी में मैंगनीज, विटामिन सी और डाइटरी फाइबर जैसे पोषक तत्व होते हैं। स्ट्रॉबेरी के ये सभी गुण कोल्ड व कफ होने पर आपको राहत पहुंचाते हैं।
- तरबूज में एंटीऑक्सीडेंट लाइकोपीन होता है, जो संक्रमण के दौरान श्वसन तंत्र में सूजन को कम करने में मदद करता है।
- सेब फ्लेवोनोइड्स से भरे हुए हैं और इनका सेवन कई मायनों में लाभकारी माना गया है। यह आपके इम्युन सिस्टम को मजबूत बनाता है, जो आपको खांसी और सर्दी से बचाने में मददगार है।

खांसी और जुकाम के दौरान फलों से परहेज करें

स्वस्थ रहने के लिए किसी भी व्यक्ति को फलों का सेवन करना चाहिए। ध्यान दें कि ऐसा कोई विशेष फल नहीं है, जिसे इस अवस्था में खाने से परहेज करना चाहिए। बस आपको इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखना चाहिए कि आप फ्रिज में रखे फलों का सेवन ना करें। ठंडे होने के कारण ये फल आपकी समस्या को बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा, कोशिश करें कि आप खट्टे फलों को भी खांसी और जुकाम के दौरान खाने से बचें। ऐसा इसलिए है क्योंकि पहले से ही खांसी और जुकाम से जूझ रहे व्यक्ति में खट्टे फल एसिड रिफ्लक्स का कारण बन सकते हैं।

सूडोकु नवताल- 6606

सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6605 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

दैनिक पंचांग

10 फरवरी 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	06.50 बजे से
चंद्र	कन्या में	मीन	08.23 बजे से
मंगल	वृष में	मेष	09.53 बजे से
बुध	मकर में	वृष	11.33 बजे से
गुरु	मीन में	मिथुन	13.32 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.45 बजे से
शनि	कुंभ में	सिंह	18.01 बजे से
राहु	मेष में	कन्या	20.13 बजे से
केतु	तुला में	तुला	22.24 बजे से
		वृश्चिक	00.38 ब.से
		धनु	02.54 बजे से
		मकर	05.00 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2023 वर्ष का 41 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्थी 07.59 बजे को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 00.18 बजे रात्र को समाप्त।
योग धृति 16.44 बजे को समाप्त।
करण बालव 07.59 बजे तदनन्तर कौलव 20.37 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.1 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 14° 30'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871520
जूलियन दिन 2459985.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2549
हिजरी सन् 1444
महीना रज्जब
तारीख 18

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें।

शब्द पहेली - 7670

1	2	■	3	4	5	■	6	7
8		9	■	10		11	■	
■	12		13	■	14		15	■
16	■	17		18	■	19		20
21	22	■	23		24	■	25	
26		27	■	28		29	■	
■	30		31	■	32		33	■
34	■	35		36	■	37		38
39		■	40			■	41	

बाएँ से दाएँ

1. अधिकार-2
3. समुद्र, दरिया-3
6. आनंद, रस-2
8. दबाना, कुचलना-3
10. गुंडा, बदमाश-3
12. पासों से भविष्य जानना-3
14. नाप जोख करना-3
17. जलजला-3
19. असफल-3
21. मगन, रत-2
23. व्यक्ति, जीव-3
25. सम्राट, नरेश-2
26. कार्य करने वाला-3
28. उपनदी, कैनाल-3
30. मां का प्रेम-3
32. पढ़ना, अध्ययन-3
35. पक्षाघात, फालिज-3
37. सेनापति-3
39. दूल्हा, वरदान-2
40. पक्ष, एक ओर-3
41. भीगा हुआ

ऊपर से नीचे

1. सीमा, सरहद-2
2. कटि, मध्यांग-3
4. दुख, कष्ट-2
5. गमन, विदा होना-3
7. शराब का प्याला-2
9. एक नमकीन लवण-3
11. आलेप करना-3
13. बोलने का तरीका-3
15. अयोग्य, बेकार-3
16. तहजीब, तमीज-3
18. रत्न, बहुमूल्य नग-3
20. व्यंग, परिहास-3
22. मुलायम, नाजुक-3
24. कॉफी-3
27. पंकज, नीरज, जलज-3
29. निर्माण-3
31. बल, दम, जोर-3
33. नेत्र, आंख-3
34. नौका-2
36. घात, प्रहार-2
38. जरा, थोड़ा-2

शब्द पहेली -7669 का हल

ब	द	न	■	ला	त	क	■	त
■	शं	■	क	ल	ह	■	र	वा
ता	न	■	ह	■	खा	लि	स	■
क	■	का	र	खा	ना	■	भ	■
त	री	का	■	बिं	■	श	रा	रा
■	मी	■	अ	द	र	क	■	ज
■	से	ह	रा	■	ह	■	आ	न
जा	न	■	ज	ही	न	■	स	■
म	■	म	क	र	■	स	न	म

आज का राशिफल

मेष राशि : आज का दिन शुभ फलदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में कामकाज की अधिकता रहेगी, लेकिन परिजनों और सहयोगियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे सभी कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और धनलाभ की संभावना रहेगी। निवेश से लाभ मिलेगा। कार्य विस्तार की योजना बना सकते हैं।

मिथुन राशि : आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं। बिजनेस में सफलता मिलेगी और फायदा होगा। व्यापास विस्तार के लिए कोई नया फैसला ले सकते हैं।

कर्क राशि : आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम रहेगा, जिससे कार्यों में सफलता मिलेगा, लेकिन ऑफिस या फील्ड में किसी भी तरह की रिस्क न लें।

सिंह राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में लाभ मिलने की संभावना है। नये सौदे फायदेमंद रहेंगे, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, लेकिन कार्यभार की अधिकता से दिन भाग-दौड़ में गुजरेगा।

कन्या राशि : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार सामान्य रहेगा। आकस्मिक धनलाभ के योग बन रहे हैं, लेकिन अनावश्यक खर्च बढ़ने से आर्थिक स्थिति कमजोर होगी।

तुला राशि : आज का दिन सामान्य रहेगा। कारोबार में लाभ मिलेगा। अचानक फायदा होने के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी और कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है और कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा रहेगी।

धनु राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। आकस्मिक धनलाभ होने की संभावना रहेगी। कारोबार विस्तार को लेकर नई योजनाएं बनाएंगे।

मकर राशि : आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र और बिजनेस में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना बन रही है। पैसों से जुड़े किसी मामले में परेशानी उठानी पड़ सकती है।

कुंभ राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार की परेशानियां खत्म होंगी। नया काम शुरू हो सकता है। अचानक धनलाभ के योग हैं, लेकिन लेन-देन से बचें। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक रहेगा।

मीन राशि : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में जोखिम भरे सौदों से बचना होगा। कार्यक्षेत्र में काम ज्यादा रहेगा। कठिन परिश्रम से रुके हुए कार्यों में प्रगति होगी।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

पत्नी के शव को गांव ले जाने के लिए नहीं थे पैसे, कंधे पर पति ढो रहा था

ओडिशा के शख्स की आंध्र पुलिस ने की मदद

125 किमी. की तय करनी थी दूरी, चार किमी. से अधिक की दूरी तय कर चुका था शख्स

बीमार पत्नी को इलाज के लिए विशाखापट्टनम लेकर आया था ओडिशा का सामुलु, रास्ते में हो गई मौत

एजेंसी। विशाखापत्तनम

आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में ओडिशा के एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के शव को कंधे पर उठाकर चार किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की।

ओडिशा के कोरापुट जिले के सुरदा गांव के आदिवासी सामुलू के पास अपनी पत्नी गुरु (30) के शव को गांव ले जाने के लिए पैसे नहीं थे, जिसके चलते वह शव को अपने कंधे पर रख पैदल चलने लगा। उसे 125 किलोमीटर की दूरी तय करनी थी। जानकारी के मुताबिक, सामुलु अपनी बीमार पत्नी को इलाज के लिए विशाखापट्टनम लेकर आया था। इलाज का खर्च वहन करने में असमर्थ सामुलु ऑटो-रिक्शा में वापस घर जा रहा था।

हालांकि, रास्ते में महिला की हालत और बिगड़ गई और उसने विजयनगरम जिले के रामावरम पुल के पास ऑटो-रिक्शा में दम तोड़ दिया। जिसके बाद ऑटो रिक्शा चालक ने वाहन रोक दिया और उस व्यक्ति को शव के साथ नीचे उतरने को कहा। परिवहन की व्यवस्था करने के लिए पैसे नहीं होने के कारण, सामुलु ने शव को कंधे पर लाद लिया और अपने गांव की ओर निकल पड़ा।

पत्नी के शव को कंधे पर उठाए हाइवे पर चल रहा था

वह पत्नी के शव को कंधे पर उठाकर नेशनल हाइवे पर चल रहा था, लेकिन कोई भी उसकी मदद के लिए नहीं रुका। किसी ने इस बारे में पुलिस को सूचना दी। सूचना पर गैंट्याडा पुलिस स्टेशन के सर्किल इंस्पेक्टर तिरुपति राव और सब-इंस्पेक्टर किरण कुमार रामावरम मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारी ने सामुलु से बात की, सभी विवरण एकत्र किए, उसे खाना और पानी दिया और शव को उसके गांव ले जाने के लिए एक एम्बुलेंस की व्यवस्था की। पुलिस अधिकारियों ने आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए ओडिशा में अपने समकक्षों को भी सूचित किया। विजयनगरम की पुलिस अधीक्षक दीपिका पाटिल और अन्य शीर्ष अधिकारियों ने पुलिस अधिकारियों के मानवीय भाव की सराहना की।

NEWS इन ब्रीफ

फोन टैपिंग मामले में एनएसई की पूर्व प्रमुख चित्रा को जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की पूर्व प्रबंध निदेशक और सीईओ चित्रा रामकृष्ण को कर्मचारियों के अवैध फोन टैपिंग से संबंधित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धन शोधन मामले में जमानत दे दी। ईडी ने पिछले साल सितम्बर में 2009 और 2017 के बीच एनएसई कर्मचारियों के फोन टैपिंग से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग की रोकथाम के मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दायर की थी। चार्जशीट एनएसई के रामकृष्ण और रवि नारायण और मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर संजय पांडे के खिलाफ दायर की गई थी।

अजीत डोभाल ने की पुतिन से मुलाकात

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच रूस में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। इस बारे में रूस में भारत के दूतावास ने ये जानकारी दी है। बता दें कि अजीत डोभाल मास्को में अफगानिस्तान पर बहुपक्षीय सुरक्षा को लेकर हुई बैठक में शामिल होने पहुंचे हैं। गुरुवार को एनएसए अजीत डोभाल ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की है। रूस में स्थित भारतीय दूतावास की ओर से ट्वीट कर बताया गया कि एनएसए अजीत डोभाल ने राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात के दौरान द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी को लागू करने की दिशा में काम जारी रखने पर भी सहमति बनी।

तटरक्षक बल ने समुद्र से 12 किलो सोना किया बरामद

चेन्नई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) और भारतीय तटरक्षक बल ने गुरुवार को तमिलनाडु के रामेश्वरम में मंडपम के पास समुद्र में फेंका गया 12 किलोग्राम सोना बरामद किया। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। डीआरआई को एक गुप्त सूचना मिली थी कि एक नाव रामेश्वरम तट की ओर जा रही है और इसमें तस्करी का सामान है। डीआरआई और तटरक्षक अधिकारियों ने बुधवार को एक नाव को रोका और पाया कि उसके चालक दल ने समुद्र में कुछ फेंका है। नाव में सवार लोगों को मुख्य भूमि पर ले जाकर उनसे पूछताछ की गई।

बुलेट ट्रेन परियोजना का 'राष्ट्रीय महत्व'

बॉम्बे हाईकोर्ट ने गोदरेज की याचिका खारिज की

एजेंसी। मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने गुरुवार को मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना को 'राष्ट्रीय महत्व' का बताते हुए गोदरेज एंड बॉयस मैन्युफैक्च रिंग कंपनी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें विक्रोली में उसकी जमीन के अधिग्रहण को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति आरडी धानुका और न्यायमूर्ति एम.एम. साठाये की खंडपीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा, परियोजना राष्ट्रीय महत्व और जनहित की है, इसमें हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। मुआवजे में कोई अवैधता नहीं पाई गई। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित मुंबई यात्रा की पूर्व संध्या पर मेगा-प्रोजेक्ट के लिए हरी झंडी दिखानेवाला फैसला एक राहत के रूप में आया है। जस्टिस धानुका ने यह भी कहा कि यह सामूहिक हित सर्वोपरि है। जब गोदरेज समूह के

वकील, वरिष्ठ अधिवक्ता नवरोज सीरवई ने सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने के लिए आदेश पर रोक लगाने की मांग की, तो उच्च न्यायालय ने याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया।

राज्य के एडवोकेट-जनरल आशुतोष कुंभकोनी ने अदालत को बताया कि गोदरेज समूह के स्वामित्व वाले हिस्से को छोड़कर परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा हो गया था, और अनुरोध किया कि कंपनी की याचिका को खारिज कर दिया जाना चाहिए। अतिरिक्त सॉलिसिटर-जनरल अनिल सिंह ने तर्क दिया कि गुजरात में भूमि अधिग्रहण पूरा हो गया है और परियोजना का काम शुरू हो गया है, जबकि महाराष्ट्र में 3 प्रतिशत अधिग्रहण किया जाना बाकी है। उन्होंने तर्क दिया कि गोदरेज की याचिका परियोजना में देरी कर रही है और लागत में वृद्धि हो रही है, यदि मुआवजे की राशि चिंता का विषय है, तो एक अधिक भुगतान पर विचार किया जा सकता है, लेकिन परियोजना को और अधिक नुकसान नहीं पहुंचाया जा सकता।

अगस्त 2019 से सरकार और गोदरेज समूह के बीच विवाद

अगस्त 2019 से सरकार और गोदरेज समूह के बीच कंपनी की भूमि के अधिग्रहण को लेकर विवाद चल रहा है। लगभग 1.60 लाख-करोड़ रुपये की लागत वाली, बुलेट ट्रेन परियोजना 508 किलोमीटर लंबी होगी, जिसमें 21 किलोमीटर भूमिगत रूट शामिल है। भूमिगत सुरंग के प्रवेश बिंदुओं में से एक विक्रोली में गोदरेज के स्वामित्व वाली भूमि पर सरकार ने कब्जा कर लिया है। करीब 9.69 एकड़ जमीन के अधिग्रहण के बाद गोदरेज समूह ने मुआवजे को चुनौती दी थी।

शिंदे ने दिव्यांग बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज ठाणे के विकलांग एवं विशेष बच्चों के साथ केक काटकर अलग अंदाज में अपना जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा क्षेत्र के किसान नगर के बच्चों को भोजन व पुस्तकें वितरित की गईं। ठाणे में इस अवसर पर स्वयं दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की ओर से गंगूबाई संभाजी शिंदे मल्टीपरपज सभागृह में दिव्यांग रोजगार मेला का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री शिंदे भी स्वयं उपस्थित थे। उन्होंने अपना जन्मदिन विकलांग बच्चों के साथ मनाया। विशेषतः उन्होंने बच्चों के साथ केक भी काटा। इस अवसर पर निःशक्तजनों के रोजगार के लिए उपयोगी स्वयं एप का अनावरण, स्वयं की छलांग की स्मारिका एवं वेबसाइट का अनावरण भी मुख्यमंत्री द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जीएफआर का सख्ती से अनुपालन बेहद जरूरी

एजेंसी। जम्मू

अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पार से जम्मू-कश्मीर में ड्रोन से हथियार और ड्रग्स गिराना एक बड़ी सुरक्षा चुनौती बन गया है, ऐसे में संशोधित सामान्य वित्तीय नियमों (जीएफआर) का सख्ती से पालन इस खतरे को रोकने में मददगार साबित हो सकता है। जीएफआर 2017 के नियम 144 में 'सार्वजनिक खरीद के मौलिक सिद्धांत' नामक उप-नियम (7) को शामिल करके संशोधन किया गया है। इसमें लिखा है, इन नियमों में निहित कुछ भी होने के बावजूद, व्यय विभाग, लिखित आदेश द्वारा, प्रतिबंधों को लागू कर सकता है। इसमें भारत की रक्षा या राष्ट्रीय सुरक्षा सहित प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित मामलों के आधार पर किसी देश या देशों से खरीद पर

अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पार से जम्मू-कश्मीर में ड्रोन से हथियार और ड्रग्स गिराना बन गया है एक बड़ी सुरक्षा चुनौती

पूर्व पंजीकरण या स्क्रीनिंग, ऐसे प्रतिबंधों के उल्लंघन में कोई खरीद नहीं की जाएगी। इस संशोधन के बड़े निहितार्थ का मतलब है कि किसी भी ठेकेदार को उप-अनुबंध कार्यों की अनुमति नहीं है।

संशोधित नियम पाकिस्तान, चीन, अफगानिस्तान, म्यांमार, नेपाल और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों से आयात होने वाली वस्तुओं और सेवाओं पर सख्त प्रतिबंध लगाएगा। अमेरिका पर ड्रोन और चीनी गुब्बारों पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने से जम्मू-कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों में सुरक्षा व्यवस्था में एक बड़ी खामी सामने आ गई है। विदेशी सामानों का एक बड़ा और अनियंत्रित उछाल है, विशेष रूप से चीन और पाकिस्तान से जम्मू-कश्मीर में। विशेषज्ञों को डर है कि सेल फोन और अन्य उपकरणों जैसी वस्तुओं में कोई भी अदृश्य चिप ड्रोन या जासूसी गुब्बारों और पड़ोसी देशों के उपग्रहों द्वारा उठाई जाने वाली सूचनाओं को रिले कर सकती है। यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के कवच में एक बड़ी बाधा है। बोली लगानेवाले की देनदारी अंततः उप-अनुबंधों के माध्यम से गायब हो जाएगी, क्योंकि जीएफआर में कोई ठोस जांच और संतुलन उपलब्ध नहीं है। संशोधित नियम में प्रावधान है कि बोलीदाताओं से इस आदेश के अनुपालन के संबंध में निविदा दस्तावेजों में एक प्रमाण पत्र लिया जाएगा।

ऑपरेशन दोस्त : राहत व बचाव कार्य के लिए भारत का छठा विमान तुर्की पहुंचा

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ट्वीट कर दी जानकारी

एजेंसी। नई दिल्ली

भूकंप प्रभावित तुर्किये की मदद के लिए भारत सरकार की तरफ से शुरू की गई मुहिमै ऑपरेशन दोस्त' के तहत बचाव दल एवं राहत सामग्री के साथ भेजा गया छठा विमान गुरुवार को तुर्किये पहुंच गया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस संबंध में ट्वीट किया है- राहत और बचाव कार्यों के लिए बचाव दल, बचाव उपकरण, दवा व चिकित्सा उपकरण तैयार हैं।

इससे पहले बुधवार देर रात भारतीय वायुसेना के सी17 ग्लोबमास्टर विमान को बचाव दल व राहत सामग्री के साथ केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन ने हिंडन एयरबेस से रवाना किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संबंधित अधिकारियों को तुर्किए में भूकंप से प्रभावित लोगों को सहायता के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया है। तुर्किये में भूकंप प्रभावित लोगों की मदद के लिए भारत ने वहां एक अस्पताल भी खोला है। एनडीआरएफ की टीम और आवश्यक उपकरण भी भेजे जा रहे हैं।

विजय सेतुपति बहुत ही मासूम हैं : शाहिद कपूर

बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर अपने अपकमिंग सीरीज 'फर्जी' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। पहली बार शाहिद ने साउथ इंडस्ट्री के लोकप्रिय स्टार विजय सेतुपति के साथ काम किया। शाहिद ने कहा कि उन्हें वह बेहद मासूम लगे। विजय के बारे में बात करते हुए, शाहिद ने आईएमडी ओरिजिनल 'बर्निंग क्वेश्चन' पर कहा : वह जिस तरह से सामने आते हैं, वह बहुत ही बच्चों जैसा और मासूम है। एक एक्टर के रूप में उनमें बहुत ईमानदारी है और वह एक अभिनेता के रूप में भी अप्रत्याशित है। वह एक प्योर आर्टिस्ट है। जब आप उनके साथ काम करेंगे, तो आप इन सब चीजों को महसूस कर पाएंगे।

सोनू सूद का बनाया गया मंदिर एक्टर बोले : मैं इसके लायक नहीं

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद के सम्मान में तेलंगाना की सीमा पर एक और मंदिर बनाया गया। इस पर एक्टर ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। सेलिब्रिटी पैपराजी विरल भयानी द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में सोनू सूद की एक मूर्ति दिखाई दे रही है, जिसके पीछे एक बैनर लगा हुआ है, इस पर लिखा हुआ है, भारत के असली हीरो सोनू सूद मंदिर। आईएएनएस ने सोनू सूद से उनके सम्मान में बनाए जा रहे मंदिर के बारे में बात की। उन्होंने आईएएनएस से कहा, हां, अभी-अभी एक और मंदिर के बारे में पता चला, जो आंध्र और तेलंगाना की सीमा पर बना है। यह चौथा मंदिर है। इसस पहले तेलंगाना, आंध्र और एक चेन्नई में मंदिर बनाया गया। मैं वास्तव में सम्मानित महसूस कर रहा हूं, मेरे पास कहने के लिए शब्द नहीं हैं। मैं वास्तव में आभारी हूं कि लोग मुझे इतना प्यार करते हैं, लेकिन मैं यह भी कहना चाहता हूं कि मैं इसके लिए पूरी तरह से योग्य नहीं हूं। मैं हमेशा कहानियों या किताबों में पढ़ता था और कभी-कभी खबरों पर भी कि लोग इतना प्यार करते थे। कभी नहीं सोचा था कि मुझे भी इतना प्यार दिया जाएगा, मैं बस हर एक व्यक्ति को धन्यवाद देना चाहता हूं और वे लोग जो मेरा मंदिर बना रहे हैं, अगर कुछ स्कूल और अस्पताल बना सकते हैं जो लोगों को शिक्षा और जरूरतमंदों का इलाज देने में मदद करेगा, इस ओर भी अपना कदम बढ़ाए।

त्रिपुरा चुनाव : भाजपा ने किसानों की सहायता राशि बढ़ाने का किया ऐलान

आदिवासियों को और स्वायत्तता देने का वादा

एजेंसी। अगरतला

त्रिपुरा विधानसभा चुनाव से एक सप्ताह पहले सत्तारूढ़ भाजपा ने गुरुवार को आदिवासियों को अधिक स्वायत्तता, किसानों की वित्तीय सहायता में वृद्धि और 'उन्नतो त्रिपुरा, 'श्रेष्ठो त्रिपुरा' बनाने के लिए रबर, बांस और अगर आधारित उद्योगों की स्थापना का वादा किया। भाजपा ने कहा कि अगर वह 16 फरवरी के विधानसभा चुनावों के बाद सत्ता में लौटती है, तो वह महाराजा बीर बिक्रम माणिक्य जनजातीय

विश्वविद्यालय की स्थापना करेगी, पीएम किसान योजना के तहत 5 रुपये प्रति भोजन के हिसाब से दिन में तीन बार पका हुआ भोजन उपलब्ध कराएगी।

पीएम किसान योजना के तहत आर्थिक सहायता राशि 6,000 रुपये से बढ़ा 8,000 रुपये प्रतिवर्ष करने, आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रति परिवार वार्षिक कैप को 5 लाख रुपये से 10 लाख रुपये और सभी पंजीकृत लाभार्थियों को आवास उपलब्ध कराने का वादा भी किया गया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी के घोषणापत्र - 'संकल्प पत्र 2023' जारी करते हुए अगरतला में एक क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान अस्पताल स्थापित करने की भी घोषणा की।

शाहरुख की 'पठान' के लिए पहली बार बंद किया गया बुर्ज खलीफा बुलेवार्ड

शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' का एक सीन शूट करने के लिए पहली बार पूरे बुर्ज खलीफा बुलेवार्ड को बंद कर दिया गया। निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने खुलासा किया, पठान में एग्जीक्यूट करने के लिए सबसे टफ एक्शन चलती ट्रेन पर फाइट सीन को शूट करना था। इस सीन में चलती ट्रेन के साथ ऊपर मंडराते प्लेन को भी दिखाना था। यह सब बुर्ज खलीफा बुलेवार्ड में होना था। ऐसा अभी तक कोई हॉलीवुड फिल्म नहीं कर पाई है। दुबई में इस सीक्वेंस को शूट करना मानो नामुमकिन लग रहा था। लेकिन दुबई पुलिस और अधिकारियों ने हमारे लिए इसे संभव बना दिया। उन्होंने कहा, मेरे दोस्त, जो बुलेवार्ड में रहते हैं, आए और उन्होंने मुझे बताया कि उन्हें इस दिन इस समय के बीच सर्कुलर मिला है, आप बुलेवार्ड तक नहीं पहुंच पाएंगे, इसलिए कृपया अगला प्लान बनाएं। वे हैरान थे कि हे भगवान.. यह मेरी फिल्म के लिए है! सिद्धार्थ आगे कहते हैं, मैंने कहा कि मुझे विश्वास नहीं हो रहा है। यह संभव नहीं होता अगर वे हमारे विजन से सहमत नहीं होते।

टॉप 5 फाइनलिस्ट को दिखाई गई उनकी शो की जर्नी

'बिग बॉस 16' के ग्रैंड फिनाले में केवल चार दिन बचे है। अपकमिंग एपिसोड में टॉप 5 कंटेस्टेंट्स की जर्नी वीडियो दिखाई जाएगी। चार महीने के ड्रामा, झगड़े, राशन टास्क, नॉमिनेशन ड्रिल्स, वार और कप्तानी की दौड़ के बाद, शिव ठाकरे, प्रियंका चाहर चौधरी, एमसी स्टेन, शालिन भनोट और अर्चना गौतम ने फाइनल में अपनी जगह बनाई। प्रियंका को शो में उनकी जर्नी की झलक दिखाई गई। बिग बॉस ने उनकी बुलंद आवाज की तारीफ की है। एमसी स्टेन को उनकी जर्नी दिखाए जाने के बाद, 'बिग बॉस' कहते हैं कि वह सिर्फ पी-टाउन के ही नहीं, बल्कि पूरे देश के स्टार है।

नगर आयुक्त शशि रंजन ने राजधानी में जी-20 की बैठक को लेकर कर्मियों को तैयार रहने का दिया निर्देश

दो हफ्ते के अंदर रांची को करें चकाचक

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राजधानी में मार्च के पहले सप्ताह में जी-20 की बैठक प्रस्तावित है। इसमें नामी-गिरामी हस्तियां रांची आयेंगी। इसको लेकर राज्य के वरिष्ठ अधिकारी लगातार बैठकें कर अधीनस्थों को दिशा-निर्देश दे रहे हैं। इसी कड़ी में नगर निगम ने साफ-सफाई को लेकर कई दिशा-निर्देश जारी किये हैं। नगर उपायुक्त शशि रंजन ने आने वाले 15 दिन के अंदर शहर को चकाचक करने का फरमान जारी किया है। साथ ही इसमें कोई लापरवाही ना करने का दिशा-निर्देश भी दिया है। नगर आयुक्त शशि रंजन ने कहा है कि सभी प्रतिनिधियों की सुरक्षा में लापरवाही ना हो और सड़क मार्ग पर भी किसी प्रकार की कोई गंदगी नहीं दिखनी चाहिए। बताया जाता है कि समिट में आए अतिथि दो हजार जवानों के सुरक्षा घेरे में रहेंगे। नगर निगम पूरे शहर का कायाकल्प करने में जुटा है। एयरपोर्ट से बिरसा चौक होते हुए होटल रेडिसन ब्लू जाने वाले रास्ते चकाचक होंगे। जी-20 के अधिकारी बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से हिनू चौक होते हुए बिरसा चौक होते हुए सीधा होटल रेडिसन ब्लू पहुंचेंगे। इस रास्ते के डिवाइडर का रंग रोगन किया जा रहा है। रास्ते में पड़ने वाली दीवारों को भी खूबसूरत पेंटिंग से रंगा जा रहा है। साथ ही बिजली के तार दुरुस्त होंगे। अरगोड़ा चौक- हिंदुस्तानी ढाबा के पास वर्टिकल गार्डन बनेगा। एयरपोर्ट से बिरसा चौक तक एयरपोर्ट की बाउंड्री पर झारखंड की कला संस्कृति को पेंटिंग से दिखाया जायेगा। चौक-चौराहे पर भी सौंदर्यीकरण किया जायेगा। एयरपोर्ट से हिनू चौक तक रोड के किनारे झाड़ी है और बिजली के तार लटके हैं। उसे हटाने के लिए भी कहा गया है। इस रास्ते में कोई भी वाहन और रोड पर दुकान लगाने पर अच्छा खासा जुमार्ना वसूला जायेगा। डीसी राहुल सिन्हा ने बताया कि सुरक्षा में कोई कोताही नहीं बरती जायेगी। इसके लिए विशेष रणनीति बनायी जा रही है। उन्होंने अगले 20 दिनों के अंदर पूरे शहर का कायाकल्प करने का निर्देश जारी किया है।

मार्च में लगेगा विदेशी मेहमानों का राजधानी में जमावड़ा

रांची। मार्च महीने में होने वाले जी-20 देशों की बैठक को लेकर रांची पुलिस पूरी तरह से सतर्क हो चुकी है , देश-विदेश से आने वाले मेहमानों के स्वागत और सुरक्षा को लेकर तैयारियां जोरों शोर से चल रही है। रांची पुलिस के पैसे अफसर जो बेहतर अंग्रेजी की जानकारी रखते हैं और शारीरिक रूप से भी बेहद फिट हैं उन्हें विदेशी मेहमानों के स्वागत के लिए तैयार किया जा रहा है। जी-20 देशों के होने वाले कार्यक्रम को लेकर क्या-क्या तैयारियां हैं पुलिस किस तरह से विदेशी मेहमानों के स्वागत को लेकर अपनी तैयारी कर रही है। युद्ध स्तर पर तैयारी जारी : विश्व के विकासशील और विकसित देशों के संगठन जी-20 की कुछ महत्वपूर्ण बैठके अगले महीने झारखंड की राजधानी रांची में होनी है, इस बैठक को लेकर पुलिस अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगी हुई है। रांची आने वाले देश विदेश के मेहमानों के स्वागत में कोई कमी ना हो इसके लिए हर संभव तैयारी की जा रही है। झारखंड आर्म्ड फोर्स वन परिसर में बकायदा तैयारियों को लेकर पुलिस अफसरों को ट्रेंड भी किया जा रहा है। पुलिस कर्मियों के लिए आयोजित कार्यशाला में विदेशी मेहमानों से कैसे पेश आना है ,उनकी बातों को समझ कर कैसे तुरंत एक्टिव होना है ,उनकी सुरक्षा को लेकर क्या-क्या एहतियात बरतना है ,इन सभी बातो को लेकर ट्रेनिंग लगातार दी जा रही है। ट्रेनिंग सेशन में एडीजी अभियान ,डीआईजी रांची, एसएसपी रांची सहित कई अधिकारी भाग ले रहे हैं।

अंग्रेजी भाषा के जानकार अफसरों को मिला है मौका

रांची। रांची के सीनियर एसपी किशोर कौशल ने बताया कि क्योंकि जी -20 सबमिट में बड़े पैमाने पर विदेशी मेहमान भी आएंगे। ऐसे में उनके साथ भाषा को लेकर कोई कठिनाई ना हो ,इसलिए रांची पुलिस के वैसे अफसर जो अंग्रेजी बोलने और समझने में बेहतर हैं उन्हें भी मेहमानों की सुरक्षा और स्वागत के लिए तैयार किया है। मार्च में होगी बैठक : दुनिया के विकासशील और विकसित देशों का संगठन जी-20 की बैठक मार्च के पहले सफ्ताह में होना है। बैठक के लिए दरभंगा हाउस स्थित कोल इंडिया के कांफ्रेंस हॉल को चुना गया है। बैठक में जी-20 देशों के करीब 540 प्रतिनिधि भाग लेंगे।इन प्रतिनिधियों को उनके सुरक्षा ग्रेड के अनुसार सुरक्षा उपलब्ध करायी जायेगी।पुलिस मुख्यालय की तरफ से सभी मेहमानों की सुरक्षा श्रेणी हासिल की जा रही है ताकि उन्हें उसी अनुरूप सुरक्षा उपलब्ध करवाई जा सके, मसलन अगर किसी को जेड या जेड प्लस स्तर की सुरक्षा पहले से मिली हुई है, तो उन्हें यहां पर भी उसी तरह की सुरक्षा मिलेगी।

लापरवाही की जरा भी गुंजाईश नहीं, पुलिस छावनी में तब्दील होगी रांची

रांची। जी- किशोर कौशल ,एसएसपी ,रांची ने कहा कि 20 देशो की बैठक के दौरान पूरी रांची पुलिस छावनी में तब्दील रहेगी समारोह स्थल से लेकर जिन होटलों में मेहमान करेंगे उसकी सुरक्षा व्यवस्था का खाका तैयार कर लिया गया है रांची एसएसपी ने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी तादाद में पुलिस बलों की तैनाती की जायेगी,वहीं जिन होटलों या स्थानों पर जी-20 देशों के प्रतिनिधि रुकेंगे, वहां पर भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये जाएंगे। शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भी पुलिसकर्मियों को लगातार ब्रीफ किया जा रहा है। रांची एसएसपी के अनुसार जी 20 देशों के प्रतिनिधियों की बैठक रांची में होना रांची के लिए एक बड़ा सम्मान है ऐसे में देश-विदेश से आने वाले मेहमानों की सुरक्षा और स्वागत के लिए रांची पुलिस पूरी तरह से तैयार है।

NEWS इन ब्रीफ

मुख्यमंत्री से एनसीसी के महानिदेशक ने की मुलाकात

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को झारखंड मंत्रालय में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल जीपी सिंह ने मुलाकात की। इस दौरान एडीजी एनसीसी बिहार-झारखंड मेजर जनरल अमनदीप सिंह बजाज उपस्थित थे।

आदिवासियों के हक को लेकर क्रमबद्ध आंदोलन होगा : सालखन मुर्मू

रांची। आदिवासी सेंगेल अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सांसद सालखन मुर्मू ने झारखण्ड के आदिवासियों के अधिकारों के लिए व्यापक आंदोलन की चेतावनी दी है। श्री मुर्मू ने गुरुवार को रांची में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि झारखण्ड बने बाइस वर्ष हो गए लेकिन, इस प्रदेश के आदिवासियों को उनका अधिकार नहीं मिला है । श्री मुर्मू ने कहा कि राज्य में एक बेहतर स्थानीय और नियोजन नीति के लिए सभी दलों को मिलकर प्रयास करना चाहिए। उन्होने कहा कि राज्य के आदिवासियों के हक की बातों को लेकर आदिवासी सेंगेल अभियान क्रमबद्ध आंदोलन करेगी।

झारखंड हाई कोर्ट ने टिस्को को किया नोटिस

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति राजेश शंकर की कोर्ट में गुरुवार को पश्चिम सिंहभूम के नोआमुंडी इलाके के ग्रामीणों की ओर से दायर रिट याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने टिस्को को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। साथ ही मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार को तीन सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अगली सुनवाई तीन सप्ताह के बाद होगी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता नवीन कुमार ने पैरवी की। सुनवाई में याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया नोआमुंडी में बिना भूमि अधिग्रहण के पहले तो जैतगढ़-नोआमुंडी सड़क बना दिया गया। इसके बाद सड़क के किनारे बिना जमीन अधिग्रहण के टिस्को के माइंस के लिए पाइप लाइन बिछाने का काम किया जा रहा है।

बीएससी योगिक साइंस का परीक्षा फॉर्म 13 फरवरी तक होगा जमा

रांची। आरयू में बीएससी योगिक साइंस सेकेंड (सेशन 2020-23) और थर्ड सेमेस्टर (सेशन 2021-24) का एग्जाम फार्म जमा करने की तिथि घोषित कर दी गई है। 13 फरवरी तक ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड में फॉर्म जमा होगा। वहीं चार सौ रुपये विलंब शुल्क के साथ 15 फरवरी तक जमा होगा। अमानत कोर्स (सेशन 2021-22) का एग्जाम फॉर्म जमा करने की तिथि घोषित कर दी गई। 10 फरवरी तक ऑफलाइन मोड में फॉर्म जमा होंगा।

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के 6 विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट

नवीन मेल संवाददाता। रांची

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के 6 छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट झारखंड मिल्क फेडरेशन (मेधा डेयरी) में हुआ है। इनमें से चार लोगों का प्लेसमेंट पशु चिकित्सा पदाधिकारी के रूप में तथा 2 लोगों का चारा पदाधिकारी के पद पर हुआ है। उन्हें प्रारंभिक एक वर्ष की प्रशिक्षण अवधि के दौरान 45 हजार रुपए मासिक मानदेय मिलेगा। प्रशिक्षण अवधि पूरी होने पर वे झारखंड सरकार के राजपत्रित पदाधिकारी का वेतनमान एवं सुविधाएं प्राप्त करने के पात्र होंगे। पशु चिकित्सा पदाधिकारी के पद पर चयनित विद्यार्थियों के नाम हैं डॉ अनल बोस, डॉ पल्लबी घोष, डॉ कविश अहसन तथा डॉ प्रकाश कुमार। कृषि स्नातक सौरभ नंद तिवारी एवं शिव जायसवाल का प्लेसमेंट चारा पदाधिकारी के पद पर हुआ है। प्लेसमेंट के लिए कृषि एवं पशु चिकित्सा संकाय के कुल 40 वर्ष स्नातकों ने अपना सीवी जमा किया था, जिसके आधार पर 17 विद्यार्थियों का साक्षात्कार 31 जनवरी को हुआ और अंतिम रूप से 6 लोगों को चयनित किया गया। पशु चिकित्सा संकाय के प्लेसमेंट सेल के प्रभारी डॉ प्रवीण कुमार तथा कृषि संकाय के प्लेसमेंट रिचार्ज डॉ हेमचंद्र लाल ने छात्र-छात्राओं को चयन प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। बीएयू के कुलपति डॉ ओंकार नाथ सिंह, पशु चिकित्सा संकाय के अधिष्ठाता डॉ सुशील प्रसाद तथा निदेशक छात्र कल्याण डॉ डीके शाही ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

ईडी ने हासिल की जमीन के कागजात

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची में सेना की जमीन की खरीद के मामले में ईडी की जांच तेजी से चल रही है। ईडी ने करमटोली और सिरमटोली में सेना की अधिग्रहित जमीन की बिक्री से जुड़े मामले में सेना से कागजात हासिल किए हैं। ईडी ने सेना को पत्र लिखकर दोनों ही जमीनों के अधिग्रहण, उसके लीज समेत अन्य कागजातों की मांग की थी। सेना ने ईडी के पत्र का जवाब देते हुए रांची में दोनों ही जगहों पर अधिग्रहित जमीन से जुड़े सारे दस्तावेज सौंप दिए हैं। दोनों ही जगहों पर जमीन की खरीद करने वाले, रजिस्ट्री करने वाले व्यक्ति, सरकारी पदाधिकारी जिनकी भूमिका रजिस्ट्री, म्यूटेशन में हैं वह ईडी के रडार पर हैं। सेना जमीन खरीद में फजीर्वाडा के मामले में ईडी मनी लाउंड्रिंग के पहलूओं पर जांच कर रही है। सेना से मिले दस्तावेजों के मुताबिक, जमीन की खरीद बिक्री में बड़ी गड़बड़ी की पुष्टि हुई है।

जिला प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल : रांची में सेना की जमीन की रजिस्ट्री के मामले में रांची जिला प्रशासन की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। ईडी ने अबतक इस मामले में तत्कालीन डिप्टी रजिस्टार वैभव मनि त्रिपाठी, घासीराम पिंगुआ से पूछताछ की है।

छापेमारी

अवैध कॉस्मेटिक और दवा बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ धरना

कंपनी पर नहीं हुई कार्रवाई तो होगा आन्दोलन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

ड्रग कंट्रोल टीम की ओर से दूसरे दिन मंगलवार को भी रामगढ़ सहित रांची के रातू चट्टी और पीपी कंपाउंड, हिंदपीढ़ी के नाला क्षेत्र में छापेमारी की गई। छापेमारी में भारी मात्रा में दवाएं व एक ट्रक नकली सौंदर्य प्रसाधन के सामान जब्त किए गए। इसमें मूलतानी मिट्टी, हैंडवाश से लेकर फेस पैक तक शामिल हैं। वहीं इस छापेमारी के बाद अब लोगों में अवैध रूप से कॉस्मेटिक और नकली दवा बनाने वाले कंपनियों के खिलाफ आक्रोश देखने को मिल रहा है, स्वर्णरेखा जीनोउद्धार समिति के अध्यक्ष मक्खन पाठक ने कहा कि अवैध रूप से कॉस्मेटिक और दबाव बनाने वाली कंपनी लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रही हैं। औषधीय निदेशालय के नेतृत्व पर रांची में बड़े पैमाने पर छापेमारी कर इसका खुलासा हुआ है, लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि अब तक किसी भी कंपनी पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई नहीं की गई है। स्वर्णरेखा जीनोउद्धार समिति के अध्यक्ष मक्खन पाठक ने कहा कि अवैध कॉस्मेटिक और दवा बनाने वाला वाले कंपनी के खिलाफ जब तक कार्रवाई नहीं होती तब तक हम इसका विरोध करेंगे। शुक्रवार को स्वर्णरेखा नदी के तट पर मौजूद 21वीं महादेव मंदिर परिसर में एक दिवसीय धरना दिया जाएगा। यह आम लोगों से जुड़ा एक महत्वपूर्ण मामला है जिस पर औषधि निदेशालय कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें।

ये सामान किए गए जब्त : सफेद और काले डिसइंफैक्टेंट और टॉयलेट क्लीनर, नेलपॉलिश, फिनाइल की बड़ी संख्या में खाली बोतल और जार, हैंडवॉश, कलरेंट परफ्यूम और प्योर ग्लीसरिन, लेबल स्टीकर, भारी मात्रा में रॉ मैटेरियल, मैनुअल सीलिंग, पंचिंग मशीन और कैश मेमो हैं। इन कंपनियों में मिला है अवैध कॉस्मेटिका दवा : जियोन यहोदा फार्म इंडस्ट्रीज लोअर चुटिया, प्रगति उद्योग बीआईटी मेसरा, शुभम सास्वत मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड हरमू हाउसिंग कॉलोनी, किरण केमिकल प्रोडक्टस एंड किरण इंटरप्राइजेज अप्पर बाजार, मीना केमिकल्स संत नगर झिरी, रातू शामिल हैं।

पृष्ठ एक के शेष

20 मॉडल स्कूल बनेंगे...

था, उसे देने पर स्वीकृति दी गयी है। इसके तहत 24811601 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

एएनएम-जीएनएम को राज्य अस्पतालों में काम करना अनिवार्य : राज्य सरकार की ओर से संचालित नर्सिंग संस्थानों में प्रशिक्षण लेनेवाली नर्सों को अब राज्य के जिला और मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में एक साल तक बांड के तहत काम करना होगा। फिलहाल, यह व्यवस्था रिम्स में लागू है। अब इसे पूरे राज्य के लिए अनिवार्य कर दिया गया है। इस दौरान उन्हें प्रतिमाह 10 हजार रुपये दिए जाएंगे। जो नर्सें बांड के तहत काम नहीं करेंगी, उन्हें एक लाख रुपये देना होगा।

कैबिनेट के अन्य फैसले...

कंट्रोल सेंटर का निर्माण होगा। अभी यह रांची एसपी कार्यालय में है लेकिन यहां से पूरे जिले में परेशानी हो रही है। इसलिए मॉनिटरिंग के लिए स्टेट लेवल कमांड कंट्रोल सिस्टम बनेगा।

- नेतरहाट एवं कोयल व्यू प्वाइंट 6.4 किलोमीटर रोड 30 करोड़ की लागत से बनेगा।
- रांची स्मार्ट सिटी की भूमि के लिए एचईसी को 2.48 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा।
- गोंदा मोहाली शिवनगर रोड को 79 करोड़ में बनाने की मंजूरी दी गयी।
- 4401 उर्दू शिक्षकों के पद को योजना मद से गैर योजना मद में शामिल किया गया। इससे इनके वेतन भुगतान में अब आसानी होगी।
- प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी साहिबगंज अमृत नरेश खलखो को सेवा से बर्खास्त किया गया।

राज्यपाल ने तीसरी बार लौटाया...

को यह कहते हुए इस विधेयक को फिर वापस किया कि संशोधित विधेयक को झारखंड विधान सभा से पारित करा कर अनुमोदन प्राप्त करने के लिए प्रेषित करें।

एक अकेला सब पर भारी...

कलबुर्गी आ जाते हैं... मैं आता हूं शिकायत करने से पहले ये भी देखो कि कर्नाटक में एक करोड़ 70 लाख जनधन अकाउंट खुले हैं। उन्हीं के इलाके कलबुर्गी में आठ लाख से ज्यादा जनधन खाते खुले हैं। अब बताइए इतने खाते खुल जाएं, लोगों को ताकत मिल जाए और किसी का इतने सालों के बाद खाता बंद हो जाए तो उनकी पीड़ा मैं समझ सकता हूं। बार-बार उनका दर्द झलकता है।' पीएम मोदी यहीं नहीं रूके। आगे उन्होंने कहा : कभी वह (मल्लिकार्जुन खड़गे) यहां तक कह देते हैं कि एक गरीब को हरा दिया। उन्हीं के इलाके की जनता ने दलित तो जिता दिया। जनता आपका खाता बंद कर रही है और आप रोना यहां रो रहे हो।

नेहरु सरनेम से शर्मिंदगी क्यों?

पीएम मोदी ने देश के पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरु का जिक्र करते हुए गांधी परिवार पर बड़ा हमला किया। कहा : 600 से ज्यादा योजनाएं गांधी-नेहरू के परिवार के नाम पर हैं। अगर अब किसी कार्यक्रम में नेहरू जी का नाम नहीं प्रयोग हुआ तो कुछ लोगों का खून गर्म हो जाता था, लेकिन मुझे ये समझ नहीं आता कि उनकी पीढ़ी का कोई व्यक्ति नेहरू सरनेम रखने से डरता क्यों है। क्या शर्मिंदगी है नेहरू सरनेम रखने में। इतना बड़ा महान व्यक्ति आपको और आपके परिवार को मंजूर नहीं है और आप हमारा हिसाब मांगते हो। प्रधानमंत्री ने आगे कहा : यह जन-जन की पीढ़ियों से बना देश है। यह देश किसी परिवार की जागीर नहीं। हमने मेजर ध्यानचंद्र के नाम पर खेल खत्न का नाम रख दिया। हमें गर्व हो रहा है। जो लोग आए दिन हमारे देश की सेना को नीचा दिखाने का मौका नहीं छोड़ते, हमने द्वीपों को परमवीर चक्र पाने वाले वीरों के नाम पर रख दिया।

इंदिरा गांधी का जिक्र करके भी गांधी परिवार को लिया आड़े हाथों

प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी का जिक्र करके भी गांधी परिवार पर हमला किया। बोले, 'जो लोग आज विपक्ष में बैठे हैं। उन्होंने राज्यों के अधिकारों को धज्जियां उड़ा दीं। मैं कच्चा-चिट्ठा खोलना चाहता हूं। वो लोग कौन थे, जिन्होंने आर्टिकल 356 का दुरुपयोग किया? वे लोग कौन हैं, जिन्होंने यह किया और चुनी हुई सरकारों को गिरा दिया। एक प्रधानमंत्री ने आर्टिकल 356 का 50 पर प्रयोग किया, वह नाम है इंदिरा गांधी।' मोदी ने वामदलों को सुनाते हुए कहा, 'केरल में वामपंथी सरकार चुनी गई, जिसे पंडित नेहरू पसंद नहीं करते थे। कुछ ही दिनों में चुनी हुई सरकार को गिरा दिया। डीएमके के मित्रों को भी बताता हूं। तमिलनाडु में भी एमजीआर और करुणानिधि जैसे दिग्गजों की कई सरकारों को कांग्रेसवालों ने गिरा दिया। एमजीआर की आत्मा देखती होगी, आप कहां खड़े हो।

पहले इनका काम लटकाना, भटकाना था

पीएम मोदी ने कहा तमाम परियोजनाओं का जिक्र करते हुए भी कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। कहा, 'हमने सीधे जनधन खाते में लाभार्थियों को पैसे भेजे। हम नया इको सिस्टम लाए। जिन लोगों को पुराने इको सिस्टम के फायदे मिलते थे, उनका चिल्लाना स्वाभाविक है। पहले परियोजनाएं लटकाने, भटकाने का कल्चर था। हमने टेक्नोलॉजी का प्लेटफॉर्म तैयार किया और इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट को गति देने का काम किया। योजनाएं बनाने में महीनों लगते थे, आज सप्ताहभर में योजनाएं आगे बढ़ा दी जाती हैं। पीएम ने कहा : कोई भी जब सरकार में आता है तो देश के लिए कुछ करने के वादे करके आता है। जनता का भला करने के वादे करके आता है। सिर्फ भावनाएं व्यक्त करने से बात नहीं बनती है। जैसे कभी कहा जाता था गरीबी हटाओ, चार दशक में कुछ नहीं हुआ। विकास की गति क्या है? विकास की नीयत, उसकी दिशा, प्रयास, परिणाम क्या है? ये बहुत मायने रखता है। जनता की आवश्यकताओं के लिए मेहनत करते हैं तो दबाव बढ़ता है, परिश्रम ज्यादा करना पड़ता है। गांधीजी कहते थे, श्रेय और प्रिय। हमने श्रेय का रास्ता चुना और प्रिय लगने वाला रास्ता छोड़ा। दिन-रात मेहनत करेंगे, लेकिन जनता की उम्मीदों को चोट नहीं पहुंचने देंगे।

वोट नहीं तो नॉर्थ-ईस्ट में बिजली नहीं पहुंचाई

प्रधानमंत्री मोदी अपने संबोधन में नॉर्थ ईस्ट का जिक्र करना नहीं भूले। उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा : नॉर्थ ईस्ट के गांवों में बिजली नहीं थी। दूरदराज के गांव थे, नॉर्थ ईस्ट के गांव थे। पहाड़ी गांव थे। इनके वोट बैंक नहीं थे, इसलिए इनकी सरकार ने यहां बिजली पहुंचाने पर ध्यान नहीं दिया। हमने कहा कि हम मक्खन नहीं, पत्थर पर लकीर खींचेंगे। हमने 18 हजार गांवों में बिजली पहुंचाई। खुशी है कि दूरदराज के गांवों को आजादी के इतने सालों बाद आशा की किरण दिखाई दी। मोदी ने आगे कहा : पहले की सरकारों में कुछ घंटे बिजली आती थी। पहले गांव में एक खंबा गाड़ देते थे तो हर साल उसकी एनिवर्सिरी मनाते थे। हम आज 22 घंटे बिजली देने में सफल हुए हैं। हमने लोगों को उनके भाग्य पर नहीं छोड़ा। राजनीतिक फायदे-घाटे की बात नहीं सोची। देश का कल उज्ज्वल बनाने का रास्ता चुना। मेहनत का रास्ता चुना।

आदिवासियों को विकास से दूर रखा : पीएम मोदी ने आदिवासियों का जिक्र करके भी कांग्रेस सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को बार-बार देश नकार रहा है, लेकिन वो अपनी साजिशों से बाज नहीं आ रहे हैं। जनता ये देख रही है। हर मौके पर उन्हें सजा देती रही है। 1857 से लेकर 2014 तक हिंदुस्तान का कोई भी भूभाग उठा लीजिए। आजादी की लड़ाई में आदिवासियों का योगदान सुनहरे पन्नों से भरा है, लेकिन दशकों तक आदिवासी भाईयों को विकास से वंचित रखा गया। विश्वास का सेतु तो कभी बना ही नहीं। नौजवानों के मन में बार-बार सरकारों के लिए सवाल उठते गए। सही नीयत से आदिवासियों के कल्याण के लिए समर्पण से काम किया होता तो 21वीं सदी के तीसरे दशक में मुझे इतनी मेहनत नहीं करनी पड़ती। अटल बिहारी सरकार में आदिवासियों के लिए अलग मंत्रालय, अलग बजट की व्यवस्था हुई।

राजनीति के लिए किया किसानों का इस्तेमाल

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में किसानों की बात भी कही। किसानों का जिक्र करके पीएम ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा : किसानों के लिए पहले क्या नीति थी? ऊपर के कुछ वर्ग को संभाल लेना और उन्हीं से अपनी राजनीति चलाना ही लक्ष्य था। छोटे किसान उपेक्षित थे, उनकी आवाज कोई नहीं सुनता था। हमारी सरकार ने छोटे किसानों पर ध्यान केंद्रित किया। उन्हें बैंकिंग से जोड़ा और आज साल में तीन बार किसान सम्मान निधि उनके खातों में जमा होती है। हमने मिलेट ईयर के लिए यूएन को लिखा। ये छोटे किसान उगाते हैं। जैसे श्रीफल का महत्व होता है, वैसे ही मिलेट को श्री अन्न का दर्जा मिले। इससे छोटे किसानों को मजबूती मिलेगी। मोटा अनाज पोषण के लिए भी बड़ी ताकत है। किसानों के साथ-साथ इससे देश को भी बड़ा फायदा मिलेगा।

हमारे वैज्ञानिकों को बदनाम किया

प्रधानमंत्री ने कोरोना काल के दौरान वैक्सीन और देश के वैज्ञानिकों को लेकर हुई टिप्पणी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा : वैक्सीन बनानेवाले वैज्ञानिकों को नीचा दिखाने के लिए कितने प्रयास हुए। आर्टिकल लिखे गए, टीवी में बोला गया। ये विज्ञान के विरोधी लोग, ये टेक्नोलॉजी के विरोधी लोग हैं। हमारे वैज्ञानिकों को बदनाम करने का मौका नहीं छोड़ते। हमारे नौजवान नए अनुसंधान कर रहे हैं, ये उन्हें बदनाम कर रहे हैं। इन्हें देश की चिंता नहीं है, अपनी राजनीति की चिंता है। हमें खुशी है कि आज 100 करोड़ से ज्यादा मोबाइल मेरे देश के हाथ में है। कभी इम्पोर्ट करते थे, गर्व है आज एक्सपोर्ट कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा : डिजिटल दुनिया में आज हिंदुस्तान दुनिया का लीडर बना हुआ है। एक समय था, हम मोबाइल इंपोर्ट करते थे, आज मेरा देश मोबाइल एक्सपोर्ट कर रहा है। हर तकनीक को देश बहुत तेज गति से अपना रहा है, उसका विस्तार कर रहा है। हमने दवाइयां पहुंचाने का काम ड्रोन से हो रहा है, इसके लिए हमने पॉलिसी का बदलाव किया है।

पीएम ने कहा : देश को आधुनिक होना है, नए संकल्पों को सोचना है तो साइंस और टैक्नोलॉजी को नकार नहीं सकते। हम टुकड़ों में नहीं सोचते हैं। हम हर दिशा में काम कर रहे हैं। हमने स्पेस के क्षेत्र में प्राइवेट भागेदारी का सपना पूरा किया। मुझे खुशी है देश के नौजवान प्राइवेट सैटेलाइट छोड़ने का सपना देखते हैं, यह गर्व की बात है। यूनिकॉर्न की दुनिया में हम तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

लातेहार के जंगल से मिला...

पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर नक्सलियों के खिलाफ छापामारी अभियान चलाया गया। छापेमारी अभियान के दौरान् श्वान दस्ता के संदेह पर ये हथियार बरामद किए गए।

12 से 21 तक नक्सली मनायेंगे...

दिवसीय प्रतिरोध दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है। कहा गया है कि पारसनाथ को जैनियों का तीर्थ स्थल घोषित कर पूरे पारसनाथ के चारों ओर क्षेत्र में कब्जा करने के लिए उसके अंदर मुर्गा-बकरा आदि की बलि देने पर प्रतिबंध लगाने, गैर जैनियों को घुसने पर प्रतिबंध लगाने की योजना एक साजिश के तहत सदियों हजारों वर्षों से वास करते आ रहे आदिवासियों को खदेड़ने और कॉर्पोरेट घरानों को कब्जा दिलाने की सुनियोजित योजना का ही अभिन्न हिस्सा है।

पलामू सांसद ने लोकसभा में...

द्वारा भी बार-बार बड़गड़ एवं भंडरिया प्रखंड के निवासियों के घरों को गिरा दिया जा रहा है। उनके घरों में रखे अनाज को खा लिया जा रहा है एवं फसलों को बर्बाद कर दिया जा रहा है। नीलगायों का भी आतंक दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है । खासकर हुसैनाबाद , विश्रामपुर में इसकी संख्या अधिक है। जानवरो का प्रकोप तो इतना बढ़ गया है कि किसानों ने कई प्रकार की फसलों को उपजाना बंद कर दिया है । क्योंकि वन विभाग के द्वारा क्षतिपूर्ति की जो राशि भी यदा-कदा दी जाती है। वह अत्यंत कम होती है। उन्होंने पलामू संसदीय क्षेत्र की जनता को इन जंगली जानवरों के आतंक से मुक्ति दिलाने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

पीएफआई 2047 तक भारत को बनाना चाहता है...

के सदस्यों ने चेंबूर, धारावी, कुर्ला, ठाणे, नेरुल, पनवेल और मुंब्रा में गुप्त बैठकें कीं। पीएफआई ने मुस्लिम युवाओं को यह बताकर शामिल करने की योजना बनाई थी कि उनका धर्म (मुस्लिम धर्म) खतरे में है। उन्होंने भोले-भाले मुस्लिम युवाओं को लामबंद किया और उन्हें अन्य धर्मों के खिलाफ भड़काया।

मुस्लिम युवकों की पहचान केवल...

आरएसएस को खत्म करने के लिए भी काम कर रहा है। चार्जशीट में आरोप है कि भारत में अशांति पैदा करने के लिए पीएफआई इस्लामिक देशों से भी मदद मांग रहा था। पीएफआई ने कथित तौर पर एससी/एसटी और आदिवासी समुदायों के लोगों को भड़काने की भी योजना बनाई थी, ताकि उनकी भी मदद ली जा सके। एटीएस ने चार्जशीट में आरोप लगाया है, एक पीएफआई नेता एससी, एसटी जनजाति के लोगों की मदद करेगा, ताकि वे उनके लिए काम करें। वे आदिवासी समुदाय का इस्तेमाल करना चाहते थे। वे चाहते थे कि उनका कैडर न्यायपालिका और पुलिस का हिस्सा हो।

लालगढ़-पंजरी में रेलवे फाटक...

रामदेव राम सांसद बने। इनके द्वारा कभी भी क्षेत्र की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया गया। लोकसभा भें भाजपा के जीत का सिलसिला चलता रहा। तीन बार 1996, 1998 व 1999 में लगातार ब्रजमोहन राम चुनाव जितते रहे। कभी भी पंजरी-लालगढ़ रेल फाटक के प्रति गंभीरता नहीं दिखाई।

11 हजार फीट की ऊंचाई पर नारी शक्ति की मिसाल

आईटीबीपी की वीरांगनाओं ने नेशनल आइस हॉकी चैम्पियनशिप जीती

प्रतियोगिता के फाइनल में लद्दाख यूटी को 2-1 से हराया

एजेंसी। नई दिल्ली

11 हजार फीट की ऊंचाई पर नारी शक्ति की मिसाल कायम करते हुए भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की केंद्रीय महिला आइस हॉकी टीम ने लेह, लद्दाख में आयोजित सीनियर नेशनल आइस हॉकी चैंपियनशिप फॉर वूमेन 2023 जीत ली है। आईटीबीपी की तरफ से ये जानकारी दी गई है। आईटीबीपी की टीम ने बुधवार को खेले गए प्रतियोगिता के फाइनल में लद्दाख यूटी को 2-1 के स्कोर से हराया। यह पहली बार है कि पर्वतीय प्रशिक्षित बल की महिला कर्मियों ने इस प्रमुख महिला राष्ट्रीय आइस हॉकी चैंपियनशिप को जीता है। बता दें कि 5 फरवरी, 2023 को आईटीबीपी ने इस प्रतियोगिता की पुरुष वर्ग की चैंपियनशिप ट्रॉफी भी जीती थी।

आईटीबीपी ने बताया कि लद्दाख के आइस हॉकी रिंक में आयोजित इस राष्ट्रीय टूर्नामेंट में देश की शीर्ष टीमों ने भाग लिया, जो दुनिया के सबसे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में से एक में स्थित है। वहीं, हिमाचल की महिला टीम को कांस्य पदक मिला है। प्रतियोगिता में तेलंगाना, दिल्ली, हिमाचल, हरियाणा, आईटीबीपी, यूटी लद्दाख और महाराष्ट्र की टीम ने दमखम दिखाया। गौरतलब है कि साहसिक खेलों में आईटीबीपी का अनोखा कीर्तिमान है। आईटीबीपी की महिला कर्मियों ने पुरुष समकक्षों के साथ वर्षों से पर्वतारोहण, स्कीइंग और रिवर राफ्टिंग आदि में योगदान दिया है।

फुटबॉल : पंजाब एफसी ने जुआन के साथ किया करार

एजेंसी। मोहाली

राउंडग्लास पंजाब एफसी ने हीरो आई-लीग 2022-23 के शेष बचे सीजन के लिए अर्जेंटीना के अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉलर जुआन कार्लोस नेलर के साथ करार किया है। 29 वर्षीय मिडफील्डर नेलर अर्जेंटीना, इटली, स्पेन और डेनमार्क में खेलने के अनुभव के साथ राउंडग्लास पंजाब एफसी में शामिल हुए। नेलर, जिन्होंने अर्जेंटीना के दूसरे डिवीजन क्लब इंस्टीट्यूटो एट में अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की, इस सीजन की शुरुआत में वह आई-लीग में सेंट्रल डी कॉडोर्बा, गोकुलम केरला एफसी के लिए खेल चुके हैं। राउंडग्लास पंजाब एफसी के फुटबॉल निदेशक निकोलाओस टोपोलियाटिस ने कहा : हम जुआन को अपने बीच पाकर बेहद खुश हैं, जो टीम में भरपूर अनुभव लेकर आता है। हमें उम्मीद है कि वह टीम के मिडफील्ड में एक प्रमुख खिलाड़ी साबित होंगे क्योंकि हम लीग के अंतिम चरण की ओर बढ़ रहे हैं और फुटबॉल के प्रेरक ब्रांड को खेलने में हमारी मदद करेंगे।

NEWS इन ब्रीफ

ओन्स ने चैंपियनशिप से नाम वापस लिया

दुबई। विश्व के तीसरे नंबर की खिलाड़ी ट्यूनीशिया की ओन्स जेब्यूर ने डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट, कतर ओपन और दुबई टेनिस चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है। 28 वर्षीय जेब्यूर ने इस महीने के बाद में होनेवाली एक छोटी सर्जरी के कारण यह फैसला लिया है। जेब्यूर ने सोशल मीडिया पर लिखाः मेरी स्वास्थ्य स्थिति का ख्याल रखने के लिए, मेरी मेडिकल टीम ने फैसला किया है कि मुझे कोर्ट पर वापस आने और अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम होने के लिए एक छोटी सी सर्जरी कराने की आवश्यकता है।

पेशेवर क्रिकेटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बने हैरिस

लंदन। ग्लैमरगन ऑलराउंडर जेम्स हैरिस को दोबारा पेशेवर क्रिकेटर्स एसोसिएशन (पीसीए) का दोबारा अध्यक्ष चुना गया है। उनका कार्यकाल दो साल का होगा। पीसीए ने बुधवार को एक बयान में कहा : ग्लैमरगन के जेम्स हैरिस को पेशेवर क्रिकेटर्स एसोसिएशन का दोबारा अध्यक्ष चुना गया है। उनका कार्यकाल फरवरी 2025 तक है। प्रारंभ में 2017 में मिडलसेक्स के पीसीए प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त, हैरिस ने जल्दी ही खुद को खिलाड़ियों की समिति की एक प्रमुख आवाज के रूप में स्थापित किया और तीन साल बाद, वह इंग्लैंड के कप्तान हीथर नाइट के साथ पीसीए के पहले उपाध्यक्षों में से एक बन गए।

ब्राजील के पूर्व गोलकीपर डिएगो विगो से जुड़े

रियो डी जनेरियो। ब्राजील के पूर्व अंतरराष्ट्रीय गोलकीपर डिएगो अल्वेस सेल्टा विगो से जुड़ गए हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी में रियो डी जनेरियो की दिग्गज कंपनी फ्लैमेंगो से अलग होने के बाद 37 वर्षीय खिलाड़ी ने छह महीने के अनुबंध पर सहमति जताई है। ब्राजील के लिए 10 बार खेलने वाले अल्वेस 2007 से 2011 तक स्पेन के अल्मेरिया और फिर 2011 से 2017 तक वालेंसिया के साथ खेले। उनका रिकॉर्ड 22 पेनल्टी सेव का है।

नागपुर टेस्ट : ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 177 रनों पर सिमटी

भारत की मजबूत शुरुआत रोहित का नाबाद अर्धशतक

पहले दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने एक विकेट के नुकसान पर बनाए 77 रन

जडेजा ने 5, अश्विन ने 3, शमी और सिराज ने 1-1 विकेट लिया

एजेंसी। नागपुर

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल खत्म होने पर 1 विकेट पर 77 रन बना लिए हैं। कप्तान रोहित शर्मा ने बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेलते हुए नाबाद 56 रन बनाए, जबकि अश्विन बिना खाता खोले नाबाद हैं। भारत की तरफ से एकमात्र विकेट केएल राहुल का गिरा जो 20 रन बनाकर टॉड मर्फी का शिकार बने।

जडेजा ने झटके 5 विकेट

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 177 रनों पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए मार्नश लाबुशेन ने 49, स्टीव स्मिथ ने 37, एलेक्स कैरी ने 36 और पीटर हैंड्सकॉम्ब ने 31 रन बनाए। भारत की तरफ से रवींद्र जडेजा ने 5 विकेट लिए। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और दूसरे ही ओवर में मो. सिराज ने सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा (01) को बोल्ड कर भारत को पहली सफलता दिलाई। तीसरे ओवर में मोहम्मद शमी ने डेविड वॉर्नर (01) को बोल्ड कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई।

इसके बाद लाबुशेन और स्टीव स्मिथ ने तीसरे विकेट के लिए 82 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी को तोड़ा रवीन्द्र जडेजा ने। जडेजा ने पहले मार्नस लाबुशेन को श्रीकर भरत के हाथों स्टम्प कराया और उसके बाद मैट रेनशॉ को एलबीडब्ल्यू कर ऑस्ट्रेलिया को दो लगातार झटके दिये। लाबुशेन ने 49 रन बनाए, जबकि रेनशॉ ने खाता भी नहीं खोला। जडेजा ने इसके बाद 109 के कुल स्कोर पर स्मिथ को बोल्ड कर ऑस्ट्रेलिया को पांचवां झटका दिया। स्मिथ ने 37 रन बनाए। एलेक्स कैरी और पीटर हैंड्सकॉम्ब ने इसके बाद छठे विकेट के लिए 53 रनों की साझेदारी की। अश्विन ने 162 के कुल स्कोर पर कैरी को बोल्ड कर यह साझेदारी तोड़ी। कैरी ने 36 रन बनाए। अश्विन ने इसके बाद कप्तान पैट कमिंस (06) को बोल्ड कर ऑस्ट्रेलिया को सातवां झटका दिया।

जडेजा ने 174 के कुल स्कोर पर टॉड मर्फी (00) को एलबीडब्ल्यू कर मैच में अपना चौथा विकेट लेते हुए ऑस्ट्रेलिया को आठवां झटका दिया। 176 के कुल स्कोर पर जडेजा ने पीटर हैंड्सकॉम्ब (31) को एलबीडब्ल्यू कर मैच में अपने पांच विकेट पूरे किये। 177 के कुल स्कोर पर अश्विन ने स्कॉट बोलैंड (01) को बोल्ड कर ऑस्ट्रेलियाई पारी का अंत किया। भारत के लिए रवीन्द्र जडेजा ने 5, रविचंद्रन अश्विन ने 3, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज ने 1-1 विकेट लिया।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 450 विकेट लेनेवाले दूसरे गेंदबाज बने अश्विन

भारतीय अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन सबसे तेज 450 टेस्ट विकेट लेनेवाले दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। अश्विन ने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नागपुर में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन हासिल की। अश्विन ने 88 टेस्ट मैचों में यह उपलब्धि हासिल की है। वहीं, श्रीलंका के महान मुथैया मुरलीधरन ने 80 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी। अश्विन ने एलेक्स कैरी को बोल्ड कर टेस्ट क्रिकेट में 450 विकेट पूरे किये। वह अनिल कुंबले के बाद 450 टेस्ट विकेट लेनेवाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बन गए। अश्विन का टेस्ट डेब्यू 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली में हुआ था।

पहले टेस्ट के शुरुआती दिन लगभग 12 हजार दर्शकों ने मैच का उठाया लुत्फ

एजेंसी। नागपुर

विदर्भ क्रिकेट संघ (वीसीए) ने दावा किया था कि जामथा में उसके स्टेडियम में चार मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट के लिए 40 हजार टिकट बेचे गए थे, लेकिन गुरुवार को पहले दिन उनमें से केवल 12 हजार ही स्टेडियम पहुंचे। लेकिन यह देखते हुए कि यह एक सप्ताह का दिन है, काफी अच्छी भीड़ थी और यह ऑस्ट्रेलिया था जो पहले बल्लेबाजी कर रहा था और भारत नहीं। पैट कमिंस ने टॉस जीता और 9,000 दर्शकों के सामने पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुना। दोपहर के सत्र में 12 हजार दर्शकों तक पहुंच गई, क्योंकि भारतीय गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया को 177 रनों पर समेट दिया। वीसीए उम्मीद कर रहा होगा कि टिकट खरीदने वाले 40 हजार में से अधिकांश भारतीय पारी देखने के लिए शुक्रवार को स्टैंड में आएंगे। वे सप्ताहांत में जामथा में विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन (वीसीए) स्टेडियम को भरने के लिए भारी भीड़ की भी उम्मीद कर रहे हैं।

हॉकी इंडिया ने नेशनल चैंपियनशिप के लिए की तारीखों की घोषणा

एजेंसी। नई दिल्ली

देश के उभरते हॉकी खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बनाने की होड़ में घरेलू चैंपियनशिप के लिए तैयार होंगे, जहां राष्ट्रीय चयनकर्ता नई प्रतिभाओं को खोजने के लिए मौजूद रहेंगे। इस वर्ष का घरेलू सत्र महत्वपूर्ण 13वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2023 के साथ शुरू होगा, जो 15 फरवरी से आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में शुरू होने वाली है।

पिछले साल की विजेता ओडिशा की टीम अपने खिताब का बचाव करना चाहेगी, जबकि उपविजेता कर्नाटक की टीम फाइनल में अपनी 0-2 की हार का बदला लेना चाहेगी। प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए कुल 29 टीमें काकीनाडा पहुंचेंगी। इसके बाद 26 फरवरी से तीसरी हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष इंटर-डिपार्टमेंट नेशनल चैंपियनशिप 2023 की शुरुआत होगी। नई दिल्ली में आयोजित पिछले संस्करण में, रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड ने खिताबी मुकाबले में रोमांचक शूटआउट में पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड को 3-1 से हराया था, जबकि सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड ने पंजाब नेशनल बैंक को हराकर तीसरा स्थान हासिल किया था।

पीएसयू के लिए विशेष रूप से शुरू की गई इस नई राष्ट्रीय चैंपियनशिप के पहले संस्करण के बाद जुगराज सिंह और सुखजीत सिंह जैसे खिलाड़ियों को 2022 में सीनियर राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए कॉल-अप मिला और बाद में राष्ट्रीय टीम के साथ उन्होंने अपनी शुरूआत की। इसके बाद मार्च में भारतीय टीम राउरकेला में जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया के साथ एफआईएच हॉकी प्रो लीग में खेलेगी। घरेलू सीजन अप्रैल में 13वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2023 के साथ फिर से शुरू होगा।

रायपुर में 18 और 19 फरवरी को खेला जाएगा सेलेब्रिटी क्रिकेट लीग

रायपुर। मुख्यमंत्री की पहल पर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सेलेब्रिटी क्रिकेट लीग का आयोजन होने जा रहा है और इसमें बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार खेलते हुए नजर आने वाले हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट कर जानकारी दी है। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार इस लीग में अभिनेता सोनू सूद, रितेश देशमुख, किच्चा सुदीप,बॉबी देओल, वेंकटेश, मनोज तिवारी, दिनेश लाल यादव, सोहेल खान समेत 150 फिल्मी कलाकार शामिल होंगे। इसका आयोजन 18 और 19 फरवरी को शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होना है। इस मैच में हिंदी सिनेमा के अलावा सात क्षेत्रीय फिल्म उद्योग के सितारे भी मैच खेलेंगे। सेलेब्रिटी क्रिकेट लीग के फाउंडर और डायरेक्टर श्रीनिवासन ने बुधवार रात मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात की।

ब्रेंडन मैकुलम ने बेन स्टोक्स की तारीफ की

एजेंसी। हैमिल्टन

इंग्लैंड के रेड-बॉल कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि वह कप्तान बेन स्टोक्स के टेस्ट क्रिकेट में बहुत खास चीजें हासिल करने से खुश हैं। वे आगामी दो मैचों की सीरीज में न्यूजीलैंड से भिड़ने के लिए तैयार हैं। जब से मैकुलम और स्टोक्स ने पिछले साल पदभार संभाला है, तब से इंग्लैंड का प्रदर्शन अच्छा रहा है। उन्होंने 10 मैचों में नौ में जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड के साथ-साथ घर में दक्षिण अफ्रीका, भारत और फिर

पाकिस्तान में क्लीन स्वीप किया। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में निडर खेल के एक नए युग की शुरुआत की है। मैकुलम ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा : मुझे यकीन नहीं है कि इस टीम के लिए क्या संभव है क्योंकि वह एक ऐसे खिलाड़ी हैं, जो अपने तरीके से खेलते हैं और कुछ विशेष चीजें हासिल करते हैं। मुझे पता है कि इस टीम के लिए उनकी योजनाएं काफी अच्छी हैं। अब तक के इंग्लैंड के कोच के रूप में अपने जीवन के बारे में बताते हुए, न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान मैकुलम ने टिप्पणी की, यह एक अच्छी शुरुआत रही है। परिणाम बहुत अच्छे रहे हैं, लेकिन यह सिर्फ परिणाम नहीं है। मुझे पता है कि वह खुद बेहतर करते हैं और खिलाड़ियों को उत्साहित करते हैं।

आईएसएल लीग — विनर्स शील्ड के लिए आइलैंडर्स संघर्षरत

छांगटे और बिपिन ने एक-दूसरे की तारीफ की

एजेंसी। मुंबई

शनिवार को मुंबई सिटी एफसी ऐसे मुकाबले में एफसी गोवा से भिड़ेगी, जिसका आईएसएल लीग विनर्स शील्ड के लिए जारी आइलैंडर्स के संघर्ष पर भारी असर पड़ेगा। मुंबई सिटी एफसी अब तक अपराजित रही है और यदि वह इस सिलसिले को 18 मैचों तक बढ़ाने में कामयाब हो जाती है, तो वह शील्ड हासिल करने की तरफ बड़ा कदम बढ़ा देगी। आइलैंडर्स के इस दबदबे के केंद्र में दोनों विंगर लल्लिंजुआला छांगटे और बिपिन सिंह के बीच गहरी जुगलबंदी रही है। ये दोनों इस सीजन में मुंबई सिटी एफसी के 47 गोलों में से 22 में शामिल रहे हैं। छांगटे ने 16 मैचों में 9 गोल किए हैं और 5 में सहायता प्रदानी की है। उनका कहना है कि दूसरे विंग में बिपिन

जैसे खिलाड़ी की मौजूदगी ने बड़ी भूमिका निभाई है।

छांगटे ने कहाः बिपिन भाई जैसे खिलाड़ी की मौजूदगी से काम बहुत आसान हो जाता है, जो मेरे बराबर ही तेज दौड़ सकता है। उन्होंने कहा : निश्चित रूप से यहां तक कि विदेशी खिलाड़ी भी पिच पर और बाहर बहुत मददगार होते हैं। जब मैं अपनी उम्र से बड़े खिलाड़ियों को दौड़ते और गेंद का पीछा करते हुए देखता हूं, तो इससे मुझे अतिरिक्त प्रेरणा मिलती है। इस सीजन में छांगटे और बिपिन दोनों ने अपनी गति, ड्रिब्लिंग और एक-दूसरे के साथ तालमेल बनाने की क्षमता से विपक्षी डिफेंस को तार-तार कर दिया है। यह असामान्य नहीं है कि मुम्बई के हमलों की शुरूआत दोनों फ्लैंक्स पर रक्षकों के पीछे छांगटे या बिपिन की तेज-तर्रार दौड़ से होती है। बिपिन कहते हैं कि वह और छांगटे मैदान के अंदर और बाहर एक-दूसरे के काफी करीब हैं और जब भी वे बोलते हैं तो एक-दूसरे के लिए उनकी प्रशंसा झलकती है। छांगटे ने कुछ मजाकिया अंदाज में कहाः मैं पिछले दो सालों से बिपिन को देख रहा हूं। मुझे उनकी एक बात अच्छी लगती है कि वह दोनों पैरों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ड्रिबल करने में कभी नहीं झिझकते बिपिन

छांगटे ने आगे कहा : वह ड्रिबल करने में कभी नहीं झिझकते और क्रॉस डालने में पीछे नहीं रहते हैं। कभी-कभी उनके बारे पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता है कि वह क्या करनेवाले हैं। मुझे उससे भी सीखने की जरूरत है। मुझे उनके साथ खेलने में मजा आता है। छांगटे के स्तर बारे में बिपिन के विचार सिर्फ एक वाक्य में सुने जा सकते हैं- आपने इसे पिच पर देखा है- उसकी ड्रिब्लिंग और शूटिंग। मेरे भाई के पास यह सब है। जब बिपिन और छांगटे मुंबई सिटी एफसी की सफलता के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं, बिपिन ने तुरंत ही इशारा किया कि टीम की सफलता मुख्य कोच डेस बकिंघम का खरीद करने का नजरिया और दो सत्रों में इससे परिचित होने के कारण आई है।